जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Kotha To The Gramophone

The boldness of some of the lyrics? For example, the ghazal *Tum ek bosa karo inayat* (bestow upon me a kiss) by Bai Sunderabai. Who were these women? Who were their ustads?

The Postcard That Changed a Career

While walking past a notice board advertising engineering opportunities, she noticed a discriminatory condition: Ladies need not apply…

कांग्रेस ने तय किया है कि पार्टी वंदे मातरम् के दो ही अंतरे गाएगी

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में निर्णय लिया गया है कि पार्टी 1937 के सीडब्ल्युसी के फैसले का पालन करेगी, जिसमें वंदे मातरम् के दो अंतरे गाने का प्रस्ताव पारित किया गया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **तकरीबन साढ़े चार घंटे चली सीडब्ल्युसी की बैठक में छात्र आंदोलनों, शिक्षा सुधार, चढ़ावा चोरी, परिसीमन, महिला आरक्षण और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।**
- **बैठक में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों को शिक्षा सुधार पर विस्तृत दस्तावेज तैयार करने का निर्देश दिया गया।**
- **पर, सबसे बड़ा सवाल है कि कांग्रेस संगठन में बड़ी संख्या में रिक्त पद हैं, तो क्या कांग्रेस कमज़ोर और कटे छंटे संगठन के साथ भाजपा का मुकाबला कर पाएगी, जिसकी सबसे बड़ी ताकत मजबूत संगठन है।**

नई दिल्ली, 19 अगस्त। कांग्रेस कार्यसमिति ने 'वंदे मातरम्' को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपनाए गए रुख को खारिज कर दिया है और कहा है कि पार्टी इस मुद्दे पर 1937 में लिए गए सीडब्ल्यूसी के फैसले का पालन करेगी।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी 1937 के कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के फैसले के अनुसार ही चलेगी और वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाएगी।

उन्होंने बताया कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में छात्र आंदोलनों, राममंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, परिसीमन, महिला आरक्षण, विदेश नीति और हल्द्वानी की घटना सहित, कई मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

करीब चार घंटे चली सीडब्ल्यूसी की बैठक में छात्रों और शिक्षा सुधार के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों से कहा गया कि वे शिक्षा सुधारों पर एक विस्तृत दस्तावेज तैयार करें, जिसमें यह बताया जाए कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार कैसे किए जा सकते हैं और उन्हें पूरे देश में किस तरह लागू किया जा सकता है।

कांग्रेस का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम देश के करीब 800 बड़े और छोटे शहरों में आयोजित किया जाएगा। इनमें से कई कार्यक्रमों में राहुल गांधी स्वयं हिस्सा लेंगे।

कांग्रेस चाहती है कि अगले 25 वर्षों के लिए मौजूदा लोकसभा सीटों की संख्या को स्थिर रखा जाए।

पार्टी राम मंदिर और अन्य मंदिरों से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी के मामलों को लेकर देशव्यापी कार्यक्रम भी शुरु करेगी।

दिलचस्प बात यह है कि महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने संगठन समीक्षा कार्यक्रम को लेकर एक विस्तृत पुस्तिका भी जारी की है। इस समीक्षा के दौरान, उन्होंने महासचिवों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी पीसीसी के अध्यक्षों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और अन्य पदाधिकारियों के साथ संगठन के स्तर पर अब तक किए गए कामों का जायज़ा लिया था।

लेकिन पार्टी के सामने सबसे बड़ी कमजोरी संगठन में बड़ी संख्या में खाली पड़े पद हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'श्मशान का तोड़ा गया गेट एक सप्ताह में ठीक करें'

जयपुर, 19 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए सचिव को कहा है कि वे शहर के टीएन मिश्र मार्ग की तरफ से रेल नगर कॉलोनी से जुड़ी श्मशान भूमि के तोड़े गए गेट को एक सप्ताह में लगाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही,

- **हाई कोर्ट ने जेडीए सचिव को 24 अगस्त को पालना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।**

अदालत ने 24 अगस्त को पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अखिल सिमलोट ने अदालत को बताया कि यह मामला स्वामी विहार और रेल नगर के बीच स्थित श्मशान भूमि में जाने के लिए गेट खोलने से जुड़ा है। जेडीए की ओर से 11 अगस्त, 2025 को अदालत में शपथ पत्र पेश कर जानकारी दी गई थी कि स्वामी विहार की तरफ एक चार फीट और एक दस फीट चौड़ा गेट लगा हुआ है। वहीं रेल नगर की तरफ भी एक प्रवेश द्वार बना हुआ है। ऐसे में श्मशान भूमि में जाने के लिए दो गेट मौजूद हैं। वहीं, न्यायमित्र ने अदालत को बताया कि रेल नगर कॉलोनी की तरफ वाले गेट को अज्ञात लोगों ने तोड़ दिया है। मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जेडीए सचिव को एक सप्ताह में यह गेट लगाने को कहा है।

28 में से 14 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ गंभीर क्रिमिनल केस हैं

न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **वर्तमान व पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ अपराधिक मामलों के ट्रायल में तेजी लाने संबंधी एक दशक पुराने मामले की सुनवाई के दौरान यह खुलासा हुआ।**
- **इस लिस्ट में 89 केस के साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवंत रेड्डी टॉप पर हैं। प.बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के खिलाफ 29 केस, आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू व कर्नाटक के सीएम शिवकुमार के खिलाफ 19-19 केस हैं।**
- **सब से कम, एक-एक केस जिन मुख्यमंत्रियों पर हैं, उनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल, सिक्किम के पीएस तमांग, पंजाब के भगवंत मान, ओडिशा के मोहन चारण मांझी शामिल हैं।**

नई दिल्ली, 19 अगस्त। मौजूदा और पूर्व सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई में तेजी लाने से संबंधित एक दशक पुराने मामले में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) और वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने बताया है कि देश के 28 में से 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

हंसारिया द्वारा अदालत में पेश की गई सूची में सबसे ऊपर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी हैं, जिनके खिलाफ 89 मामले बताए गए हैं।

सूची के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के खिलाफ 29, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. शिवकुमार के खिलाफ 19, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ 19 और केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के खिलाफ 18 मामले हैं।

इसके अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ 5, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के खिलाफ 4 और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह के खिलाफ 4 गंभीर आपराधिक मामले हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ 2-2 मामले दर्ज हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश में सरकारी स्कूल के बच्चों के हिस्से के दूध की कालाबाज़ारी हो रही है

स्कूली बच्चों का पोषण स्तर बढ़ाने के लिए शुरु की गई बाल गोपाल योजना में भारी कमियाँ उजागर हुईं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **राज्य के 65,000 सरकारी स्कूलों के 69 लाख बच्चों को दूध उपलब्ध कराने के लिए शुरु की गई पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत दूध की 58 प्रतिशत कम आपूर्ति हो रही है। अलवर, भरतपुर, उदयपुर, बीकानेर एवं कोटा में तो दूध वितरण पूरी तरह से बंद है।**
- **यही नहीं, कई जगहों पर स्कूली बच्चों का दूध अवैध तरीकों से मावा बनाने वाले व्यापारियों को बेचा जा रहा है, इसका खुलासा तब हुआ जब जयपुर के पास चीथवाड़ी गाँव में एक ट्रक पकड़ा गया, उसमें दूध पाउडर की बोरियां थीं, जिन पर साफ लिखा था, सिर्फ स्कूलों को आपूर्ति के लिए, बिक्री के लिए नहीं।**

नई दिल्ली, 19 अगस्त। राजस्थान की पन्नाधाय बाल गोपाल योजना 58 प्रतिशत आपूर्ति की कमी, दूध पाउडर को कथित रूप से खुले बाजार में बेचने और एक्सपायरी डेट स्टॉक के खतरे से जूझ रही है।

राजस्थान में बच्चों के लिए निर्धारित दूध कथित रूप से उन तक नहीं पहुंच रहा है। ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि स्कूली बच्चों के लिए निर्धारित पाउडर वाले दूध का स्टॉक कथित रूप से व्यावसायिक बाजार में भेजा जा रहा है, वहीं पुराना स्टॉक भी है, जिसके एक्सपायर होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

नतीजा यह है कि हजारों विद्यार्थियों के पोषण में सुधार के उद्देश्य से शुरू की गई राज्य सरकार की एक प्रमुख योजना कागज पर किया गया वादा बनती नज़र आ रही है। पन्नाधाय बाल गोपाल योजना का उद्देश्य राजस्थान के करीब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुफ्त ऑन लाइन कोचिंग पर शिक्षा मंत्री ने चर्चा की

नई दिल्ली, 19 अगस्त। केन्द्रीय शिक्षा और खाद्य, उपभोक्ता एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की प्रधानमंत्री की पहल को लेकर बुधवार को शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

शिक्षा मंत्री जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि उच्च शिक्षा

- **शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने अफसरों के साथ चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए।**

विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य एक मजबूत राष्ट्रीय मंच बनाना है, जिससे देशभर के छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाथी नहीं गणेश हैं... ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं...

मायावती 2007 के इस नारे को क्या 2027 में पुनः भुनाने की कोशिश करना चाहती है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **बसपा प्रमुख मायावती ने अपने विश्वस्त और पार्टी के प्रमुख ब्राह्मण चेहरे सतीश चंद्र मिश्रा को पार्टी के चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, इसके अलावा बसपा की लीगल व मीडिया टीम और चुनाव आयोग से जुड़े मामलों को भी वे ही देखेंगे।**
- **मायावती ने एक्स पर यह घोषणा की। साथ ही उन्होंने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सवर्ण, खासकर ब्राह्मण प्रत्याशियों की घोषणा करना भी शुरु कर दिया है।**
- **गौरतलब है कि वर्ष 2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में बसपा ने ब्राह्मणों का समर्थन कर जो सोशल इंजीनियरिंग की थी, उसने मायावती की राजनैतिक किस्मत बदल दी और ब्राह्मण विरोधी व दलित केन्द्रित पार्टी कही जाने वाली बसपा सभी जातियों की पार्टी बन कर उभरी थी।**

नई दिल्ली, 19 अगस्त। हाथी नहीं गणेश है... ब्रह्मा, विष्णु, महेश है...

2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का यह नारा राज्य की बसपा सामाजिक इंजीनियरिंग और मायावती की राजनीतिक किस्मत को बदलने वाला साबित हुआ था। , जो उस समय ब्राह्मण विरोधी और दलित-केन्द्रित पार्टी की छवि रखती थी, सभी जातीय समूहों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी के रूप में उभरी। मायावती ने ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के सहारे सत्ता हासिल की थी।

क्या 20 साल बाद, यानी 2027 में 2007 का इतिहास दोहराया जा सकता है?

लगातार चुनावों में अपना राजनीतिक जनाधार खोती जा रही बसपा प्रमुख मायावती अपने 2007 के सफल फॉर्मूले को फिर से आजमाने के लिए उत्सुक दिखाई दे रही हैं।

मायावती ने बुधवार को घोषणा की कि बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा अब पार्टी के कानूनी और मीडिया विभागों की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इसके अलावा वे चुनाव आयोग से जुड़े मामलों को भी देखेंगे।

मायावती ने एक्स पर कहा कि "लम्बे समय से बसपा के राष्ट्रीय महासचिव रहे सतीश चंद्र मिश्रा को पार्टी ने कानूनी और मीडिया मामलों के साथ-साथ, चुनाव आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जिनकी आगामी विधानसभा चुनावों में कई मायनों में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।"

मायावती ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ब्राह्मण और अन्य सवर्ण वर्गों से उम्मीदवारों के नाम घोषित करना भी शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में अधिक ब्राह्मण उम्मीदवार उतारने के बसपा के फैसले से उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों में बेचैनी पैदा हो गई है।

मायावती ने सीधे तौर पर सपा तथा भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि बसपा ने जब से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर ब्राह्मण समुदाय, से उम्मीदवार उतारने शुरू किए हैं और 2007 की तरह पूर्ण बहुमत वाली बसपा सरकार बनाने की तैयारी की है, तब से विपक्षी दलों के बीच इसे लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम के 115 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए

गुवाहाटी, 19 अगस्त। असम में बाढ़ से पांच जिलों के 14 राजस्व मंडलों के 115 गांवों के 23876 नागरिक प्रभावित हैं। बाढ़ अपने पीछे लंबे समय तक न भूलने की त्रास्दी छोड़ गई है। ऊपरी असम के चार जिलों के प्रभावित लोगों ने जन-धन गंवाने के बावजूद नए सिरे से अपनी जिंदगी को जीने की कवायद तेज कर दी है।

इस समय सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बीती रात

- **अब तक 106 लोगों की मौत, 3200 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी।**

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में भी प्रभावितों के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को लेकर निर्णय लिए गए।

अब तक 106 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में हुआ है। इस समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ स्ट्रेट पर ईरान का नियंत्रण कमज़ोर पड़ रहा है

गत दो सप्ताह से होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजरने वाले 80 प्रतिशत जहाजों ने ओमान का रास्ता चुना है, जो ओमान के उत्तरी तट से होकर गुज़रता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **हालांकि, ईरान के पास अब भी जहाजों पर हमला करने व समुद्री यातायात बाधित करने की क्षमता है, पर, हाल ही में संकेत मिले हैं कि ईरान की पकड़ कमज़ोर हो रही है, क्योंकि अमेरिकी नौ सेना जहाजों को सुरक्षा देकर दूसरे रास्ते से आगे ले जा रही है।**
- **जहाजों की आवाजाही पर नज़र रखने वाली कंपनी केप्लर ने बताया कि अब संतुलन बदल रहा है। ईरान अब यहाँ से शुल्क भी नहीं वसूल पा रहा है। ऊपरी तौर पर लग रहा है कि होर्मुज़ स्ट्रेट पर अमेरिका लड़ाई जीत रहा है।**

नई दिल्ली, 19 अगस्त। ईरान युद्ध में होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़) पर नियंत्रण की लड़ाई सबसे अहम मुकाबला बन गई है और फिलहाल इसका फायदा अमेरिका को मिलता दिख रहा है। ईरान के पास अब भी जहाजों पर हमला करने और समुद्री यातायात को बाधित करने की क्षमता है, लेकिन हाल में जहाजों की आवाजाही से मिले संकेत बताते हैं कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर उसकी पकड़ कमजोर हो रही है, क्योंकि अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे रास्ते से जहाजों को सुरक्षा देते हुए आगे ले जा रहे हैं।

जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, पिछले दो सप्ताह में होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले 80 प्रतिशत से अधिक जहाजों ने ओमान का रास्ता अपनाया है। यह रास्ता ओमान के उत्तरी तट से होकर गुज़रता है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा अधिकृत समुद्री मार्ग है, जिसका ईरान कड़ा विरोध करता है।

यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। ईरान ने ओमान के रास्ते का इस्तेमाल करने की कोशिश करने वाले दर्जनों जहाजों पर हमला किया है और जोर देकर कहा है कि जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण है। इसके बावजूद, जोखिम उठाते हुए अधिक से अधिक जहाज तेहरान की मांगों को नजरअंदाज कर रहे हैं और अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा में आगे बढ़ रहे हैं।

केप्लर में कच्चे तेल के विश्लेषण के प्रमुख होमायून फलकशाही ने कहा, "ऐसा लगता है कि ईरान ने जलडमरूमध्य पर कम से कम आंशिक रूप से अपना नियंत्रण खो दिया है।"

संतुलन बदल रहा है। यह बदलाव एक महीने पहले की स्थिति से तुलना करने पर और साफ दिखाई देता है, जब केप्लर ने ओमान वाले रास्ते से लगभग कोई शिपिंग दर्ज नहीं की थी। ईरान के पसंदीदा रास्ते पर आवाजाही में भारी कमी के कारण तेहरान के लिए जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलना भी मुश्किल हो गया है, जैसा कि वह युद्ध के शुरुआती दौर में कर रहा था।

इस हफ्ते अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन की अवधि खत्म होने से सैद्धांतिक रूप से ईरान को फिर से ऐसा शुल्क वसूलने की अनुमति मिल गई है। लेकिन इस बात के बहुत कम प्रमाण हैं कि वह ऐसा कर पाया है।

पिकरिंग एनर्जी पार्टनर्स के संस्थापक और मुख्य निवेश अधिकारी डैन पिकरिंग ने कहा, "ओमान वाला रास्ता सबसे सही है।" उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सरकारों और शिपिंग कंपनियों ने ईरान की शुल्क वसूलने की मांग का विरोध किया है।

खाड़ी क्षेत्र के तेल उत्पादक देश भी अपने तरीकों में बदलाव कर रहे हैं। लिपो ऑयल एसोसिएट्स के अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेपी नड्डा को दिल्ली एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली, 19 अगस्त। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को सफल एंजियोप्लास्टी के बाद, दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने बुधवार को डिस्चार्ज कर दिया। डॉक्टरों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति को पूरी तरह स्थिर बताते हुए

- **जेपी नड्डा 13 अगस्त को सीने में दर्द की शिकायत पर भर्ती हुए थे जहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी।**

अस्पताल से घर जाने की अनुमति दे दी।

नड्डा को 13 अगस्त को सीने में बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान उनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई, जिसके बाद 17 अगस्त को उनकी सफल एंजियोप्लास्टी की गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जैसे जीने के लिए मृत्यु का अस्वीकरण ज़रूरी है वैसे ही सृजनशील बने रहने के लिए प्रतिष्ठा का अस्वीकरण ज़रूरी है। –डॉ. रघुवंश

राजस्थान : आध्यात्मिक विरासत और पर्यटन का संगम

राजस्थान केवल किले, महल और रेगिस्तानी पृष्ठभूमि का प्रदेश नहीं है; यह एक गहन आध्यात्मिक परंपरा और जीवंत धार्मिक संस्कृति का घर भी है। यहाँ के तीर्थ-स्थल, भक्तिमार्ग, संत-कवियों की धरती और ग्राम-परम्पराओं में निहित आध्यात्मिकता न केवल क्षेत्रीय पहचान को समृद्ध करती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिये भी असीम संभावनाएँ प्रदान करती है। आध्यात्मिक विरासत को पर्यटन से जोड़ने का अर्थ केवल यात्रियों को पवित्र स्थलों तक पहुँचाना नहीं है; इसका व्यापक लक्ष्य है-स्थानीय सांस्कृतिक जड़ों का संरक्षण, अर्थव्यवस्था में विविधता लाना, सतत पर्यटन मॉडल अपनाना और समाज में पारस्परिक समझ तथा आत्मिक अनुभवों को बढ़ावा देना। राजस्थान में यह प्रयास सफलता पूर्वक तभी संभव है जब नीति-निर्माता, पर्यटन व्यवसाय, स्थानीय समुदाय और धार्मिक संस्थाएँ साझा दृष्टिकोण अपनाएँ और इसके लिये सुविचारित रणनीतियाँ बनायीं जाएँ।

आध्यात्मिक विरासत को सहेजने हेतु विरासत का सर्वे और दस्तावेजीकरण एक महत्वपूर्ण कार्य है कई ऐसे छोटे-छोटे मंदिर, आश्रम, संतों के समाधि स्थल और लोक-आस्था के केंद्र हैं जिनकी जानकारी सीमित है। राज्य सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा इन स्थलों का सर्वे कर उनका नक़्शा तैयार करना आवश्यक है। सर्वे में स्थल की इतिहासिक पृष्ठभूमि, लोककथाएँ, त्यौहार, मौसमी गतिविधियाँ तथा स्थानीय समुदाय की भूमिका का समावेश होना चाहिए। इससे न केवल पर्यटन मार्गों की योजना बनाना आसान होगा, बल्कि संरक्षण के लिये निधि आवंटन और कानूनी सुरक्षा के तंत्र भी सुदृढ़ हों। डिजिटल दस्तावेजीकरण, ऑडियो-वीडियो अभिलेख, चित्र और कथात्मक वृत्तांत भविष्य में शोधकर्ताओं और इच्छुक पर्यटकों के लिये अमूल्य स्त्रोत बनेंगे।

हमें भावनात्मक और शैक्षिक अनुभव पर भी ध्यान देना होगा। आध्यात्मिक पर्यटन में यात्रियों की प्रतीक्षा केवल स्मारक-दर्शन की नहीं होती वे आत्मिक अनुभूति, ध्यान, साधना और सांस्कृतिक संवाद चाहते हैं। इसलिए तीर्थ-स्थलों पर सरल परन्तु गुणवत्तापूर्ण अनुभव पैकेज तैयार किये जा सकते हैं ध्यान वर्कशॉप, स्थानीय भजन-सत्र, योग शिविर, स्मरणीय कथाओं पर मार्गदर्शित कथा वाचन सत्र। इन गतिविधियों का उद्देश्य शोर-शराबे वाले दर्शनीय पर्यटन से अलग, शांत और अर्थपूर्ण प्रवास प्रदान करना है। इसके लिये प्रशिक्षित स्थानीय गाइड और आध्यात्मिक शिक्षकों की आवश्यकता होगी जिन्हें स्थानीय भाषा और सांस्कृतिक संदर्भ की समझ हो।

स्थानीय समुदाय का सशक्तिकरण और सहभागिता आवश्यक है। आध्यात्मिक पर्यटन से होने वाले लाभ स्थानीय लोगों तक पहुँचें तभी यह टिकाऊ बनेगा। पंचायत, स्थानीय उद्यमी, हस्तशिल्पी और सेवाकार्यों में लगे लोगों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए हॉस्टिंग, गाइडिंग, खानपान, हस्तशिल्प का संवर्धन और छोटे-छोटे होमस्टे संचालन के लिये व्यापारिक प्रशिक्षण। साथ ही, पर्यटन से होने वाली आय का कुछ अंश स्थानीय संरक्षण कोष में रखा जाना चाहिए ताकि मंदिरों, मार्गों और पर्यावरण की मरम्मत नियमित रूप से हो सके। जब स्थानीय लोग अपने आध्यात्मिक स्थलों को संभालने में अग्रणी होंगे तो असली अर्थ में स्थानों की पहचान संजोई जा सकेगी।

ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार रणनीति को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। आध्यात्मिक पर्यटन को कहानी के रूप में बेचना प्रभावी सिद्ध हो सकता है। राजस्थान की सूफ़ी परम्पराएँ, भक्ति-संगीत की धरोहर, जैन और वैदिक स्थलों की ऐतिहासिक गाथाएँ, ग्रामीण त्योहारों की विशिष्टता-इन सभी को एक समृद्ध कथा में पिरो कर प्रमोट करना चाहिए। डिजिटल माध्यमों-वीडियो-डॉक्यूमेंट्री, वर्चुअल टूर, सोशल मीडिया कैंपेन और आध्यात्मिक ब्लॉग/पॉडकास्ट नए पीढ़ी के पर्यटकों तक पहुँचने में सहायक होंगे। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिये अंग्रेजी और अन्य प्रमुख भाषाओं में सामग्री उपलब्ध करानी चाहिए, पर स्थानीय संस्कृति की असलियत में कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए।

सुनियोजित बुनियादी ढांचा और पहुँच सुनिश्चित करना होगा। कई पवित्र स्थल भीड़ से दूर, खराब सड़कों या परिवहन की सीमाओं में हैं। राज्य सरकार और स्थानीय निकायों को ऐसे मार्गों का उन्नयन, संकेत-प्रणाली की स्थापना, स्वच्छता सुविधाएं और आपातकालीन सेवाओं का प्रबंध करना चाहिए। साथ ही, पर्यावरण-संवेदनशील स्थानों के लिये टिकाऊ बुनियादी सुविधाओं पर जोर देना होगा सौर ऊर्जा, जल प्रबंधन, और अपशिष्ट निपटान की योजनाएँ ताकि पर्यटन से पर्यावरण पर दबाव कम से कम पड़े।

ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार रणनीति को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। आध्यात्मिक पर्यटन को कहानी के रूप में बेचना प्रभावी सिद्ध हो सकता है राजस्थान की सूफ़ी परम्पराएँ, भक्ति-संगीत की धरोहर, जैन और वैदिक स्थलों की ऐतिहासिक गाथाएँ, ग्रामीण त्योहारों की विशिष्टता-इन सभी को एक समृद्ध कथा में पिरो कर प्रमोट करना चाहिए। डिजिटल माध्यमों-वीडियो-डॉक्यूमेंट्री, वर्चुअल टूर, सोशल मीडिया कैंपेन और आध्यात्मिक ब्लॉग/पॉडकास्ट नए पीढ़ी के पर्यटकों तक पहुँचने में सहायक होंगे। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिये अंग्रेजी और अन्य प्रमुख भाषाओं में सामग्री उपलब्ध करानी चाहिए, पर स्थानीय संस्कृति की असलियत में कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए।

त्यौहारों और आयोजनों पे भी गौर करें। राजस्थान में कई छोटे व बड़े धार्मिक त्योहार होते हैं जिनका स्थानीय अर्थ गहरा है। इन त्योहारों को स्थायी और व्यवस्थित आयोजन के रूप में विकसित कर पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जा सकता है। परन्तु यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि त्योहारों का धार्मिक चरित्र व्यावसायीकरण की चपेट में न आए। आयोजन के दौरान पर्यटकों के लिये सांस्कृतिक सत्र, हस्तशिल्प मेलों और स्थानीय व्यंजनों का अनुभव प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे दोनों पक्षों स्थानीय कला और अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

शांतिपूर्ण और समावेशी अनुभव बनाये रखें। आध्यात्मिक पर्यटन में संवेदनशीलता का मायने है धार्मिक भावनाओं का सम्मान, प्रवेश नियमों की स्पष्ट जानकारी, पूजा-कार्यक्रम में व्यवधान न डालने की चेतावनियाँ और महिला व बुज़ुर्ग यात्रियों के लिये सुरक्षित वातावरण। साथ ही, ऐसे स्थलों पर धार्मिक मतभेदों के कारण विवाद उत्पन्न न हों, इसके लिये स्थानीय स्तर पर संवाद और सहमति निर्मित करना आवश्यक है। पर्यटन नीति में पारदर्शिता और नियमों का स्पष्ट पालन, यात्रियों और स्थानीयों के हितों का संतुलन बनाए रखेगा।

अनुसन्धान और शिक्षा का योगदान बढ़ायें। विश्वविद्यालयों, शोधसंस्थाओं और धर्म-इतिहास के विद्वानों को स्थानीय आध्यात्मिक परंपराओं का अध्ययन करने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। शोध से प्राप्त ज्ञान को लोक-शिक्षा कार्यक्रमों में, स्कूल पाठ्यक्रम में या स्थानीय संग्रहालयों में साझा किया जा सकता है। युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक करने से दीर्घकालिक संरक्षण संभव है।

संयुक्त योजना और वित्तीय मॉडल विकसित करें। सरकारी अनुदान, निजी निवेश, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागीता को मिलाकर एक बहु-स्त्रोत वित्त पोषण मॉडल अपनाया जाना चाहिए। परियोजनाओं के लिये स्पष्ट माइलस्टोन, जवाबदेही और पारदर्शी लेखांकन से निवेशकों और समुदाय दोनों का विश्वास बढ़ेगा। छोटे-छोटे पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर उनका मूल्यांकन कर के सफल मॉडलों को स्केल-अप किया जा सकता है।

राजस्थान की आध्यात्मिक विरासत को पर्यटन से जोड़ना केवल आर्थिक योजना नहीं है यह एक नैतिक और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता भी है। जब पर्यटन नीति स्थानीय जनजीवन, धार्मिक भावनाओं और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील होगी, तभी यह क्षेत्र जीवंत, समृद्ध और टिकाऊ बन पाएगा। राजस्थान के तीर्थ-स्थल, साधन-संस्कृति और लोककथाएँ दुनिया भर के यात्रियों को आध्यात्मिक खोज के लिये आकर्षित कर सकती हैं यदि हम उन्हें सही ढंग से संरक्षित, प्रस्तुत और साझा करें। सरकार, स्थानीय समुदाय और निजी क्षेत्र मिलकर जब इस विरासत को अगली पीढ़ियों के लिये संजोएँगे, तभी राजस्थान का आध्यात्मिक पर्यटन वास्तव में सफल और सम्मानजनक रूप से फलित हो पाएगा।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

ख़्वाब से खूबसूरत और कुछ होता भी नहीं...

कुमार अजय

■ डायरी/कुमार अजय

मैं किसी ख़्वाब की फिराक में था। बहुत दिन हुए कोई ख़्वाब देखे। ख़्वाब से खूबसूरत और कुछ होता भी नहीं। ख़्वाब बुरा भी हो तो टूटते ही लुत्फ़ दे देता है। कितनी ही बार हुआ कि नींद में ख़्वाब देखते हुए कैसी-कैसी मुसीबतों से दो-चार होकर पसीना-पसीन, लाचार रहे लेकिन जैसे ही नींद टूटी और बुरा ख़्वाब गायब हुआ, एक सुकून-सा मिला। और इससे इतर, ख़्वाब अच्छा हो तो फिर क्या ही कहना। खूबसूरत हकीकत की बजाय हसीन ख़्वाब आपको ज्यादा बेहतर जिंदगी महसूस करा सकते हैं। जो है, वह खो जाने का डर आपको हमेशा डराते रहता है लेकिन वह डर जिस दिन खो जाता है, उस दिन आपकी जिंदगी तसल्ली और सुकून के नए रंग में ढल जाती है। खूबसूरत ख़्वाब हमेशा आपकी नींद को गुलजार रख सकते हैं। आपकी जिंदगी में चाहे जितने झिकाळ चल रहे हों लेकिन आपके लिए कोई सुंदर फूल चुनकर लाती लड़की का ख़्वाब आपकी जिंदगी को जीने लायक बनाए रख सकता है।

तो आज दिन में ही सो गया, किसी हसीन ख़्वाब की तलाश में। दिन में न सोने का अवसर मिलता है, न रुचि रहती है और न ही नींद आती है पर कई रातों को जागने के बाद आज दिन में सोया तो करीब दो घंटे सोया ही रहा। पर बिना ख़्वाब की नींद का क्या करें, नींद निष्फल रही। ख़्वाब गायब रहे। सच यह है कि अब न कोई ख़्वाब पीछा करता है और न कोई ख़्वाब अपने पीछे दौड़ाता है। बस यह सोचकर तसल्ली की जा सकती है कि नींद अभी एकदम उड़ी नहीं है। हमारी नींद उड़ाने वाले जाने कहां रास्ता भटक गए हैं, किसके ख़्वाबों में चले गए हैं आजकल। ख़्वाब दिखाकर दिल तोड़ने वालों से बुरा भी कौन होगा। जीना सिखाकर मार डालने वालों से निर्मम किसको कहें। कहीं पढ़ा हुआ याद आ रहा है कि किसी को प्रेम से भर देना और फिर मुंह फेर लेना सबसे बड़ी हिंसा है। फिर भी मैं ख़्वाब दिखाने वालों, जीना सिखाने वालों और प्रेम से भर देने वालों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहता हूं। किसी ने हमारी जिंदगी को एक लम्हे के लिए भी खूबसूरत बनाया तो उसका गुण क्यों भूलें। केवल परिणाम ही हमारा लक्ष्य क्यों हो, प्रक्रिया जब हमें बेहतरीन लम्हे उपलब्ध करवा रही हो। रास्ते खूबसूरत हों तो कभी-कभी मंजिलों की अनदेखी की ही जा सकती है। जो छोड़कर चले गए, न जाते तो कितनी मुसीबतें पास होतीं। सामने वाले की बेवफ़ाई हमारी लाज रख लेती है वरना यह काम हमें करना पड़ता। यह और बात है कि हर ख़्वाब एक दिन टूटना तय ही है, फिर भी ख़्वाब के सहारे टूटते दिन कम हसीन नहीं होते। ऐसे में, मैं तुम्हें भी बड़ी शिद्दत से याद करता हूं कि जिंदगी के जरा-से टुकड़े को तुमने अपनी मौजूदगी से इतना खूबसूरत बना दिया कि वह थोड़े से लम्हे शेष जिंदगी से बड़े हैं।

खैर, इसी ख़्वाब पर पिछले दिनों एक ख़ब्त सूझी कि कहीं यह पूरी जिंदगी ही एक ख़्वाब तो नहीं। नींद में जैसे हम ख़्वाब को सच मानकर जीते रहते हैं, वैसे ही हम जिंदगी के ख़्वाब को सच मानकर जी रहे हों। ख़्वाब के दौरान यह थोड़े ही समझ आता है कि यह ख़्वाब है। यह तो जब नींद या ख़्वाब टूटता है, तब ही तो पता चलता है। तो हो सकता है कि कभी हमें भी यह ख़बर हो कि हम जिसे हक़ीक़त मानकर जीते रहे, इस पर रीझते रहे, मोहासक्त रहे, यह एक ख़्वाब ही था। यह बात चली तो मित्र अरविंद चोटिया ने गाकर सुनाया, "यह संसार फूल सेमल को सुंदर देखि लुभायो, चाखन लाग्यो रूई उड़ गई हाथ कछु नहीं आयो!" पं. भीमसेन जोशी के गाये इस भजन का लिंक भी उन्होंने दिया। सूरदास, कबीर और दूसरे भक्त कवियों ने भी संसार की नश्वरता की तुलना सेमल फूल से की है लेकिन मैं नश्वर की नश्वरता से ज्यादा उसके होने पर आसक्त हूं। जब तक है, तब तक उसकी नश्वरता सोचकर क्यों परेशान रहें। याद आता है फिल्म आनंद का यह संवाद, जब राजेश खन्ना कहते हैं, "यही कि क्या फ़र्क़ है सत्तर साल और छह महीने में। मौत एक पल है बाबू मोशाय। आने वाले छह महीने में जो लाखों पल मैं जीने वाला हूं, उसका क्या होगा। बाबू मोशाय! जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं। हद करते हो। मौत के डर से अगर ज़िंदा रहना छोड़ दिया तो मौत किसे कहते हैं। क्यों दोस्त! बाबू मोशाय, जब तक ज़िंदा हूं तब तक मरा नहीं। जब मर गया तो साला मैं ही नहीं तो डर किस बात का...।" जो मिट ही जाना है, उसे खींचकर जी लेने में हर्ज ही क्या है। दु:ख भी है तो उसे जी-भर के जियो और आगे बढ़ो। एक ही दु:ख में तमाम उम्र कट जाए, इतनी पात्रता या इतना नसीब तो हमारे पास कहां। खैर, कोई फ़लसफ़ा मोह को गिनता होगा विकारों में, मुझे तो जिंदगी के लिए सबसे जरूरी और खूबसूरत चीज ही मोह लगती है। भले ही आप बैरागी होकर महात्मा बुद्ध बन जाएं और कैवल्य पा जाएं, यशोधरा का पति और राहुल का पिता बने रहने की उपलब्धि उससे कोई कम थोड़े ही होती है।

ख़्वाब की बात चली तो पिछले दिनों एक दोस्त का बताया किस्सा याद आया कि एक लड़की जो उसके ख़्वाब में कभी नहीं आई, उसकी पत्नी के ख़्वाब में अक्सर आ जाती है। दोस्त की पत्नी को लगता है कि वह लड़की उसके पति की प्रेमिका है और केवल इसी ख़्वाब के बाद दो-चार दिन दोस्त की जिंदगी जहन्नुम रहती है और इतने में किसी दिन फिर उसकी पत्नी कोई ख़्वाब देख लेती है। पति बेचारा दिनभर काम में उलझा रहता है और पति को बांधने के चक्कर में पत्नी, अपने पति की कथित प्रेमिकाओं में उलझ गई है। दूसरों को संचालित करने के चक्कर में हम खुद कब दूसरों से संचालित होने लगते हैं, हमें पता ही नहीं चलता। इधर, एक रील में डॉक्टर साहब बता रहे हैं कि सेट्रिजिन खाकर सोने से ख़्वाब नहीं आते हैं। मैं उस टेबलेट का नाम जानना चाहता हूं जो खाकर सोने से हमारी जिंदगी खूबसूरत ख़्वाबों से भर जाए। (16 अगस्त, 2026)

– कुमार अजय, राजस्थानी एवं हिंदी के चर्चित लेखक।

डिजिटल इंडिया के आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक दूरसंचार क्रांति के जनक राजीव गांधी

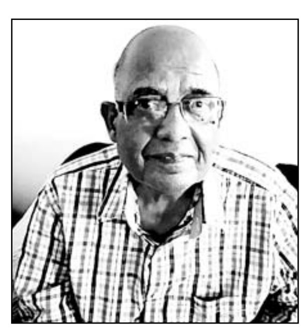

डॉ. जे.के. गर्ग

प्रधानमंत्री रहते हुए स्व. गांधी ने कई महत्वपूर्ण काम किए, जिन्होंने देश के विकास को नई दिशा प्रदान की। राजीव गांधी को डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट व सूचना तकनीक और दूरसंचार क्रांति का जनक कहा जाता है। राजीव गांधी ने अगस्त 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए "सेंटर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स" की स्थापना करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से शहर से लेकर गांवों तक दूरसंचार का जाल बिछना शुरू हुआ। जगह-जगह पीसीओ खुलने लगे, जिससे गांव की जनता भी संचार के मामले में देश-दुनिया से जुड़ सकी। फिर 1986 में राजीव की पहल से ही एमटीएनएल की स्थापना हुई, जिससे दूरसंचार क्षेत्र में और प्रगति हुई।

स्व.गांधी मानते थे कि युवा पीढ़ी ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा इसके लिए उनको कंप्यूटर टेक्नोलॉजी और विज्ञान की शिक्षा देना जरूरी है। कंप्यूटर की कीमतें घटाने के लिए राजीव ने इसे सरकारी नियंत्रण से बाहर निकल दिया और असेंबल कंप्यूटर का आयात शुरू किया। बड़ी टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल और बीएसएनएल की शुरुआत उनके कार्यकाल में ही हुई। राजीव जी जानते थे कि गांवों को सशक्त बनाने और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायतों को सत्ता में वही स्थान मिलना चाहिये जो संसद और विधानसभा का है। राजीव ने ही पंचायती राज अधिनियम के माध्यम से केन्द्रीकृत सत्ता का विकेंद्रीकरण करके पंचायतों को कई महत्त्वपूर्ण और वित्तीय अधिकार दिये थे। अयोध्या में विवादित स्थल का ताला खुलवाया, उन्होंने सनातन धर्मीयों की नाराजगी को दूर करने के लिए अयोध्या के विवादित स्थल का ताला खुलवा दिया और 1989 में राम मंदिर के निर्माण के लिए शिलान्यास की इजाजत भी दे दी। युवाओं को रोजगार देने के लिए जवाहर रोजगार योजना को शुरू किया था। राजीव ने 1986 की शिक्षा नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लाखों बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा देने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय स्कूल प्रारम्भ किये।

इंदिरा गांधी एवं फिरोज गांधी के ज्येष्ठ पुत्र राजीव का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था। राजीव गांधी बचपन में बहुत ही संकोची स्वभाव के थे। जब वे दून स्कूल में पढ़ रहे थे, तब उनके नाना पं.जवाहरलाल नेहरू पहली बार उनसे मिलने स्कूल पहुंचे तो राजीव बाथरूम की बास्केट में छिप गए थे। राजनीति में आने से पहले राजीव गांधी एयरलाइंस में पायलट की नौकरी करते थे। राजीव का पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था उनका यह नाम उनके नाना नेहरूजी ने रखा, क्योंकि नेहरू जी की पत्नी का नाम कमला था और राजीव का मतलब कमल होता है। राजीव गांधी संगीत प्रेमी थे, उनको पश्चिमी संगीत के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था। लन्दन में राजीव गांधी की मुलाकात एड्विगो मानिओ से हुई थी। 1968 में राजीव गांधी ने उनसे शादी कर ली और उनका नाम ये नाम बदलकर सोनिया गांधी रखा गया। राजीव और सोनिया के पुत्र और पुत्री राहुल और प्रियंका है।

राजीव गांधी का स्वभाव स्नेहमय सहनशील और सरल था। स्व.राजीव गांधी ही वो इंसान थे जिन्होंने 19वीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा था। स्वभाव से धीर गंभीर किन्तु आधुनिक सोच एवं तार्किक क्षमता के धनी राजीव ने बीसवीं सदी में ही हिन्दुस्तान को 21 वीं सदी का उन्नत राष्ट्र बनाने का सपना संजोया था। दूरदर्शी युवा राजीव का सपना था कि भारत एक मजबूत, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और मानवता की सेवा करने वाला दुनिया का अग्रणी राष्ट्र बने। राजीव कहते थे कि हमारे देश की एकता और अखंडता से बढ़कर कुछ भी नहीं है। भारत अविभाज्य है। राजीव जी के अनुसार शिक्षा हमारे समाज के लिए सबसे बड़ा समाजवादी उपाय है। इसे उन विषम व्यक्तियों को दूर कर समाज में समरसता पैदा करने वाला साधन बनना चाहिए जो हमारी विभिन्न सामाजिक व्यवस्था में हजारों वर्षों के दौरान पैदा हुआ। राजीव भारत को 21वीं सदी की दहलीज पर पहुंचना चाहते थे, वो देश को गरीबी के बोझ से मुक्त कराकर विरासत, और हमारे लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाना चाहते थे।

स्पष्टवादी राजीव के मुताबिक महिलाएं देश की सामाजिक चेतना होती हैं। वे हमारे समाजों को एक साथ रखती हैं। राजीव कहते थे कि धर्म के आडम्बर और उसके घिनोने स्वरूप के विरुद्ध होना अधार्मिक होना नहीं है; इसका अर्थ केवल सरकार का धर्म (संप्रदायवाद) से अलग रहना है। हमें स्पष्ट होना चाहिए कि धर्मनिरपेक्षता, जैसा कि हम समझते हैं, धर्म-विरोधी या गैर-धर्म नहीं है; यह केवल सरकार को धर्म से अलग करना है। हर व्यक्ति को इतिहास से सबक लेना चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि देश में जहां-जहां आंतरिक लड़ाई-झगड़े हुए हैं, वहां-वहां देश कमजोर हुआ है। इससे बाहर से खतरा बढ़ जाता है। इस प्रकार की कमजोरी से देश को बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। क्या हमारा लक्ष्य जातिविहीन समाज है? यदि हमारा लक्ष्य, एक जातिविहीन समाज है, तो निश्चित रूप से हमारा हर कदम उस उद्देश्य की ओर होना चाहिए। कोई भी धर्म नफरत/असहिष्णुता का उपदेश नहीं देता।

वे देश की कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। रेलवे का कम्प्यूटरीकरण करके उन्होंने इस देश के सामने क्रांतिकारी परिवर्तन करके रख दिया। 40 वर्ष की अल्पआयु में ही में राजीव गांधी विशाल जनादेश के साथ भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बन गये थे। उस चुनाव में कांग्रेस को 508 में से रिकॉर्ड 401 सीटें प्राप्त हुई थी। स्मरणीय रहे कि राजीव गांधी राजनीति में आने के अनिच्छुक थे किन्तु उनके छोटे भाई संजय की अकाल मृत्यु की वजह से परिस्थितियां ऐसी बनी कि उन्हें राजनीति में जबरन प्रवेश करना पड़ा। राजीव गांधी को अपने नाना नेहरु की तरह सुरक्षाकर्मियों का घेरा बिल्कुल पसंद नहीं था। वे अपनी जीप और कार खुद ड्राइव करना पसंद करते थे। राजीव गांधी को अपने नाना से आराम हराम है और अपने पिता से अपना काम खुद करो की प्रेरणा मिली थी। इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण उनके जीवन का प्रमुख लक्ष्य था। राजीव गांधी सौम्य एवं निर्मल स्वभाव के दूरदर्शी राजनेता थे और किसी भी निर्णय में जल्दबाजी नहीं करते थे और निर्णय लेने से पहले पार्टी के नेताओं से गहन सलाह मशविरा करते थे क्योंकि उनके दिल मे लोकतंत्र की भावना समाई हुई थी। उन्होंने जो सोचा और किया वो वो पुराने ढर्रे की राजनीति से एक दम अलग था। वे अपने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर व विचार-विमर्श करके ही किसी निर्णय पर पहुंचते थे। वर्तमान के सत्ताधारी शासन के विपरीत उनके स्वभाव में खुद का एकाधिकार की प्रवति उन में बिलकुल नहीं थी।

राजीव गांधी एक ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो जनता से सीधे जुड़े थे और एक ऐसे नेता के रूप में विख्यात थे जिनकी पहुंच देश के आम आदमी के हृदय तक थी। एक ऐसा प्रधानमंत्री जिसने उस दौर में पंजाब की यात्रा की, जब देश की खुफिया एजेंसियों ने ऐसा करने से उनको मना किया था। राजीव गांधी ने पंजाब समस्या के समाधान को प्राथमिकता देते हुए 24 जुलाई, 1985 को अकाली दल के अध्यक्ष संत हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ समझौता करके अशांत पंजाब में शांती और सौहार्द के वातावरण का निर्माण किया। नवंबर 1982 में भारत में

राजीव गांधी

आयोजित सफल एशियाई खेलों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका थी। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी अपनी माता इंदिरा गांधी से अधिक व्यावहारिक और उदार थे। लालफीताशाही पर लगाम लगाकर और नीतिगत बदलाव के जरिये उन्होंने निजी क्षेत्र को औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों के विस्तार की अनुमति दी। कालांतर में यही दिशा 1990 के दशक में व्यापक आर्थिक उदारवाद और मुक्त व्यापार का आधार बनी जिसे नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने आगे बढ़ाया। वर्ष 1986 में मिजोरम में लालडेंगा के नेतृत्व में दशकों से चल रहे अलगाववादी हिंसक आंदोलन को मिजोरम समझौते के द्वारा खत्म कर राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना राजीव गांधी की बड़ी सफलता मानी जाती है। असम गणतन्त्र परिषद के साथ असम समझोता उन्होंने ही किया था, समझोते के बाद हुए चुनाव में विपक्ष की जीत और कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा कि भले ही उनकी पार्टी हार गई हो किन्तु प्रजातंत्र जीत गया है। जब राजीव ने भारत में कम्प्युटर क्रांति का सूत्रपात किया था तब तत्कालीन विपक्षी पार्टी एवं वर्तमान शासक दल के नेताओं ने यथा–जिनमें अटलबिहारी बाजपेयी, अडवानी और राष्ट्रीय सेवा संघ ने मखोल उड़ाया और उन्हें नौसिखिया बालक कहा।

80 के शतक के युवा सम्राट राजीव गांधी ने सही कहा था कि कोई भी साम्प्रदायिक अथवा धार्मिक संस्था जो धर्म निरपेक्षता का विरोध करती हो, या कोइ भी राजनीतिक ताकत जो साम्प्रदायिक या धार्मिक हितों का आसरा लेती, उसे किसी भी सूरत में राष्ट्र को कमजोर बनाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। समय ने प्रमाणित कर दिया कि राजीव दूरदर्शी नेता थे। ईगो की भावना से राजीव मुक्त थे उन्होंने कभी नहीं कहा कि मैने यह किया, मैने वो किया– किन्तु वे कहा करते थे कि हमें ऐसा या हमें वैसा करना है।

राजीव शालीनता की प्रतिमूर्ति थे उन्होंने कभी भी अपने किसी भी राजनेतिक विरोधि के प्रति अनर्गल एवं कर्कश शब्दों का प्रयोग नहीं किया। राजीव को जब मालुम पड़ा कि अटलजी गम्भीर रोग से ग्रस्त है तो उन्होंने उन्हें उयु.एन.ओ. जाने वाले देलीएष्ण का सदस्य बना कर उनको अमेरिका भेजा और राजदूत को निर्देश दिया कि उनका उपचार राजकीय खर्चे से करवाया जाये। राजीव के राजनैतिक विरोधी श्री अटलबिहारी वाजपेयीजी ने कहा था कि अगर वे आज जिन्दा है तो इसकी वजह राजीव ही है। लोग उनका भाषण सुनने के लिए घंटों इंतज़ार किया करते थे। राजीव ने राजनीति में भी नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया, बोफोर्स कांड के आरोपी के बीच संसद भंग कर नये चुनाव करवाने का जज्बा उन्हीं में था।

बोफोर्स कांड की कई वर्षों तक उनके विरोधियों दुवारा करवाई गई जाँच में उनके विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं मिले थे। इस जाँच को करवाने में करदाताओं के करोडों रूपये बर्बाद हो गये। सीधे-सच्चे ईमानदार राजीव विरोधियों एवं मीडिया के झूठे कुत्सित प्रचार के शिकार बन गये। 1989 में हुये लोकसभा चुनाव में 195 सीटे जीतने और सबसे बड़े दल के नेता होने के बावजूद उन्होंने कहा कि जनादेश कांग्रेस के खिलाफ है इसलिए उन्होंने विरोधी पक्ष में बेठने का फेसला करके स्वस्थ लोकतान्त्रिक परम्परा स्थापित की थी।

राजीव ने ही भारत को विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाया था। उन्होंने दक्षिण एशिया में शांति के प्रयास किए और इस देश में भाषा के आधार पर हो रहे बिखराव को भी रोका। इसी का परिणाम था कि राजीव गांधी ने श्रीलंका में शांति प्रयासों के लिए भारतीय सैन्य टुकड़ियों को भेजा लेकिन इसके नतीजे में वे खुद लिट्टे के निशाने पर आ गए और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। 21 मई, 1991 को राजीव गांधी एक रैली को संबोधित करने के लिए चेन्नई से 30 किलोमीटर दूर श्रीपेरंबुदूर में पहुंचे। इन्हीं में एक लिट्टे सदस्य धनु भी थी। राजीव गांधी के आसपास काफी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद धनु ने गाँधी के पैर छूये और एकाएक बम फट गया जिसको धनु ने जो कि उसने अपने कपड़ों में छुपाया हुआ था। राजीव गाँधी समेत 17 अन्य लोग भी काल के ग्रास बन गये। इसी कारण से 21 मई, राजीव गांधी बलिदान दिवस को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। राजीव भी भी अपनी माँ इंदिराजी के जैसे आतंकवाद के शिकार बनें। उन्हें 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था। कुछ लोग ज़मीन पर राज करते हैं और कुछ लोग दिलों पर। स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने जनमानस के हृदय पर भी राज किया। समूचा राष्ट्र राजीव गांधी को उनकी 82 वीं जयंती पर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

–डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 20 अगस्त, 2026

सावन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, विशाखा नक्षत्र प्रात: 9:08 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 4:25 तक, विष्टि करण प्रात: 8:19 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रात: 6:09 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 8:19 तक है। आज दुर्गाष्टमी, मेला नयनादेवी और चिन्तापूर्णी है। आज दुर्गाष्टमी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:41 तक, चर 10:54 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:43 तक, शुभ 5:20 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:56

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

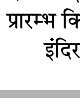

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

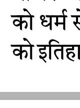

मिथुन
आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आज स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

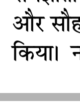

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

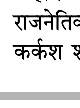

सिंह
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आज परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

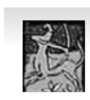

धनु
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

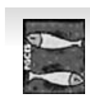

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में चुनाव दूसरे चरण में 11 सितंबर को होंगे

प्रदेश के 309 निकायों में दो चरणों में 9 और 11 सितंबर को होंगे पार्षदों के लिए मतदान, 14 को सामने आएंगे परिणाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में लंबे समय से टल रहे नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल आखिरकार बुधवार शाम 4 बजे बज गया। प्रदेश के 309 निकायों में चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में 9 सितंबर और 11 सितंबर को करवाए जाएंगे। खास बात यह है कि जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में चुनाव दूसरे चरण में होंगे। जबकि प्रथम चरण में जयपुर जिले के 540 वार्डों को पहले चरण में रखा गया है। इनमें चाकसू, बगरू, बस्सी, दूदू, फागी, सांभर, फुलेरा, चौमूं सहित कई नगर निकाय शामिल हैं। दोनों चरणों के चुनाव ईवीएम के माध्यम से संपन्न होंगे। इसके बाद 14 सितंबर को मतगणना तथा परिणामों की घोषणा होगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. राजेश्वर सिंह ने बुधवार शाम को सचिवालय में प्रैस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

राजस्थान के इतिहास में पहली बार सभी नगरीय निकायों में एक साथ चुनाव कराए जा रहे हैं। सरकार की ओर से घोषित 'एक प्रदेश-एक चुनाव' की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि निर्वाचित बोर्ड बनने के बाद 21 सितंबर को निकाय प्रमुखों का चुनाव कराया जाएगा। इसके अगले दिन 22 सितंबर को उपाध्यक्ष, उपसभापति और डिप्टी मेयर के चुनाव होंगे। इसी दिन नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिकाओं की साधारण सभा की बैठक भी आयोजित की जाएगी।

निर्वाचन आयुक्त डॉ. राजेश्वर सिंह

उन्होंने बताया कि सदस्य पदों के चुनाव के लिए 27 अगस्त को लोक सूचना जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त है। 1 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 3 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 4 सितंबर को चुनाव चिह्न आवंटित होंगे। मतदान 14 सितंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। मतगणना चरणवार 9 और 11 सितंबर को होगी।

नगर निकायों के अध्यक्ष पद के लिए 15 सितंबर को लोक सूचना जारी होगी। 16 सितंबर तक नामांकन, 17 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच और 18 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी होगी। अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितंबर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी। उपाध्यक्ष पद का चुनाव 22 सितंबर को होगा।

■ निकाय प्रमुखों के लिए 21 सितंबर को तथा उपाध्यक्षों का चुनाव 22 सितंबर को होगा

309 निकायों के 10245 वार्डों में होगा मुकाबला

प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में कुल 10,245 वार्ड हैं। इनमें 1933 वार्ड ओबीसी, 1794 एससी और 395 वार्ड एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किए गए हैं। वहीं 6123 वार्ड अनारक्षित रखे गए हैं। इनमें 4,120 वार्ड अनारक्षित खुले वर्ग के और 2,003 वार्ड अनारक्षित महिला वर्ग के हैं। महिलाओं की भागीदारी भी चुनाव में खास रहने वाली है। आरक्षण व्यवस्था के तहत अलग-अलग श्रेणियों में 33 प्रतिशत वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसके चलते प्रदेश के निकायों में 3356 महिला पार्षदों के चुने जाने का रास्ता साफ हुआ है।

121 निकाय प्रमुख पद आरक्षित

निकाय प्रमुखों के पदों के आरक्षण में भी अलग-अलग वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। 60 निकाय प्रमुख पद ओबीसी, 50 एससी और 11 एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किए गए हैं। शेष पद अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण व्यवस्था के अनुसार निर्धारित हैं।

1.15 लाख कर्मचारी और 99 हजार पुलिसकर्मी संभालेंगे मोर्चा

चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। आयोग के अनुसार चुनाव प्रक्रिया में करीब 1.15 लाख कर्मचारी लगाए जाएंगे, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के लिए 98,709 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। प्रत्याशियों को चुनाव परिणाम के बाद निर्धारित समय सीमा में अपने चुनाव खर्च का विवरण भी देना होगा और 15 दिन के भीतर खर्च का हिसाब प्रस्तुत करना होगा।

चुनाव संपन्न होने तक तबादलों पर रोक

आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक निकाय क्षेत्रों में कर्मचारियों के तबादले नहीं किए जाएंगे। हालांकि चुनाव घोषणा से पहले शुरू हो चुके विकास कार्यों को आचार संहिता के दायरे से बाहर रखा गया है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों पर चर्चा

प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ली बैठक

प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए।

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब के मुख्य सचिवों के साथ दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति एवं नियंत्रण उपायों की समीक्षा की। बैठक में प्रदूषण के प्रमुख कारणों, औद्योगिक प्रदूषण, सड़क धूल, पराली-बायोमास जलाने की रोकथाम, पौधारोपण और वायु गुणवत्ता निगरानी पर चर्चा हुई।

तरुण कपूर ने मानसून के बाद सड़क धूल की सफाई के लिए 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक "विशेष क्लीनिंग ड्राइव" चलाने तथा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के आसपास की सड़कों की उपचारित जल से धुलाई के निर्देश दिए।

उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और निर्धारित समय सीमा में सभी ईंधन स्टेशनों पर वीएएचएएन से एकीकृत एएनपीआर कैमरों का संचालन व प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान में प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि 'परिवर्तन' कार्यक्रम के तहत एनसीआर क्षेत्र में 5268 पुराने एवं प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बसों का संचालन बढ़ाया जा रहा है तथा सड़क धूल नियंत्रण के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग सहित अन्य उपाय लागू किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, निर्माण स्थलों की निगरानी, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण तथा पराली और बायोमास जलाने की रोकथाम पर भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण भी किया जा रहा है।

चतुर्थ श्रेणी भर्ती 2024 : विभाग और जिला आवंटन के मुद्दे पर हाईकोर्ट में सुनवाई

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि, चयनित अभ्यर्थियों को विभागों का आवंटन निर्धारित नियमों और "मैरिट" के अनुरूप नहीं किया गया

जयपुर (कासं)। राजस्थान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 में विभाग एवं जिला आवंटन को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता आनंद शर्मा एवं अरविंद कुमार शर्मा ने पक्ष रखा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चयनित अभ्यर्थियों को विभागों का आवंटन निर्धारित नियमों और "मैरिट" के अनुरूप नहीं किया गया। इसके चलते जिला आवंटन भी मेरिट-कम-प्रेफरेंस के आधार पर नहीं हो पा रहा है।

■ हाईकोर्ट ने मामले में संबंधित विभाग एवं सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है कि निर्धारित नियमों को लागू करने का उद्देश्य पूरा क्यों नहीं हो पा रहा है?

याचिकाकर्ताओं के अनुसार भर्ती विज्ञापन में विभाग एवं जिले का आवंटन मेरिट-कम-प्रेफरेंस के आधार पर किए जाने का प्रावधान था। वहीं, अधीनस्थ विभागों में विभाग आवंटन कंप्यूटराइज्ड रैंडमाइज्ड प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिस पर अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि कई मामलों में एक ही विभाग में लगातार बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को आवंटित किया गया। साथ ही ऐसे विभाग भी आवंटित हुए, जो केवल किसी एक जिले तक सीमित हैं। इससे अभ्यर्थियों के मेरिट एवं पसंद के आधार पर जिला चयन के अधिकार पर प्रभाव पड़ रहा है।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि चतुर्थ श्रेणी भर्ती में कई अभ्यर्थियों ने अधीनस्थ विभाग को अपनी पहली प्राथमिकता दी थी, क्योंकि राजस्थान सचिवालय जयपुर और राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर तक सीमित हैं। इसके बावजूद कम मेरिट वाले कुछ अभ्यर्थियों को उनकी अपेक्षाकृत पसंदीदा विभागों में आवंटन मिलने का दावा किया गया है। याचिका में यह भी कहा गया है कि 8 जुलाई 2026 को जारी विभाग एवं नियुक्ति प्राधिकारी आवंटन सूची में याचिकाकर्ताओं को मेरिट की अनदेखी करते हुए विभाग आवंटित किए गए।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के अधिकार सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं। साथ ही विभाग एवं जिला आवंटन की प्रक्रिया को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखा गया है।

हाईकोर्ट ने मामले में संबंधित विभाग एवं राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है कि निर्धारित नियमों को लागू करने का उद्देश्य पूरा क्यों नहीं हो पा रहा है।

दहेज हत्या के अभियुक्त पति को आजीवन कारावास

जयपुर। महिला उत्पीडन मामलों की विशेष अदालत महानगर द्वितीय ने विवाहिता को दहेज के लिए प्रताडित कर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले अभियुक्त पति अमरचंद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 24 साल के इस अभियुक्त पर जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रितु चौधरी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त के कृत्य को देखते हुए उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनोज जांगिड़ ने अदालत को बताया कि शादी के 15 माह में ही दहेज हत्या होना गंभीर अपराध है। ऐसे में अभियुक्त को कठोर सजा से दण्डित किया जाए, ताकि लोग ऐसे अपराधों से बाज आए। प्रकरण के अनुसार मृतका पूजा के पिता गिरधारी लाल ने 14 फरवरी, 2022 को चौमू थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें कहा गया कि उसने 27 नवंबर, 2020 को 2 बेटियों की शादी अभियुक्त अमरचंद व उसके भाई रजनीकांत के साथ की थी।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना में ईएमडी वापसी के नियमों में संशोधन

"ईज ऑफ डूइंग" बिजनेस के तहत रीको प्रशासन ने उठाया बड़ा कदम

जयपुर (कासं)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट के तहत राज्य में औद्योगिक इकाई स्थापित करने के इच्छुक निवेशकों को कम लागत पर औद्योगिक भूखंड उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 प्रारंभ की गई है। निवेशकों एवं उद्यमियों की सुविधा और हितों को ध्यान में रखते हुए रीको द्वारा योजना के नियमों का लगातार सरलीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में योजना के प्रावधानों में आंशिक संशोधन करते हुए आवेदकों को आवेदन वापस लेने तथा ईएमडी राशि की वापसी से संबंधित महत्वपूर्ण राहत प्रदान की गई है।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के वर्तमान नियमों के तहत औद्योगिक भूखंड के लिए आवेदन करते समय आवेदक को भूखंड के कुल देय प्रीमियम की 5 प्रतिशत राशि ईएमडी के रूप में ऑनलाइन जमा करनी होती है। आवेदन स्वीकृत होने के पश्चात सफल आवेदक को लेटर ऑफ ऑफर जारी किया जाता है तथा उसे 30 दिवस के भीतर निर्धारित राशि एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होते हैं। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर ईएमडी राशि जब्त किए जाने तथा आवंटन का ऑफर लेटर स्वत: निरस्त होने का प्रावधान था।

नवीन प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई आवेदक आवेदन की अंतिम तिथि तक अपना आवेदन वापस लेने तथा जमा की गई ईएमडी राशि लौटाने का अनुरोध करता है, तो उसकी ईएमडी राशि बिना किसी कटौती के वापस की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अंतर्गत कुछ मामलों में आवेदन में गलत जानकारी दर्ज होने अथवा प्रस्तुत एमओयू एवं आवश्यक दस्तावेजों में असमानता पाए जाने जैसी परिस्थितियां सामने आई हैं। ऐसे मामलों में यदि आवेदक लॉटरी प्रक्रिया में सफल घोषित हो जाता है, तो प्रस्तावित संशोधन के अनुसार भूखंड के प्रीमियम की 0.5 प्रतिशत राशि की कटौती कर शेष ईएमडी राशि आवेदक को वापस करने का प्रावधान किया गया है। पूर्व में ईएमडी वापस करने का कोई प्रावधान योजना के अंतर्गत उपलब्ध नहीं था।

रीको प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि रीको द्वारा प्रत्यक्ष आवंटन योजना को निवेशकों एवं उद्यमियों के लिए अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और सरल बनाने के लिए समय-समय पर आवश्यक सुधार किए जाते रहे हैं। वर्तमान में योजना की वैधता 31 दिसंबर 2026 तक है।

राज्य सरकार के साथ निर्धारित अवधि में एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशक, निर्धारित पात्रता शर्तों के अधीन इस योजना में भाग लेने के पात्र हैं। नवीन संशोधनों का उद्देश्य भूमि आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सुगमता बढ़ाने के साथ-साथ निवेशकों के हितों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित करना है। सभी प्रावधान प्रत्यक्ष आवंटन योजना के लागू होने की तिथि से प्रभावी होंगे। वर्तमान में योजना का 13 वां चरण चल रहा है जिसकी आवेदन एवं ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 25 अगस्त रखी गई है।

जेडीए के विधि निदेशक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर अंतरिम रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए में विधि निदेशक को राहत देते हुए उनके खिलाफ गत 30 जुलाई को जारी दो आरोप पत्र के आधार पर होने वाली विभागीय कार्रवाई की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में विधि सचिव और जेडीए आयुक्त से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश नरेन्द्र कुमार आर्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील समदडिया ने अदालत को बताया की याचिकाकर्ता जेडीए में विधि निदेशक के तौर पर पदस्थापित है। याचिकाकर्ता को दिया आरोप पत्र गौरव गुप्ता के खिलाफ याचिकाकर्ता की ओर से की गई कार्रवाई से संबंधित है।

इस मामले में एक व्यक्ति गौरव गुप्ता की सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। वहीं यह मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता को दिया दूसरा आरोप पत्र एक अवमानना प्रकरण से जुडा है। यह मामला भी हाईकोर्ट की खंडपीठ में विचाराधीन है और एकलपीठ के आदेश पर रोक लग चुकी है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता जेडीए में पदस्थापित है और विधि विभाग के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण में नहीं आता है। इसलिए प्रमुख विधि सचिव के पास यह चार्जशीट जारी करने का प्रशासनिक क्षेत्राधिकार ही नहीं था। इसके अलावा जेडीए एक्ट 1982 की धारा 78 के तहत नियमानुसार किए गए कामों के लिए अधिकारियों को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। ऐसे में जो भी कार्रवाई करनी थी, वह जेडीए कमिश्नर ही कर सकते हैं। इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी चार्जशीट के तहत होने वाली विभागीय कार्रवाई रोकी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

100 व्यक्तियों को मिलेगा मंच

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने राज्य के आर्थिक, औद्योगिक एवं सामाजिक विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करने के लिए '100 आइकन्स ऑफ राजस्थान' पहल शुरू की है। इसके तहत 55 वर्ष से कम आयु की 55 महिलाओं और 45 वर्ष से कम आयु के 45 पुरुषों सहित 100 प्रेरणादायी व्यक्तियों का चयन किया जाएगा।

सरकारी कैंसर इंजेक्शन की कथित अवैध बिक्री की जांच के आदेश

जयपुर। बीकानेर के सरकारी कैंसर अस्पताल के लिए भेजे गए महंगे कैंसर इंजेक्शन के दिल्ली में कथित रूप से अवैध बिक्री के मामले ने चिकित्सा विभाग में हलचल बढ़ा दी है।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों के उपचार के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी या अनधिकृत बिक्री किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) और संबंधित अधिकारियों को दवा की पूरी आपूर्ति शृंखला की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत दवा की आपूर्ति से लेकर स्टॉक रजिस्टर, मांग-पत्र, भेजे जाने का रिकॉर्ड और अस्पताल स्तर पर वितरण से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाएगी। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि सरकारी अस्पताल के लिए भेजी गई दवा आखिर दिल्ली तक कैसे पहुंची और कथित बिक्री में किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं। मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि यदि जांच के दौरान सरकारी दवा की आपूर्ति में किसी भी स्तर पर अनियमितता, लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

"कार-टी सेल" थैरेपी आरजीएचएस में शामिल

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार ने राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में कार-टी सेल थेरेपी को अनुमत पैकेज में शामिल किया है। इससे गंभीर रक्त कैंसर से जूझ रहे पात्र सरकारी कर्मचारियों, उनके आश्रित परिवारजनों और पेंशनर्स को अत्याधुनिक उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

■ कैंसर मरीजों को 30 लाख तक का पैकेज

"कार-टी सेल" थैरेपी के लिए अधिकतम 30 लाख रुपए तक का पैकेज स्वीकृत किया गया है। इसमें 26 लाख रुपए कार-टी सेल के निर्माण तथा 4 लाख रुपए सपोर्टिव केयर और संभावित जटिलताओं के प्रबंधन के लिए निर्धारित किए गए हैं। यह थेरेपी कुछ गंभीर प्रकार के ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मल्टीपल मायलोमा जैसे रक्त कैंसर के उपचार में उपयोगी है।मरीज की पात्रता विशेषज्ञ चिकित्सकों या विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्धारित की जाएगी। उपचार से पहले आवश्यक जांच, विशेषज्ञों की अनुशंसा और पूर्व-अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। साथ ही उपचार अधिकृत केंद्रों पर विशेषज्ञों की निगरानी और आवश्यक आईसीयू सुविधाओं के साथ किया जाएगा।

सरकार ने आरजीएचएस में कैंसर की महंगी दवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड की प्रक्रिया भी ऑनलाइन कर दी है। इससे प्रदेश के बाहर या दूर-दराज के मरीजों को मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा के लिए जयपुर आने की आवश्यकता नहीं होगी।

वीडियो कॉल के माध्यम से प्रक्रिया पूरी होने से मरीजों और उनके परिजनों का समय व खर्च बच सकेगा।

'शिक्षा विभाग में 48 हजार से अधिक नियुक्तियां'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था मजबूत करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। शिक्षा विभाग में अब तक 48,465 नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, जबकि 59,587 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। सरकार का उद्देश्य है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। इसके लिए रिक्त पदों पर विद्या संबल योजना के तहत विषय विशेषज्ञों और अनुभवी व्यक्तियों को अतिथि शिक्षक के रूप में लगाया जाएगा। जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में अधिकृत किया गया है। सरकार के अनुसार वर्तमान सरकार के ढाई साल के कार्यकाल में स्कूलों की मरम्मत, नए भवन और कक्षा-कक्ष निर्माण सहित आधारभूत सुविधाओं पर 2,723 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। वहीं पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल में इन कार्यों पर 2,227 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे।

वस्त्र इकाइयां प्रदूषण नियंत्रण के साथ पर्यावरणीय दायित्व निभाएं : अपर्णा अरोरा

'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, जल शोधन तथा शोधित जल के पुन: उपयोग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत'

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्षा अपर्णा अरोरा ने कहा कि राजस्थान की विश्व प्रसिद्ध ब्लॉक प्रिंटिंग, हस्तशिल्प एवं वस्त्र प्रसंस्करण परंपरा को "सर्कुलर इकोनॉमी" और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़कर टिकाऊ औद्योगिक विकास का आधार बनाना होगा। वस्त्र इकाइयों को जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी), जल शोधन, शोधित जल के पुन: उपयोग और स्लज के वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 'सर्कुलैरिटी इन द टेक्सटाइल सेक्टर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में उन्होंने कहा कि सांगानेर, बगरू, बालोतरा, पाली और बाड़मेर जैसे वस्त्र केंद्रों की वैश्विक पहचान को बनाए रखते हुए नदियों में प्रदूषित पानी जाने से रोकना जरूरी है। कम पानी वाली तकनीकों, अपशिष्ट जल के शोधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने बालोतरा के शोधित पानी से राजस्थान रिफाइनरी के आसपास विकसित होने वाले पेट्रो जोन की जल जरूरत पूरी करने और ट्रीटमेंट प्लांट की स्लज के सीमेंट व ब्लॉक निर्माण में उपयोग की संभावनाएं तलाशने पर भी जोर दिया।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्षा अपर्णा अरोरा ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 'सर्कुलैरिटी इन द टेक्सटाइल सेक्टर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में पानी की उपलब्धता सीमित है, इसलिए वस्त्र उद्योग को जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण को प्राथमिकता देनी होगी। लीगेसी टेक्सटाइल क्लस्टर्स को आधुनिक अपशिष्ट जल शोधन, संसाधन दक्ष तकनीकों और जल पुनर्चक्रण आधारित ढांचे से मजबूत करना समय की जरूरत है।

मंडल के सदस्य सचिव कपिल चन्द्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। मंडल उद्योगों को जेडएलडी, जल पुनर्चक्रण और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन अपनाने के लिए तकनीकी सहयोग और क्षमता संवर्धन देगा। तकनीकी सत्र में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई के डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किफायती जेडएलडी मॉडल प्रस्तुत किया और 4आर-रिड्यूस, रीप्रोसेस, रीयूज और रिसोर्स रिकवरी-पर आधारित औद्योगिक विकास पर जोर दिया।

विशेषज्ञों ने गुजरात, भीलवाड़ा और राजस्थान के वस्त्र क्लस्टर्स में अपशिष्ट जल उपचार, जल पुन: उपयोग, सर्कुलैरिटी और अनुपालन की सर्वोत्तम प्रक्रियाएं साझा कीं। कार्यशाला में वस्त्र उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने जल संरक्षण, संसाधन पुनर्प्राप्ति और पर्यावरण अनुकूल उत्पादन पर विचार-विमर्श किया।

अजमेर के अलीपुरा गांव स्थित दो सरकारी स्कूलों में पांच साल से शिक्षकों के पद रिक्त

राजकीय सीनियर माध्यमिक और माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों के कई पद रिक्त होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है

- ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नहीं होने से विद्यार्थियों को विषयवार अध्ययन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है
- शिक्षकों की कमी को लेकर अलीपुरा के ग्रामीण अजमेर पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर विद्यालयों में रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की

अजमेर, (निसं)। पीसांगन क्षेत्र के अलीपुरा गांव में शिक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। गांव में संचालित राजकीय सीनियर माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय में पिछले करीब पांच वर्षों से शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। लंबे समय से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नहीं होने से विद्यार्थियों को विषयवार अध्ययन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिक्षकों की कमी को लेकर अलीपुरा गांव के ग्रामीण बुधवार को अजमेर पहुंचे और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर विद्यालयों में रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के दोनों विद्यालयों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन लंबे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई है। ऐसे में विद्यार्थियों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में करीब पांच वर्ष से शिक्षकों के पद रिक्त है। समय बीतने के बावजूद शिक्षा विभाग की ओर से इन पदों को भरने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। शिक्षकों की कमी का सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। कई विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से नहीं हो पा रही है, जिससे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा का प्रमुख माध्यम हैं। ऐसे में यदि विद्यालय में ही पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे तो विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जिला कलेक्टर को दिए ज्ञापन में ग्रामीणों ने विद्यालयों में चल रहे सभी रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए शिक्षा विभाग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो सके।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के डेढ़ साल से अधिक पुराने मामले में पॉक्सो क्रम-2 न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी किशोर को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक वीरेन्द्र सिंह भानावत ने बताया कि 25 सितम्बर 2024 को पीड़िता की मां ने शहर के एक थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता की मां ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी 16 सितम्बर 2024 की रात्रि को बिना बताये घर से लापता हो गई, जिसको रिश्तेदारों व आस-पास काफी तलाश किया पर उसकी बेटी को कुछ पता नहीं चला। पीड़िता की मां ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी बेटी को एक लड़के से बात करती थी उसको शक है वह लड़का उसकी बेटी को भगाकर ले गया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया, पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए बालिका को दस्तयाब कर आरोपी किशोर को विधिसंघर्षरत् निरूद्ध किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान के बाद मामले में पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया।

स्वच्छता जल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना

SWACH

क्रमांक: एफ( )//निविदा/निदे/स्वच्छ/2026-27/ दिनांक: 19.08.2026

E-TENDER NOTICE :- 17/2026-27 and 18/2026-27

NIB :- SWP2627A0056 NIB :- SWP2627A0057

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग अन्तर्गत स्वच्छ परियोजना के मार्फत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) के अंतर्गत वर्ष में अनुमोदित जनजातीय बालक/बालिका छात्रावास/आवासीय विद्यालयों में निर्माण कार्य 17/2026-27 कुल निविदा 11 एवं 18/2026-27 कुल निविदा 48 करवाये जाने हेतु ई-बाली सूचना दिनांक 20.08.2026 से आमंत्रित की जाती है। उक्त बोली से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी। DIRECTOR-SWACH PROJECT UDAIPUR

राजस्थान सरकार

कार्यालय चिकित्सा अधीक्षक, प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.) सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

क्रमांकः- ए.जी.एच. / लेखा (क्रय) / 2026/25325 दिनांक :- 14/8/26

अल्पकालीन ई-बोली आमंत्रण सूचना

(Stt.E-NIB No. 13/2026-27)

पी.बी.एम. चिकित्सालय में एब्रजेबेन्ट कॉटन वूल आई.पी. ग्रेड नॉन स्टरलाईज्ड 500 ग्राम पैकेट रोल के क्रय हेतु मूल निर्माताओं, अधिकृत विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं एवं बोलीदाताओं से दोहरी बिड पद्धित (तकनीकी व वित्तीय बिड) से आमंत्रित निविदा में इच्छुक बोलीदाता दिनांक 22.08.2026 से 29-08-2026 सांय 05:00 बजे तक निविदा डाउनलोड/अपलोड कर सकते है। बोली आमंत्रण सूचना की महत्वपूर्ण शर्ते व पूर्ण विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "http://sppp.rajasthan.gov.in" पर देखी जा सकती है। ई-बोली की कुल अनुमानित लागत 100 लाख है।

UBN NO:- MCB2627GLLB00088

चिकित्सा अधीक्षक
प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.)
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

DIPR/C/15327/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD, DIVISION BHILWARA

No.- 2847 Date: 13.08.2026

NIB CODE:- PWD2627A2325

Notice Inviting Bid 10/2026-27

Bids for "Construction of Atal Pragati Path at Approach Road Sahada under B.A. 2026-27 under Dn. Bhilwara" work are invited form interested bidders upto 06.00 PM Dated 24.08.2026 (Monday). Other particulars of the bid may be visited on the procurment portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate values of the procument is Rs. 173.32 Lacs, (Total of 1 Bid).

UBN No. PWD2627WSOB10305

(B.L. Regar)
Executive Engineer
PWD Division Bhilwara
Mob. No. 94145-74926

DIPR/C/15122/2026

प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को निदेशक का इंतजार

- 14 महीने से पद खाली, कार्यवाहक जयपुर से संभाल रहे जिम्मेदारी

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर के 1 लाख से ज्यादा सरकारी और प्राइवेट स्कूलों का संचालन देखने वाले प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक का पद खाली रह गया है। इसमें माध्यमिक शिक्षा निदेशक का पद तो 14 महीनों से रिक्त है। पहले सीताराम जाट को कार्यवाहक लगाया गया था, अब उनके रिटायर होने पर ललित कुमार को कार्यवाहक की जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

गौरतलब है कि आईएएस अधिकारी आशीष मोदी के ट्रांसफर के बाद तत्कालीन प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को माध्यमिक शिक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। इसके बाद से सीताराम जाट प्रारम्भिक शिक्षा के बजाय माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में ही बैठते थे। प्रारम्भिक शिक्षा के अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में आकर उनसे मिलते थे। पिछले दिनों 30 जुलाई को सीताराम जाट रिटायर हो गए। इसके बाद माध्यमिक शिक्षा के साथ ही प्रारम्भिक शिक्षा का चार्ज जयपुर में पदस्थापित ललित कुमार को सौंप दिया गया। ललित कुमार के पास पहले से सोशल जस्टिस, पंचायती राज, भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन और बाल अधिकार आयोग के सदस्य सचिव जैसी जिम्मेदारी है। उन्हें ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया।

राज्य सरकार ने सोमवार देर रात एक आदेश जारी करके आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए, लेकिन माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को निदेशक नहीं मिल पाया। उम्मीद की जा रही थी कि ललित कुमार को ही माध्यमिक शिक्षा की स्थाई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जून 25 तक प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा में 2 अलग-अलग आईएएस बैठते थे। इसके बाद जून 25 में दोनों के बीच एक आईएएस कर दिया गया। अब हालात ये हैं कि दोनों के लिए कोई आईएएस नहीं है, बल्कि जयपुर के अधिकारी को इसका जिम्मा सौंपा गया है। आईएएस ललित कुमार भी जयपुर से ही दोनों निदेशालयों को संचालित कर रहे हैं।

उदयपुर कृषि उपज मंडी का कार्मिक 24 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की टीम ने कृषि उपजमण्डी उदयपुर के कार्मिक को चौबीस हजार रूपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोवन्दि गुप्ता ने बताया कि एसीबी कार्यालय उदयपुर को परिवादी द्वारा शिकायत दी कि वह कलडवास उदयपुर में आटा मिल का संचालन करता है तथा कृषि उपज मण्डी सविना एवं अन्य व्यापारियों के माध्यम से गेहूं की बैच खरीद करता है। मार्च 2026 से आरोपी मनोहरलाल कृषि उपजमण्डी उदयपुर कार्मिक मनोहरलाल परिवादी से जुड़े व्यापारियों के गेहूं से भरे ट्रेक्टरों को रोककर चेकिंग के नाम पर तत्काल बिल प्रस्तुत करने का दबाव बनाया जा रहा था तथा बिल प्रस्तुत नहीं करने पर चालान किए जा रहे थे। इस संबंध में आरोपी से बातचीत करने पर उसके द्वारा परिवादी के साथ व्यापार करने वाले व्यापारियों के ट्रेक्टरों को चेक नहीं करने एवं उनके चालान नहीं बनाने तथा परिवादी द्वारा खरीदे गए गेहूं के बिलों की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराने पर उसके विरूद्ध राजस्थान कृषि उपज मण्डी नियमों के तहत पेनल्टी नहीं लगाने की एवज में तत्कालीन सचिव कृषि उपजमण्डी सविना उदयपुर मदन गुर्जर के नाम पर प्रतिमाह रिश्वत राशि की मांग की गई। परिवादी से आरोपी द्वारा अप्रेल 2025 से मार्च 2026 तक की अवधि के लिए 65 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर प्राप्त की जा चुकी है। इसके पश्चात अप्रेल 2026 से जुलाई 2026 तक के चार माह की अवधि के लिए पुन: रिश्वत की मांग की जा रही थी। इस पर सत्यापन कराने पर परिवादी से आरोपी द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। इस पर बुधवार को एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वरसिंह के पर्यवेक्षण एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनन्त कुमार के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक रामसुमेर मीणा मय टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी मनोहरलाल को 24 हजार रूपये नकद रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर), जालोर

क्रमांकः / चुनाव / लेखा/2026/512 दिनांकः 19/08/2028

निविदा सूचना

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर), जालोर द्वारा आगामी पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय चुनाव 2026 एवं अन्य चुनावों के लिए विभिन्न ई-निविदा एवं खुली निविदा आमंत्रित की जाती है, इच्छुक बोलीदाताओं एवं प्रतिष्ठित सदभावी पंजीकृत फर्मो / व्यवसायों / डीलरों से खुली बोली दर संविदा हेतु उक्त निविदाओं को आमंत्रित किया जाता है। बोली से संबंधित अन्य विवरण / आवेदन पत्र https://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। आमंत्रित निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है-

क्र. सं.	निविदा का विवरण	UBN No.	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	बिड प्रस्तुत करने का अंतिम समय	राशि (लाखों में)
1.	WATER CAMPER WITH R.O. CHILLED WATER	CJL2627 SLRC00031	21.08.2026	01.00 PM	12.00
2	PRINTING WORK OF POSTER, BANNERS AND PAMPHLETS	CJL2627 SLRC00032	21.08.2026	01.00 PM	12.00

प्रभारी अधिकारी चुनाव लेखा
जालोर

DIPR/C/15365/2026

अवैध हथियारों के साथ दो युवक गिरफ्त में

मुकुंदगढ़ में नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे युवक को पीछा कर दबोचा

- पिलानी पुलिस ने सक्रिय अपराधी आकाश उर्फ बिटु को देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत झुंझुनूं पुलिस ने 18 अगस्त को दो अलग-अलग कार्रवाइयों में अवैध हथियारों के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पिलानी पुलिस ने सक्रिय अपराधी आकाश उर्फ बिटु को अवैध देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया, जबकि डीएसटी व मुकुंदगढ़ थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मोहम्मद साद को अवैध देशी पिस्टल और बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल सहित दबोचा। दोनों मामलों में पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार 18 अगस्त को पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान सरकारी अस्पताल पिलानी के पास मुखबिर से सूचना मिली कि बेरी रोड, लुहारू बाईपास पुलिया की तरफ एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को डिटेन कर उसकी तलाशी ली। तलाशी में उसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी से हथियार का लाइसेंस अथवा वैध अनुज्ञापत्र मांगा गया, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने हथियार जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से 6 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

इधर, डीएसटी और पुलिस थाना मुकुंदगढ़ की संयुक्त टीम ने भी अवैध हथियार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मोहम्मद साद पुत्र हारूण भाटी को देशी पिस्टल और बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। 18 अगस्त को टीम नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल को रूकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक नाकाबंदी तोड़कर बलरिया गांव की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया और मुक्ति धाम बलरिया के सामने सड़क पर सरकारी वाहन आगे लगाकर मोटरसाइकिल को रोक लिया। मोटरसाइकिल को भगाकर ले जाने के संबंध में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक लोकल मेड अवैध पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने पिस्टल के साथ बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली।

युवक की मौत

पावटा, (निसं)। भाबरू थाना क्षेत्र के ग्राम बागावास अहिरान में सर्विस रोड पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। केरली की तरफ से आ रहा दिल्ली रोड पर साईवाड निवासी बाइक सवार गोरीशंकर बीवाल (42) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे किलोमीटर लिखे पत्थर से टकरा गया। टक्कर के बाद बाइक सवार सर्विस रोड पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही इंटरसेप्टर टीम एवं उधर से आ रहे तहसीलदार पावटा लोकेंद्र मीणा ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया व भाबरू थाना पुलिस को सूचित किया। घायल को उपचार के लिए उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

भारत-भूटान बॉर्डर पर छिपे दुष्कर्म व साइबर क्राइम के आरोपी को पकड़ा

भीलवाड़ा पुलिस टीम और साइबर सैल ने 2,100 किमी दूर भारत-भूटान सीमा से आरोपी को गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। महिला के साथ दुष्कर्म करने और उसकी फोटो-वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने के संगीन मामले में पारोली थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भीलवाड़ा पुलिस की संयुक्त टीम और साइबर सैल ने करीब 2,100 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल में भारत-भूटान सीमा से आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि पारोली थाने में दर्ज प्रकरण के तहत पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ बलात्संग, ब्लैकमेलिंग और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कराया था। वारदात के बाद आरोपी पुलिस से बचने और पहचान छुपाने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) अंजुम कायल व वृताधिकारी (कोटड़ी) सुरेश डाबरिया के सुपरविजन में कारोई थानाधिकारी सियाराम और पारोली थानाधिकारी कमलेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। भीलवाड़ा साइबर सैल के एएसआई आशीष मिश्रा व टीम की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर उसे भूटान बॉर्डर (पश्चिम बंगाल) से धर दबोचा गया। पकड़ा गया आरोपी नारायण लाल (34) पिता भैरू लाल जाट, निवासी निमेड़ा थाना भिनाय, जिला अजमेर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है, जिससे गहन पूछताछ की जा रही है।

Govt. of Rajasthan

Office of Deputy Director Women Empowerment Ajmer

Phone No: 0145-2627154, Email: ajmer.we@rajasthan.gov.in

क्रमांक : म.अ./अज/OSC/2026-27/1395 दिनांकः- 17/8/26

ई-बोली सूचना 01/2026-27

वन स्टॉप सेंटर अजमेर के संचालनार्थ जॉब बेसिस पर मानव संसाधन आपूर्ति बाबत श्रम विभाग एवं बिकी कर विभाग में पंजीकृत योग्य, अनुभवी एवं पंजीकृत संवेदकों से ई-बोली अनुमानित लागत 28.20 लाख रूपये निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। ई-बोली दिनांक 17/06/2026. को 05:00. 05:00. P.M. से डाउनलोड एवं दिनांक 15/09/2026 को 11: A.M. तक अपलोड की जा सकेगी एवं दिनांक 15/09/2026 को दोपहर 1:00 P.M. पर तकनीकी बोली खोली जायेगी। बोली आमंत्रण की सूचना, बोली की मुख्य शर्तों एवं तत्संबंधी विवरण वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in विस्तृत एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट wcd.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB NO: WMP2627A0094
UBN NO: WMP2627520800119

उप निदेशक
महिला अधिकारिता
अजमेर

DIPR/C/15300/2026

Office of the Additional Chief Engineer (Project) PHED, Ajmer

Qtr. No. II/2, PHED Colony, Vaishali Nagar, near RIICO Watch Factory, Ph. No. 0145-2640265, Fax No. 0145-2640265
Email:acepajm.phed@rajasthan.gov.in

S.No. F()ACE/Proj/Aj/AR-JJM (SEP-NGR)/ 2026-27/2996 Date:14/08/2026

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS

NIT No. 01/2026-27

Bid for "Bids for the "Operation and Maintenance of Main Pump Houses at Intake Nokha daiya and IPS Deshnok, 74MLD output capacity Water Treatment Plant at Nokha Daiya, including Electrical Mechanical and Instrumentation installations, switch yards, valves etc. and MS pipe line of 1200 mm diameter from Nokha Daiya Pump House to IPS Deshnok and IPS Deshnok Pumping Station to Nagaur (Approximate 131 Km total length) under the Nagaur Lift Project Phase-I, Package-I" is invited for interested bidders up to 07.09.2026. Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

"SAVE WATER - SAVE LIFE"

UBN No.: PHE2627WLOB04282
NIB No.: PHE2627A2166

(Krishan Kumar Agarwal)
Additional Chief Engineer (Project)
PHED, Region, Ajmer

DIPR/C/14970/2026

अफीम सहित हरियाणा के दो बदमाशों को दबोचा

नोहर, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम के साथ हरियाणा के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया है। कार्रवाई थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की।

पुलिस के अनुसार नोहर-जोरावरसर मार्ग पर साहवा तिराहे के पास नाकाबंदी के दौरान नोहर की ओर से आ रही एक स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में वाहन से 394 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने वाहन में सवार भजनलाल (36) पुत्र शंभूराम निवासी तड़कावाली, थाना नाथूसरी चौपटा, जिला सिरसा तथा विजय कुमार (27) पुत्र प्रदीप भूषण मेघवाल निवासी चाहरवाला, थाना नाथूसरी चौपटा, जिला सिरसा को गिरफ्तार कर लिया। एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बरामद अफीम और जब्त स्कॉर्पियो को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त और तस्करी के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। दोनों के खिलाफ पहले से मामले दर्ज पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी भजनलाल के खिलाफ विभिन्न थानों में 9 मामले दर्ज बताए गए हैं। वहीं आरोपी विजय कुमार के खिलाफ थाना गोगामेड़ी में आर्म्स एक्ट, हत्या और डकैती से संबंधित 2 मामले दर्ज होना बताया गया है।

बुजुर्ग ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के रामसागड़ा थाना क्षेत्र के जालूकुआं गांव में एक बुजुर्ग ने पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव गांव के पास जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामसागड़ा थाने के हैड कॉन्स्टेबल राजेंद्र बुनकर ने बताया कि जालुकुआ निवासी दिनेश मेणात ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार बुधवार सुबह उनके चचेरे भाई ने फोन पर सूचना दी कि उनके पिता बापु मेणात ने गांव के समीप वन विभाग के इलाके में एक पेड़ से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति झालरापाटन, जिला झालावाड़ (राज0)

क्रमांक / लेखा/निविदा/2026-27/155 दिनांक :-14.08.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना

NIB code: ZJL2627A0109
UBN No.: ZJL2627WSOB00126

डिस्ट्रीक्ट मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट, झालावाड़ की गवर्निंग काउंसिल की बैठक दिनांक 25.02.2026 से अनुमोदित प्रस्तावों के वित्त विभाग से सहमति के आधार पर श्रीमान जिला कल्क्टर एवं अध्यक्ष महोदय, डिस्ट्रीक्ट मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट, झालावाड़ द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 134-135 दिनांक 02.06.2026 एवं वित्त्तीय स्वीकृति क्रमांक 159-160 दिनांक 12.06.2026 द्वारा अधीनस्थ ठाम पंचायत में स्वीकृत निर्माण कार्यो के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर इच्छुक राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम एवं राजस्थान के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत श्रेणी के संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के ए बी सी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से ऑनलाइन निविदा के माध्यम से निर्धारित प्रपत्रो में आमन्त्रित की जाती है। निर्धारित प्रपत्र मे e-procurement प्रक्रिया वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। पर देखी जा सकती है।

ई निविदा प्रपत्र शुल्क 500/- व निविदा उक्त अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट संबन्धित ग्राम पंचायत, पंचायत समिति झालरापाटन के पक्ष मे तथा प्रक्रिया शुल्क 500/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट एम0डी0आर0आई0एस0एल0 जयपुर के पक्ष मे देय होगा। निविदा समस्त कर सहित प्रस्तुत करे। नियमानुसार भुगतान की जाने वाली राशि से आयकर जी.एस.टी. कर व अन्य कर कटोती की जायेगी। निविदा की हार्ड कॉपी पंचायत समिति झालरापाटन में जमा करावें।

1. निविदा प्रपत्र का http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं अमानत राशि के मूल डी.डी./ बैंकर चैक की प्रति ऑनलाईन तकनीकी निविदा के साथ संलग्न कर अपलोड करनी होगी। साथ ही निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक निविदा की हार्ड कोपी दिनांक 23.08.2026 तक 4 बजे तक पंचायत समिति में जमा करानी होगी। समस्त शुल्क डी.डी./ बैंकर चैक के अतिरिक्त अन्य किसी रुप मे स्वीकार नही होगा।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत के कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानतराशि का डी.डी./ बैंकर चैक सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम बनाना होगा एवं प्रोसेसिंग शुल्क का डी.डी. / बैंकर चैक M.D RISL, Jaipur, के नाम देय होगा।
4. निविदा प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं प्रतिभूति राशि दस्तावेजो को भौतिक रूप से कार्यालय में जमा कराने वाले निविदादाताओं की ही बोली स्वीकार की जावेगी एवं तकनीकी बोली मुल्यांकन हेतु रखी जावेगी।
5. तकनीकी-वाणिज्यिक / क्वालिफाईड बिड दिनांक 24.08.2026 को प्रांत 11 बजे उपापन समिति द्वारा खोली जायेगी व तकनीकी बोली में सफल बोलीदाता की ही वित्तीय बोली खोली जायेगी।
6. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।

विकास अधिकारी
पंचायत समिति झालरापाटन

DIPR/C/15264/2026

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION I SIKAR

No. 2658 Date 11-08-2026

Notice Inviting Bid No. 12/2026-27

Bids for 25 (Twenty Five Nos.) Work are invited from interested bidders upto 06:00 PM dated 25.08.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 348.87 Lac.

NIB No. PWD2627A2233
UBN No. PWD2627WSOB09927, PWD2627WSOB09932, PWD2627WSOB09961
PWD2627WSOB09963, PWD2627WSOB09964, PWD2627WSOB09974
PWD2627WSOB09977, PWD2627WSOB09980,
PWD2627WSOB10054 to PWD2627WSOB10063
PWD2627WSOB10065 to PWD2627WSOB10071

Executive Engineer
PWD Dn I Sikar

DIPR/C/14906/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड तारानगर

क्रमांक : डी-1067-76 दिनांक : 14/08/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 17/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तारानगर खण्ड के अन्तर्गत भवन निर्माण कार्य कुल 01 कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूरसंचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। आर.पी.डब्ल्यू.ए.-100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2627A2363 के UBN No. निम्न प्रकार है-

UBN No.- 1. PWD2627WSOB10495

(ऋतिक सांखला)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड-तारानगर

DIPR/C/15227/2026

अजमेर के आश्रम में साथी ने सरिये से हमला कर युवक की हत्या की

- सहकारिता विभाग के अधीन संचालित आश्रम की घटना, पुलिस मौके पर पहुंची
- सिविल लाइंस थाना पुलिस ने आश्रम में ही रहने वाले 20 वर्षीय आमीन को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी
- दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था या घटना के पीछे कोई अन्य कारण था, जांच शुरु

अजमेर, (निसं)। कायड़ रोड स्थित जय अंबे पार्क कॉलोनी में सहकारिता विभाग के अधीन संचालित आश्रम में मंगलवार देर रात एक युवक की हत्या से सनसनी फैल गई। आश्रम में रहने वाले एक 40 वर्षीय युवक पर उसके ही साथी ने कथित तौर पर सरिये से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से युवक की हालत बिगड़ गई। आश्रम में मौजूद लोग उसे तत्काल जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार कायड़ रोड स्थित जय अंबे पार्क कॉलोनी में सहकारिता विभाग के अधीन आश्रम संचालित है। यहां वर्तमान में 17 पुरुष और एक महिला रह रहे हैं। मंगलवार रात करीब दो बजे आश्रम में रहने वाले 20 वर्षीय आमीन ने अपने साथ रह रहे 40 वर्षीय हुंकार पर सरिया से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद आश्रम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गंभीर रूप से घायल हुंकार को आश्रम में मौजूद अन्य लोग उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रारंभिक जांच की।

थाना प्रभारी शंभू सिंह ने बताया कि आश्रम के मैनेजर पारस मेघवाल की ओर से पुलिस को रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आश्रम में ही रहने वाले 20 वर्षीय आमीन को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

बुधवार सुबह पुलिस के साथ एफएसएल और एमओबी की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने आश्रम परिसर में घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सरिया से हमला किए जाने की बात सामने आई है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया गया है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर आमीन ने हुंकार पर हमला क्यों किया। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था या घटना के पीछे कोई अन्य कारण था, इसे लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस आश्रम में रहने वाले अन्य लोगों से भी जानकारी जुटा रही है, ताकि घटना से पहले की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

गोपालपुरा बाईपास पर 200 कोचिंग संस्थान बंद रहे

7 दिन में कोचिंग संस्थान बंद करने का जेडीए नोटिस मिलने के बाद संचालकों ने रखी सांकेतिक हड़ताल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गोपालपुरा बाईपास क्षेत्र में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों को 7 दिन बंद करने के जेडीए के अल्टीमेटम का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को शहर में करीब 200 कोचिंग संस्थान बंद रहे। इन्होंने जेडीए प्रशासन से मिले नोटिस के विरोध में सांकेतिक हड़ताल रखी। राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन के आव्हान पर हुई हड़ताल के दौरान कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ लाइब्रेरी, स्टडी हॉल और अन्य शैक्षिणक गतिविधियां भी बंद रहीं।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि, जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने गोपालपुरा बाइपास क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों को 7 दिन में संस्थान बंद करने के नोटिस दिए हैं। जेडीए की ओर से यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना में करने की बात कही गई है।

कोचिंग संचालकों ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि, जेडीए ने 5 जुलाई 2021 और 26 जुलाई 2022 को गोपालपुरा बाइपास रोड को कोचिंग गतिविधियों के लिए अधिसूचित किया था। गोपालपुरा बाइपास 160 फीट चौड़ी सड़क हैं, यहां करीब 250 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाईओवर परियोजना का निर्माण चल रहा है। जेडीए ने यहां साल 2022 में स्पेशल प्रोजेक्ट डवलपमेंट प्लान बनाया था। इस योजना में गोपालपुरा बाइपास क्षेत्र को कोचिंग संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप डवलप करने का प्रावधान किया गया था। कोचिंग एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत याचिका के संदर्भ में कुछ तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। इसके चलते वर्तमान स्थिति बनी है, हम इस मामले में अपना पक्ष कानूनी रूप से हाईकोर्ट के समक्ष भी रखेंगे। राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई से पहले एडवोकेट जनरल के माध्यम से कोचिंग संस्थानों और जेडीए, दोनों का पक्ष प्रभावी तरीके से रखा जाए। साथ ही तब तक कोचिंग संस्थानों के खिलाफ किसी भी तरह की सीलिंग या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। एसोसिएशन ने कहा कि गोपालपुरा बाइपास क्षेत्र में संचालित अधिकांश कोचिंग संस्थान आवश्यक नियमों और मानकों का पालन कर रहे हैं। संस्थानों को बंद करने की कार्रवाई से हजारों विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों, कर्मचारियों और आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भी असर पड़ सकता है।

गोपालपुरा बाईपास पर बुधवार को कोचिंग संस्थानों को बंद रखकर संचालकों ने जेडीए की नोटिस कार्रवाई का विरोध जताया।

- **कोचिंग संचालकों ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि, जेडीए ने 5 जुलाई 2021 और 26 जुलाई 2022 को गोपालपुरा बाइपास रोड को कोचिंग गतिविधियों के लिए अधिसूचित किया था।**

कांग्रेस का दावा "50 प्रतिशत युवाओं को देंगे चुनाव में मौका"

"यूथ कनेक्ट" अभियान के जरिए नौजवानों को पार्टी से जोड़ने की कवायद शुरू हुई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आगामी नगर निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर कांग्रेस ने युवाओं को पार्टी से जोड़ने और उन्हें चुनावी राजनीति में आगे लाने की कवायद शुरू कर दी है। कांग्रेस के यूथ कनेक्ट अभियान के तहत 39 वर्ष तक की उम्र के युवाओं को पार्टी से जोड़ने की योजना है। यूथ कांग्रेस के जीएस शेष नारायण ओझा ने बताया कि सभी जिलों में नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए जा चुके हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यूथ कनेक्ट अभियान से जुड़ने वाले प्रत्येक युवा को टिकट की गारंटी नहीं होगी। टिकट के लिए कांग्रेस की निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना जरूरी होगा। अब तक करीब 2 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई है। ऑनलाइन आवेदन में परेशानी होने पर युवा जिला या ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के माध्यम से भी आवेदन जमा करा सकेंगे।

डोटासरा ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत टिकट युवाओं को देने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि टिकट केवल सिफारिश के आधार पर नहीं दिए जाएंगे। पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावेदारों की योग्यता, संगठनात्मक सक्रियता और चुनाव जीतने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर निकाय चुनाव के लिए पहली बार क्यू आर कोड के माध्यम से आवेदन लिए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य उम्मीदवारों की जानकारी को डिजिटल रूप में सुरक्षित करने के साथ मतदाता सूची से नामों का सही मिलान करना है। उन्होंने कहा कि ओबीसी प्रतिनिधित्व में कमी को लेकर कांग्रेस ने न्यायालय में याचिका दायर की है।

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्कूलों में मीडिया कवरेज पर रोक लगाने के मुद्दे को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। जूली ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की लडाई लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल जनता की संपत्ति हैं और कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता वहां जाकर अपनी बात रखेंगे। जूली ने सरकार से स्कूलों में मीडिया कवरेज पर लगाए गए आदेश को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार का काम जनता की सेवा करना है, न कि इस तरह के प्रतिबंध लगाना।

1 लीटर सरस घी मल्टीलेयर टेट्रा पैक में मिलेगा

'होलोग्राफिक लेयर वाली नई पैकिंग से नकली सरस घी बनाना और पैक करना मुश्किल होगा'

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) ने सरस घी का नया 1 लीटर मल्टीलेयर टेट्रा पैक उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया है। नई पैकिंग में विशेष होलोग्राफिक लेयर का उपयोग किया गया है, जो पैक को विशिष्ट पहचान प्रदान करेगी। इस तकनीक के कारण पैकिंग की हूबहू नकल तैयार करना और उसके माध्यम से नकली सरस घी को पैक कर बाजार में बेचना पहले की तुलना में काफी मुश्किल होगा। इससे सरस के नाम पर होने वाले नकली उत्पादों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और उपभोक्ताओं को असली सरस घी की पहचान एवं सुरक्षा का अतिरिक्त भरोसा मिलेगा।

नई मल्टीलेयर पैकिंग घी को हवा, नमी और प्रकाश से सुरक्षा प्रदान करेगी। साथ ही पैकिंग छेड़छाड़-रोधी एवं सुरक्षित होगी, जिससे उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी। जयपुर डेयरी की प्रचार सामग्री में भी नई पैकिंग को हवा, नमी एवं प्रकाश से सुरक्षा तथा सुरक्षित पैकेजिंग के रूप में दर्शाया गया है। जयपुर डेयरी द्वारा इस नए पैक की शुरुआत 1 लीटर पैकिंग से की जा रही है। नई व्यवस्था के बाद प्रतिदिन 90 हजार लीटर घी की पैकिंग क्षमता होगी। इससे विशेष रूप से त्योहारों एवं मांग के चरम समय में उपभोक्ताओं को सरस घी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

फर्जी फसल बीमा मामले में ई-मित्र व दोषियों के खिलाफ एफ.आई.आर.

जयपुर। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ तहसील के कालूसर गांव में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फर्जी पॉलिसी बनाकर करीब 30 लाख रुपए का क्लेम लेने का मामला सामने आया है।

विभागीय जांच में फर्जीवाड़ा सही पाए जाने पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के निर्देश पर ई-मित्र संचालकों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में एक ही खसरे की जमीन पर सात लोगों द्वारा अलग-अलग बीमा पॉलिसियां करवाने और वास्तविक क्षेत्रफल से सात गुना अधिक क्षेत्र का बीमा कराने का खुलासा हुआ।

विभाग ने ई-मित्र, संबंधित किसानों और बीमा कंपनी की संभावित मिलीभगत की जांच के निर्देश दिए हैं। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने कहा कि 'ऑपरेशन क्लीन फसल बीमा' जारी रहेगा और फर्जीवाड़े में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

8 उप जिला अस्पतालों को मिलेंगे नए भवन

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश के 8 क्रमोन्नत उप जिला चिकित्सालयों के नए भवनों के निर्माण के लिए 280 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर औश्र प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि सरकार की स्वीकृति के तहत सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), बिलाड़ा (जोधपुर), देचू (फलोदी), खाजूवाला (बीकानेर), प्रतापपुर (बांसवाड़ा), रायपुर (ब्यावर), खण्डार (सवाई माधोपुर) और छबड़ा (बारां) के उप जिला चिकित्सालयों के भवन निर्माण के लिए प्रत्येक को 35 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इस तरह आठों अस्पतालों के लिए कुल 280 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।

महाप्रबंधक ने किया रेवाड़ी-रींगस-जयपुर रेल खंड का निरीक्षण

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने बुधवार को रेवाड़ी-रींगस-जयपुर रेल खंड का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे रेवाड़ी, नारनौल और नीम का थाना स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और इन्हें निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने रेवाड़ी स्टेशन पर केंद्रीय क्रू लॉबी, रूट रिले इंटरलॉकिंग टॉवर, एकीकृत रनिंग रूम और उप मंडल चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलकर्मियों से संवाद कर संरक्षा एवं परिचालन व्यवस्था की जानकारी ली।

उन्होंने रेवाड़ी-नारनौल रेल खंड के दोहरीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और इसे लक्षित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। नारनौल, अटेली और ढेहर का बालाजी स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। ढेहर का बालाजी स्टेशन पर प्रस्तावित द्वितीय प्रवेश द्वार को लेकर भी जानकारी ली गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने बुधवार को रेवाड़ी-रींगस-जयपुर रेल खंड पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

'आनंदम्' फोटो प्रतियोगिता संपन्न

जयपुर। ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापोल में विश्व फोटोग्राफी दिवस पर फोटोग्राफी क्लब की ओर से कार्यशाला एवं 'आनंदम्-आनंद का अनुभव' विषय पर फोटो प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सैकड़ों छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रख्यात फोटोग्राफर एवं प्राणीशास्त्री डॉ. आशा शर्मा ने छात्राओं को फ्रेमिंग, कम्पोजिशन, प्रकाश, कैमरा एंगल और विषय चयन सहित फोटोग्राफी की विभिन्न तकनीकों का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने व्यावहारिक अभ्यास के जरिए रचनात्मक फोटोग्राफी की बारीकियां सीखीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. हेमन्त पारीक ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे वेल्यू एडेड पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में रचनात्मकता, संवेदनशीलता और व्यावहारिक कौशल विकसित करते हैं। 'आनंदम्' फोटो प्रतियोगिता में छात्राओं ने आनंद, सकारात्मकता और जीवन के प्रेरणादायी क्षणों को तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के परिणाम अगले दिन घोषित किए जाएंगे।

'जयपुर कांग्रेस ने रखा 100 वार्ड जीतने का लक्ष्य'

नगरीय निकायों की आरक्षण लॉटरी और चुनाव कार्यक्रम तय होने के बाद तैयारियां तेज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आरक्षण लॉटरी के बाद जयपुर नगर निकाय चुनाव की सियासी तस्वीर साफ होने के साथ ही कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। जयपुर शहर कांग्रेस ने 150 वार्डों में से 100 वार्ड जीतकर बोर्ड बनाने का लक्ष्य तय करते हुए इसे 'मिशन-100' नाम दिया है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में चुनावी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि पार्टी स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनाव मैदान में उतरेगी।

शर्मा ने कहा कि जयपुर की जनता बदलाव के मूड में है और कांग्रेस को उम्मीद की नजर से देख रही है। पार्टी प्रत्येक वार्ड के लिए अलग घोषणा पत्र तैयार करेगी। इसके साथ ही पूरे जयपुर शहर के लिए भी एक साझा घोषणा पत्र जारी किया जाएगा। वार्डवार घोषणा पत्रों को प्रमुख चौराहों पर सार्वजनिक रूप से लगाया जाएगा, ताकि मतदाताओं के सामने स्थानीय समस्याओं और उनके समाधान को लेकर कांग्रेस का रोडमैप स्पष्ट रहे।

- **हर वार्ड का अलग घोषणा पत्र होगा, दल बदलने वालों को नहीं दिया जायेगा टिकट : सुनील शर्मा**

नगर निगम चुनाव के लिए कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी का गठन करेगी। इसमें जयपुर के विधायक, पूर्व विधायक, विधानसभा और लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी, अग्रिम संगठनों के प्रमुख तथा बोर्ड-निगमों के पूर्व चेयरमैन शामिल किए जाएंगे। कमेटी शहर के घोषणा पत्र को तैयार करने में भूमिका निभाएगी और इसके लिए विशेषज्ञों की मदद भी ली जाएगी। प्रत्याशी चयन को लेकर शर्मा ने कहा कि पार्टी करीब 50 फीसदी टिकट युवाओं को देगी। टिकट वितरण में धरातल पर पकड़, पार्टी के प्रति निष्ठा और जनता की भावना को प्रमुख आधार बनाया जाएगा। इस फैसले के जरिए कांग्रेस निकाय चुनाव में नए और युवा चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर काम करती नजर आ रही है। कांग्रेस ने टिकट वितरण को लेकर पार्टी छोड़ने और बोर्ड गिराने वाले पार्षदों के लिए भी स्पष्ट संदेश दिया है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद दूसरे दल के साथ मिलकर कांग्रेस का बोर्ड गिराने वालों को दोबारा टिकट नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग पार्टी में वापस आना चाहें तो उनका स्वागत है, लेकिन उन्हें पांच साल तक कार्यकर्ता के तौर पर काम करना होगा। वहीं, निर्दलीय चुनाव जीतकर कांग्रेस बोर्ड बनाने में सहयोग करने वाले निवर्तमान पार्षदों के नाम पर पार्टी विचार कर सकती है।

शर्मा ने जयपुर की मौजूदा स्थिति को भी कांग्रेस के चुनावी एजेंडे का प्रमुख हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि सवाई जय सिंह द्वितीय ने जयपुर को सुनियोजित तरीके से बसाया था और शहर को विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इसके बावजूद टूटी सड़कें और जलभराव जैसी समस्याएं शहर की छवि को प्रभावित कर रही हैं। कांग्रेस इन मुद्दों को चुनाव में प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है।

शर्मा ने कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। ऐसे में शहर के विकास, बुनियादी सुविधाओं और विरासत संरक्षण को लेकर पार्टी अपने घोषणा पत्र में ठोस मुद्दे शामिल करेगी। आरक्षण लॉटरी के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच कांग्रेस का 'मिशन-100' कितना सफल होता है, यह प्रत्याशी चयन, वार्डवार सामाजिक समीकरण और स्थानीय मुद्दों पर पार्टी की पकड़ पर निर्भर करेगा। फिलहाल कांग्रेस ने 150 में से 100 वार्ड जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस

जयपुर (कासं)। विधायकपुरी थाना पुलिस अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है। थानाधिकारी ने बताया कि 15 अगस्त की दोपहर करीब 2.30 बजे एक अज्ञात युवक परिवहन मार्ग पर अचेत अवस्था में मिला, जिसे पुलिस ने सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक का रंग सांवला व लंबाई 5.2 फीट है। उसके बांये हाथ पर "ए.के.पटेल" गुदा हुआ है। पुलिस मृतक की पहचान करने और उसके वारिसों की तलाश में जुटी है।

सार-समाचार

वरिष्ठ कंपाउंडर भरत सिंह सम्मानित

जयपुर। जयपुर जिला प्रशासन की ओर से 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चौगान स्टेडियम में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह में राजस्थान विधानसभा के आयुर्वेद चिकित्सालय में कार्यरत वरिष्ठ कंपाउंडर भरत सिंह बांगर को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भरत सिंह बांगर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। आयुर्वेद विभाग की ओर से किए जा रहे कार्यों में योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। सम्मान मिलने पर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भरत सिंह बांगर को बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना की।

डॉ. लीलाधर की पुस्तकें जूली को भेंट

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व उप निदेशक और लेखक डॉ. लीलाधर दोचानिया ने विपक्ष के नेता टीकाराम जूली और मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन से मुलाकात कर अपनी काव्य पुस्तक जिंदगी मुस्कुराते रहे और कहानी संग्रह मिट्टी की कीमत भेंट की। डॉ लीलाधर ने इस अवसर पर अपनी पुस्तकों और लेखन कार्य से भी अवगत कराया।

प्रो. सरीना कालिया बनी प्राचार्या

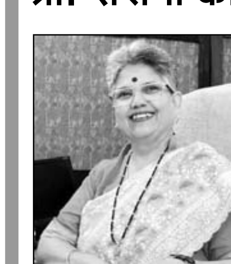

जयपुर। सुप्रसिद्ध शिक्षाविद प्रोफेसर सरीना कालिया ने महाराजा कॉलेज के 58वें प्रधानाचार्य के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया है। प्रदेश के 182 साल पुराने प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी महाराजा कॉलेज को पहली बार एक महिला प्रधानाचार्य मिली है। यह भी एक संयोग है की 58 वर्षीय प्रोफ़ेसर कालिया ने 58 वीं प्रधानाचार्य के रूप में अपना कार्यभार संभाला है। कॉलेज के संस्थापक प्रथम प्रधानाचार्य पंडित श्योदीन से शुरू होकर आज तक कुल 57 प्रधानाचार्य रहे हैं, लेकिन प्रोफेसर कालिया पहली ऐसी महिला हैं जिन्होंने इस प्रतिष्ठित संस्थान का नेतृत्व संभाला है। प्रोफेसर सरीना कालिया कई वर्षों से महाराजा और महारानी कॉलेज से जुडी रही हैं और छात्रों में बेहद लोकप्रिय हैं। वे महाराजा व महारानी कॉलेज की उप-प्रधानाचार्या रह चुकी हैं और अपने उप-प्रधानाचार्यकाल में भूगोल की शिक्षा, कॉलेज प्रशासन में योगदान तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार संरक्षण के लिए सराही जा चुकी हैं। साथ ही दो बार अधिष्ठाता छात्र कल्याण का पदभार भी संभाल चुकी हैं। छात्र संगठन और शिक्षक समुदाय दोनों उनकी कार्यशैली व समर्पण की सराहना करते रहे हैं।

डॉ. हर्ष मिश्रा को "कोहिनूर अवार्ड"

जयपुर। स्वराज भारत 24 द्वारा राजस्थान कोहिनूर अवॉर्ड-2026 सम्मान समारोह का भव्य आयोजन साइंस पार्क ऑडिटोरियम जयपुर में किया गया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। चिकित्सा एवं पोषण के क्षेत्र में वर्ष 2026 के लिए डॉ. हर्ष मिश्रा (आहार एवं पोषण विशेषज्ञ) को उनके द्वारा बनाए गए कैंसर रोगियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए विशेष पोषण कार्यक्रम कीमोथेरेपी एवं रेडियोथेरेपी के दौरान कैंसर रोगियों में पोषण चिकित्सा के लिए राजस्थान कोहिनूर अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान हवामहल विधायक आचार्य बालमुकुंद आचार्य, निहाल डांगायच, नवनीत एवं सुभाष शर्मा ने प्रदान किया।

ठेकेदार व नगर निगम आयुक्त तलब

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के गलताजी मंदिर स्थित वाहन पार्किंग में दुपहिया वाहन के लिए तय राशि से अधिक राशि लेने और वाहन का नुकसान करने पर अजमेर की उपभोक्ता अदालत ने पार्किंग ठेकेदार और नगर निगम आयुक्त को जवाब सहित तलब किया। ज्ञात रहे कि अजमेर के तोपदडा निवासी यश अग्रवाल ने कंज्यूमर कोर्ट में वाद पेश कर बताया कि वह कुछ दिन पूर्व अपनी मोटरसाइकिल से जयपुर गलताजी मंदिर दर्शन के लिए गया था। मंदिर परिसर के बाहर निगम की पार्किंग में ठेकेदार ने 20 पार्किंग शुल्क की मांग की, जिसका भुगतान कर रसीद जारी की गई। रसीद देखने पर वादी ने पाया कि रसीद पर 3 से 12 घंटे के 10 पार्किंग शुल्क अंकित था। यश ने पार्किंग कमी से 10 लौटने का आग्रह किया जिस पर वह अभद्रता करते हुए हाथापाई पर उतारू हो गया। इससे व्यथित होकर यश ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश किया। जहां आरंभिक सुनवाई के बाद प्रकरण दर्ज कर निगम आयुक्त और पार्किंग ठेकेदार को जवाब सहित तलब किया है प्रकरण में अगली सुनवाई 28 सितम्बर को है।

कॉन्फ्रेंस में जुटे इस्लामिक स्कॉलर

जयपुर। रामगंज चौपड़ पर मिलाद कॉन्फ्रेंस के साथ बुधवार को ईद मिलादुन्नबी कार्यक्रमों का आगाज हुआ। वाहिद मेमोरियल वेलफेयर एंड रिलीफ सोसायटी और सुन्नी दावते इस्लामी जयपुर की ओर से आयोजित मिलाद कॉन्फ्रेंस में खानकाह-ए-बरकातिया माहरेहरा से सैय्यद अमान मियां बरकाती, सैय्यद अमीनुल कादरी, मालेगांव से मौलाना सैय्यद मुहम्मद कादरी सहित शहर के उलेमा और इस्लामी स्कॉलर्स ने संबोधित किया। कार्यक्रम संयोजक नायाब खान एवं हाजी हसीन अहमद ने बताया कि हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जिंदगी और उनके संदेशों से लोगों को अवगत कराने के उद्देश्य से 1501वां जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जा रहा है।

102 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, 142 नमूने लिए

खाद्य सुरक्षा दलों ने बुधवार को प्रदेश में छापेमार कार्रवाई कर नमूने लिए।

जयपुर (कासं)। खाद्य सुरक्षा दल ने प्रदेशभर में 102 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और जांच के लिए 142 नमूने लिए। इनमें 92 एनफोर्समेंट तथा 50 सर्विलांस नमूने शामिल हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य केंद्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने दी है।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रथम दृष्टया अमानक, बासी एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाए गए 893 किलोग्राम से अधिक खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवाया गया। साथ ही खाद्य सुरक्षा मानकों में लापरवाही पाए जाने पर 9 खाद्य कारोबारियों को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किए गए।

- **आगामी त्यौहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा दल की कार्रवाई, 9 खाद्य कारोबारियों को नोटिस जारी**

खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि जयपुर टीम ने बजाज नगर स्थित हनुमान मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी, सिंधी कैंप स्थित होटल जय मंगल पैलेस से पनीर तथा एम.बी. स्वीट्स से गुलाब जामुन के नमूने लिए। वहीं जयपुर द्वितीय की टीम ने आगरा रोड, बगराना स्थित बिना फूड लाइसेंस संचालित मिठाई कारखाने पर कार्रवाई करते हुए करीब 300 किलो सोनपपड़ी नष्ट करवाई। इसी प्रकार सिरोही के पिंडवाड़ा में भाग्य लक्ष्मी फर्म से काजू कतली एवं घी तथा जोधपुर मिष्ठान भंडार से सोनपपड़ी और फर्म सोना की मिष्ठान से दही-लस्सी के नमूने लेकर जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए। टोंक जिले में डिग्गी मेले एवं विभाग द्वारा चलाए जा रहे त्योहारी सीजन अभियान के तहत चौसला एवं डिग्गी नुक्कड़ पर दो प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इस दौरान 11 लीटर एक्सपायर्ड रिफाइंड पाम ऑयल नष्ट करवाया गया। खैरथल-तिजारा में विजय डेयरी, सखी डेयरी, भगत जी मिष्ठान भंडार एवं जाहिद डेयरी सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों से कलाकंद, देसी घी, मिश्रित दूध, बर्फी एवं मावा के नमूने लिए गए।

Daffodil Day

Daffodil Day is a special occasion celebrated on 20 August to spread hope, kindness, and awareness about cancer. On this day, people wear or buy daffodils to show support for cancer patients, survivors, and their families. The bright yellow daffodil symbolizes strength, courage, and new beginnings. Many schools, organizations, and communities organize fundraising events to support cancer research and patient care. Volunteers work hard to raise awareness and encourage people to contribute to this noble cause. Daffodil Day reminds us that even small acts of generosity can make a big difference in the lives of those facing cancer.

#SUDHA MURTY

The Postcard That Changed a Career

While walking past a notice board advertising engineering opportunities, she noticed a discriminatory condition: Ladies need not apply…

"Ladies need not apply?"
When Sudha Murthy's Postcard to J R D Tata Broke the Glass Ceilings For Women

In 1974, a young engineering student at Indian Institute of Science, Bangalore encountered a moment that would later become one of the most widely told stories of determination and quiet defiance in Indian professional history. While walking past a notice board advertising engineering opportunities, she noticed a discriminatory condition: Ladies need not apply.

That student was Sudha Murty. According to widely recounted accounts of the incident, she was deeply disturbed by the exclusion. The message was not just a job advertisement, it reflected a broader barrier that women engineers routinely faced at the time. Rather than accepting it silently, she chose to respond.

Instead of applying for the position, Sudha Murty wrote a postcard addressed to the higher authorities of the company but she felt that she didn't know who headed the company. But she knew the face of the parent organization. So, she wrote in his name. She asked one simple question: How can a pioneering company discriminate on gender basis? She objected to the discriminatory nature of the advertisement, expressing her frustration that qualified women engineers were being explicitly excluded. It was a simple act, just a postcard, but it carried a powerful challenge to institutional bias.

The message eventually reached the leadership of the Tata group, one of India's most respected industrial houses known for its longstanding philanthropic values and ethical business practices, the Tata Group. At the time, the company was already known for its progressive outlook in several areas, though gender inclusion in technical roles was still limited.

According to the same account, within about ten days of sending the postcard, Sudha Murty received a response inviting her for an interview at a different Tata facility. She attended the interview, answered all the questions and was subsequently selected, becoming one of the first, if not the first, female engineers to work in the organization's engineering division, then associated with Tata Engineering and Locomotive Company (TELCO), now known as Tata Motors.

What makes this episode significant is not only the outcome but the simplicity of the action that triggered it. A postcard challenged a systemic assumption and opened a door that had been closed to many before. It became an early example of how individual voices, even when small and informal, can influence institutional change.

Today, this story is often remembered as a symbol of persistence, courage, and the importance of questioning unjust norms. It also reflects a transitional moment in Indian industry, when traditional barriers began to give way to more inclusive practices, shaped by both individual conviction and visionary leadership.

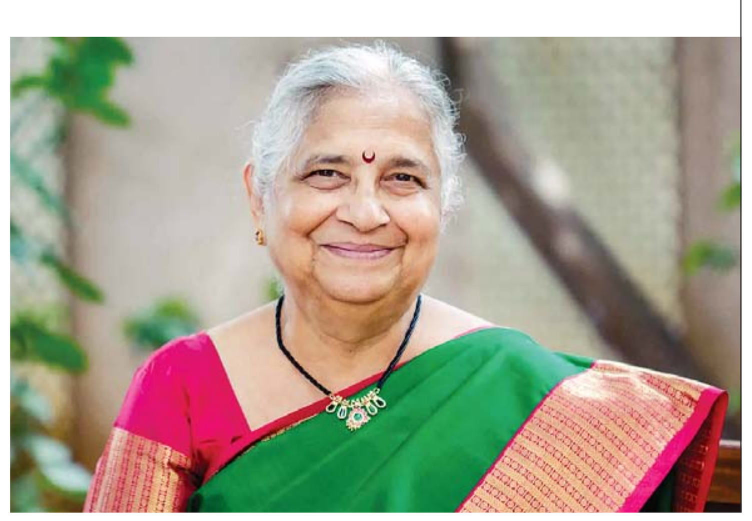

Most of these early women on record were courtesans, acutely aware of the precarity of traditional male patronage. They adopted recording technology since it came with the promise of new audiences, wider markets, stardom and freedom. It was an astute move, taken at a time when nationalist fervour was increasingly casting a stigma on their profession. "By disembodying music from its physical source, the technology could uncouple their music and their persona and thereby could make the music of these morally 'suspected' women 'safe' for mass consumption, the artist and the audience both would remain physically invisible to each other."

Kotha To The Gramophone

Jankibai.

The book cover of 'Jalsa: Indian Women and their Journeys from the Salon to the Studio.'

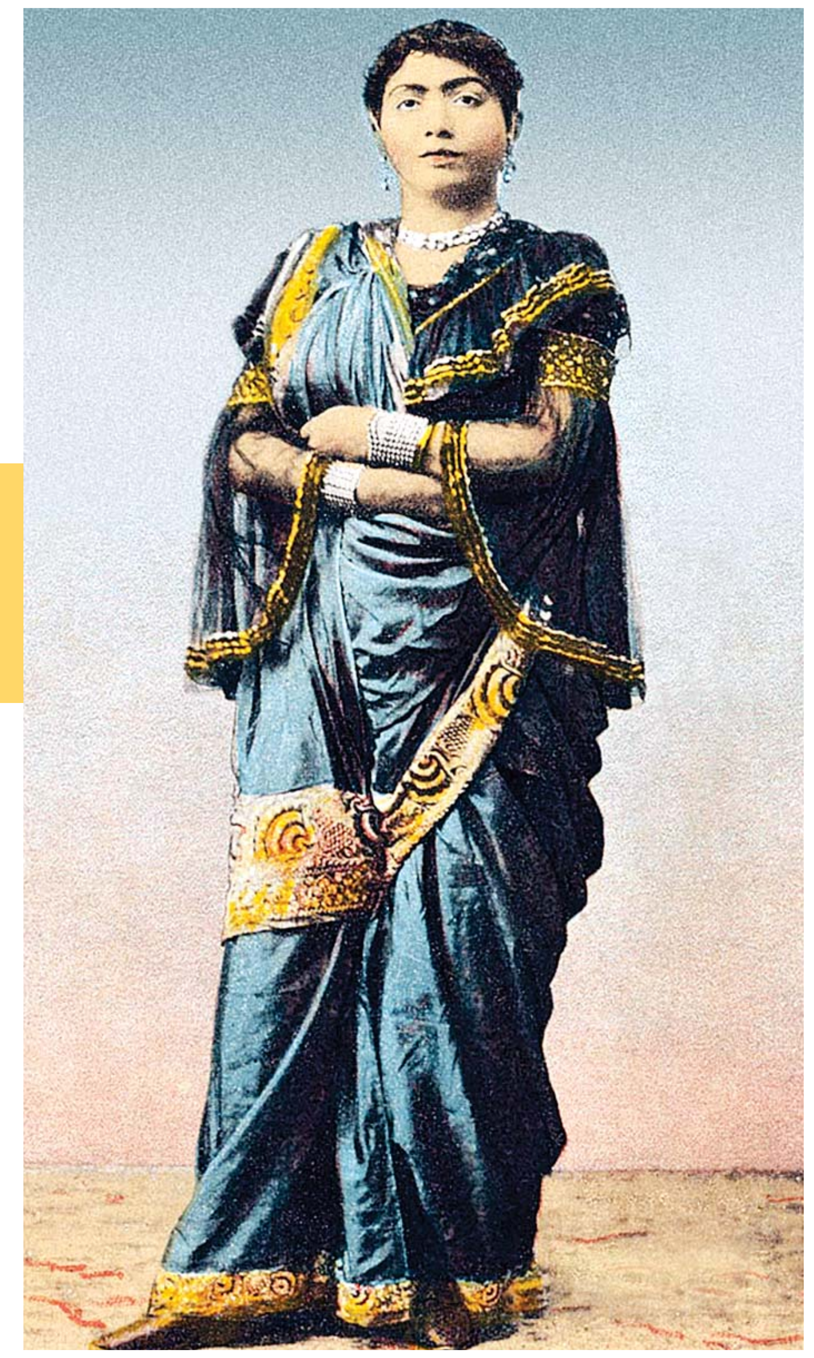

Gauhar Jaana.

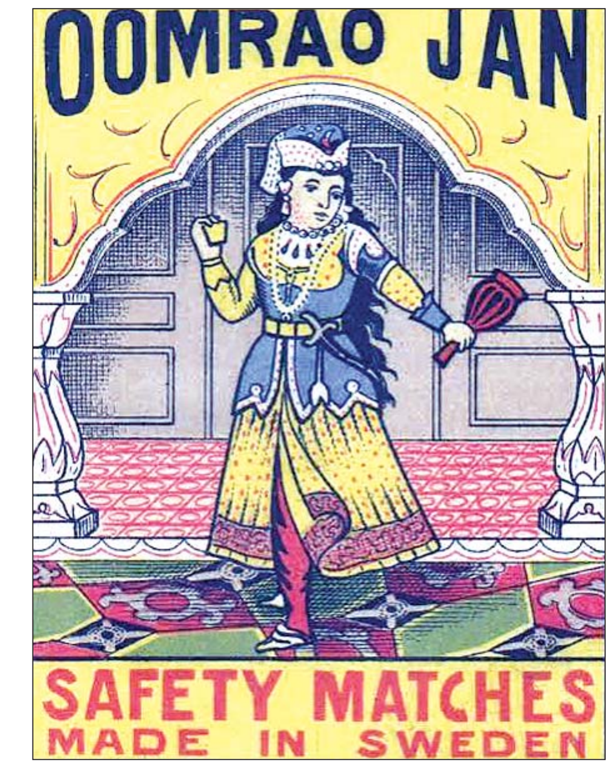

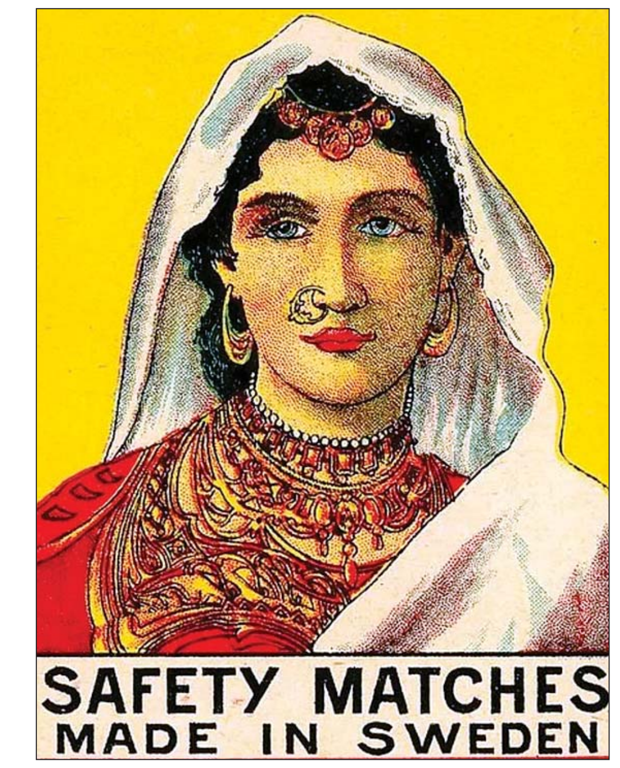

Gauhar Jaan was one of the biggest stars of the 78 RPM era.

● Bulbul Joshi

The invention of gramophone and cylinder records by Thomas Alva Edison in 1877 marked the dawn of a new era in the world of music. In 1898, Emile Berliner introduced the flat discs for recording. Initially, all recordings were done through voice horns which were replaced by electrical carbon microphones in 1925. Then came the magnetic tape, followed by vinyl discs 45 rpm and 331/3 rpm turning the old 78 rpm shellac records into antique pieces.

The first recording of Indian voice was done in 1899 by F.W. Gaisberg in the Gramophone Company's studios at London. The old catalogue mentions the names of singers as Dr. Harnamdas, Capt. Bholanath, Hazrat and Ahmed, then living in London. They sang or recited in Persian, Hindi and Urdu but, unfortunately, none of these records have been traced so far. Considering the great potential of this industry in India, the Gramophone Company set up its office in Calcutta in 1901. Within a year or so, its leading technical expert F.W. Gaisberg landed in Calcutta with his recording team.

Rasoolan Bai.

In the glorious journey of the musical history of India, the women performers of North India played a pivotal role always. In the era of the Gramophone, the scenario of the musical field was changed by technology. Tawaif, the women performer community, was introduced once again and they became the singing sensation of the Gramophone Era. Vidya Shah recalls feeling vaguely insulted by the words accompanying a gift she received right after a concert in the spring of 2008. An elderly audience member had walked up to the Hindustani vocalist and handed her two mixtapes with the words: "Yeh suno, yeh hai asli gana" (listen to this, this is real music).

The inlay card, however, did something to assuage her pique. On it were names of women singers from the earliest 78 RPM era, of whom she knew only two, the ageless Mallika Pukhraj and the star Gauhar Jaan. But who were Kitijaan, Umda Jaan, Kajjanbai or Kamala Jharia?

"The quality of the sound on the tape was really bad, but I was very taken by the familiarity of some of the music," recalled Shah. "I knew many of the bandishes and ghazals. But there were many I didn't know either. What was I to make of the boldness of some of the lyrics? For example, the ghazal *Tum ek bosa karo inayat* (bestow upon me a kiss) by Bai Sunderabai. Who were these women? Who were their ustads? Where did they come from? How did they navigate the hierarchies of gender and status? And what kind of agency did the first recorded musicians have?"

Her curiosity sparked a decade-long quest that opened up a new world for her and for music lovers: the world of fabulously talented women musicians of the early 20th century who fearlessly embraced the unfamiliar realm of recorded music even as ustads and pandits debated whether this new technology was black magic or a vulgar threat to their high art.

Most of these early women on record were courtesans, acutely aware of the precarity of traditional male patronage. They adopted recording technology since it came with the promise of new audiences, wider markets, stardom and freedom. It was an astute move, taken at a time when nationalist fervour was increasingly casting a stigma on their profession.

"By disembodying music from its physical source, the technology could uncouple their music and their persona and thereby could make the music of these morally 'suspected' women 'safe' for mass consumption, the artist and the audience both would remain physically invisible to each other," writes researcher Dipannita Dutta in the paper *Mechanics, Melody and Matrix: Mettle Takes It All.* The new auditory phenomena radicalised not just the patronage but also content, form of presentation and reception of music, she adds.

> In the glorious journey of the musical history of India, the women performers of North India played a pivotal role always. In the era of the Gramophone, the scenario of the musical field was changed by technology. Tawaif, the women performer community, was introduced once again and they became the singing sensation of the Gramophone Era.

As collectibles of the era show, these blockbuster records did more than confer respectability, they turned these women into celebrities, their pictures appearing not only on record sleeves but even on matchbox covers in faraway Sweden and Austria. Another thing recording did for them was open pathways into theatre and cinema as singers, actors and producers.

Shah's research project, titled *Women On Record*, eventually yielded the book *Jalsa: Indian Women and their Journeys from the Salon to the Studio*, a traveling music show and an accompanying collection of art curated by her husband, photographer and filmmaker Parthiv Shah. The project documented the stories of entrepreneurial courtesans, early moguls of the indigenous recording industry, and the interface between the two.

The women in Jalsa had arresting life stories, tales of exploitation, poverty and humiliation, but also of amazing triumphs. There was Indubala, who came from a family of circus performers and dreamt of a career in nursing, but instead rose to recording stardom. There was Janki Bai, whose popularity was marred by violence, but whose new record releases drew traffic jams on market streets. And there was Rasoolan Bai, who, despite her undisputed talent, died in penury.

This year marks 15 years of Shah's work, which will be celebrated with a Women on Record event and the release of a second book. Over this period, the lives and times of these courtesans have become the subject of numerous books and research papers. Many contemporary performers have drawn inspiration from them, recreating their dramatic lives through dance and musicals, even weaving their stories into heritage tourism campaigns. Kotha, mujra and tawaif are now cool cultural buzzwords.

"But I find that some of the real stories are now lost in the retelling," said Shah. "You have to set their context, so that they are not reduced to cliches. For instance, sing 'Rangi sari gulabi' from their repertoire by all means, but also make sure you explain to the audience where it came from."

#ASLI GANA

Melawa (Melba) Devi from Nepal.

Miss Kamala (Jharia).

Indubala Sings.

Angurbala Devi.

Natural fit

They came by many names, gaanewali, tawaif, public women, kothewali, domni, nautch girls, among them.

Today, there is extensive scholarship on the public women of the colonial era and the undervalued cultural traditions they left behind. This includes Saba Dewan's acclaimed documentary *The Other Song* and book *Tawaifnama* and Vikram Sampath's biographies of Gauhar Jaan and Bangalore Rathnamma. There is also considerable research on nautch girls, their communities, their place in elite courts, salons and streets, and the epic lives of figures like Umrao Jaan and Binodini Das. But when Shah began, little was known about how their voices came to be etched into the hard grooves of music records.

What was available was discographer Michael Kinnear's painstakingly collated online archive of early recordings (Bajakhan), Suresh Chandvankar's collection at the Society of Indian Record Collectors, and Amlan Dasgupta's scholarship. Saleem Kidwai's knowledge of Lucknow and its arts also served as a source, as did media anthropologist Steve Huges and arts writer S. Kalidas.

> Shah's research, covering the early 20th century to the independence years, took her to big courtesan hubs such as Patna, Lucknow, Kanpur, Benares and Kolkata. On her trips, she explored the collections and stately homes of former patrons, interviewed researchers who delved into the lives of local bais...

Shah's research, covering the early 20th century to the independence years, took her to big courtesan hubs such as Patna, Lucknow, Kanpur, Benares and Kolkata. On her trips, she explored the collections and stately homes of former patrons, interviewed researchers who delved into the lives of local bais, and consulted private collectors of manuscripts, monographs and artworks on music and dance.

"The families living in the baris of the erstwhile zamindar clans did not want to speak of their association with the courtesans," Shah remembered. "They consider it a taboo topic. But you could see the history on the walls of their salons and jalsaghars where there were handpainted portraits of the legends, from Hirabai Barodekar, Gangubai Hangal, and Gauhar Jaan to Bhatkhande and Faiyaz Khan."

From these homes to the recording rooms of the 1910s, till the studios arrived, these were in hotels and makeshift spaces, it was a long journey for the baijis. Early chapters of Shah's book capture a frenetic era of technological transition when recording entrepreneurs and amateurs crisscrossed India in search of musical styles and voices that would land them the next big hit. Among the experts was American sound engineer Fred Gaisberg, whose first recording featured two teenage nautch girls, Soshi Mukhi and Fani Bala, whom he later described as having "miserable voices." But soon after, he discovered the supremely talented and flamboyant Gauhar Jaan, who, according to Jalsa, went on to record nearly 400 songs in 20 languages. There are many reasons why courtesan artistes embraced the recording industry so naturally and why the industry sought them out eagerly too. Early recording machines, Shah writes, were more suitable to women's voices, so much so that the few men who recorded, such as Peara Saheb, had to mimic women to be heard.

Equally importantly, unlike male singers who could afford to be high-nosed about their art, the bais and jaans understood the open market and its insecurities. For all the stardust around them, they remained on society's periphery, their music labelled "entertainment" and sexualised. What the recording industry did was free them from this ignominy by removing their physical presence from the music and taking their voices into middle-class homes and zenanas, where they were otherwise not welcome. "These stars seem to have been better known and more popular than any Hollywood or India's silent film stars of those days," Shah writes.

Transformative shift

What kind of music did these women bring to gramophones? Most of them had received formal taleem, though it was often not given generously and whole-heartedly, says Shah. "There was little information available, they were taught mostly by the sarangiyas," she said. "The ustads taught them bits and pieces. Kesarbai was an example of this. You rarely hear of them in association with a gharana, for instance. Some would not be taught, say the antara, and be left to figure it out on their own."

Despite this, they entered recording studios armed with a formidable repertoire, khayal, thumri, dadra, chaiti, saavan, hori and more. The non-khayal forms lent themselves more readily to the record, being shorter and livelier. Yet, some khayal specialists mastered the art of compressing expansive compositions into the three-minute format. Zohrabai Agrewali was considered the most adept at this skill.

At a more abstract level, the new format upended established ideas of creativity and the aural experience of Hindustani classical music. When performed live, this music was, and remains, ephemeral: a composition is rarely rendered the same way twice and a raag is seldom framed identically even by the same musician. Recorded music, by contrast, invited repeated savouring.

For aspiring musicians, this shift was transformative. "Their first lessons came engraved on the grooves of 78 RPM discs, and the attendance of live performances followed," writes Shah. Narayanrao Vyas famously quipped that he had thousands of students he had never met. As anti-nautch sentiment grew, finding institutional expression in the 1952 ban on tawaifs from AIR studios, many of these women made a shrewd transition from recording studios to theatre and cinema, where they found greater acceptance. Among them was the entrepreneurial Jaddan Bai, who moved from Varanasi to Bombay and built a career in films as an actor, singer, and producer. She also famously ran a salon that attracted leading intellectuals and promoted her daughter Nargis in Hindi cinema. With nationalism at its peak, many made sure to record their own versions of "Vande Mataram," Mogubai Kurdikar's in raga Khambavati was one and Siddheshwari Devi's was another. The women on record were nothing if not resiliently versatile.

rajeshsharma1049@gmail.com

Zoharbai.

THE WALL

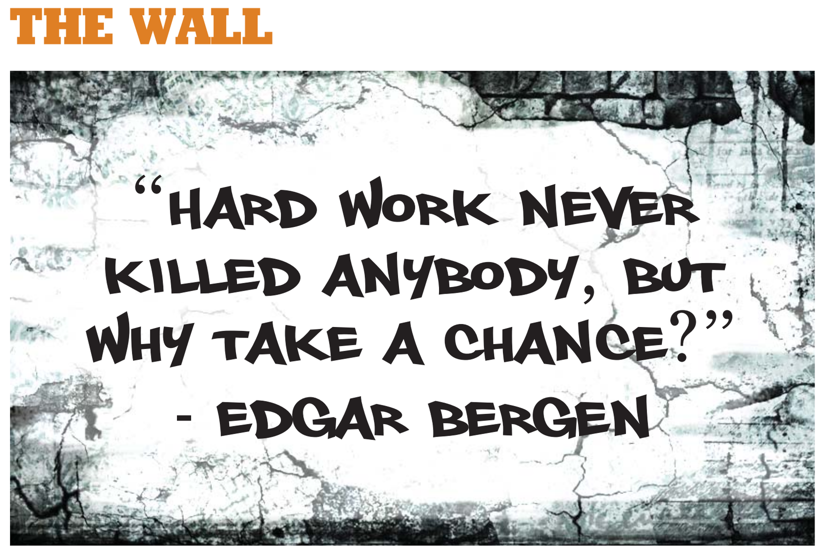

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

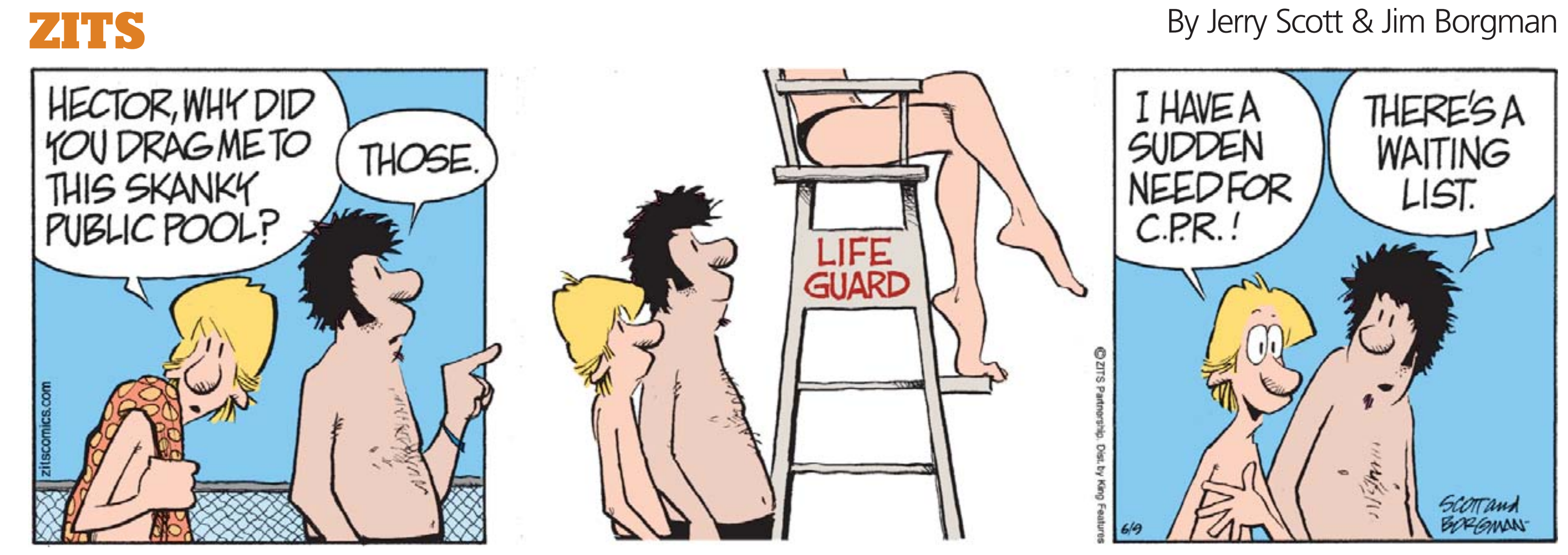

अलवर नगर निगम में 329 सफाई कर्मियों की भर्ती को लेकर विवाद बढ़ा

सफाई कर्मियों ने नियुक्ति पत्र देने की मांग की, नाराज अभ्यर्थियों ने धरना शुरू किया

अलवर, (निसं)। अलवर नगर निगम में 329 सफाई कर्मियों की भर्ती को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। नियुक्ति पत्र जारी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थियों ने बुधवार को नगर निगम के मुख्य गेट पर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने गेट पर ताला लगा दिया और निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गए और यातायात रोककर जाम लगा दिया। इससे मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही।

यह मामला पिछले कई दिनों से लगातार सुर्खियों में है। नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग को लेकर 12 अगस्त को वन राज्य मंत्री संजय शर्मा भी अभ्यर्थियों के समर्थन में धरने पर बैठे थे। करीब पांच घंटे चले धरने के बाद प्रशासन हरकत में आया और पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए, बाकी अभ्यर्थियों को भी जल्द नियुक्ति पत्र देने का भरोसा दिलाया गया था। इसके बाद अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि उनकी बाकी मांग जल्द पूरी हो जाएगी। 17 अगस्त को उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलवर कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने का आश्वासन भी दिया गया था। अभ्यर्थियों का कहना था कि लंबे समय से चल रही प्रक्रिया का इसी कार्यक्रम में समाधान हो जाएगा। हालांकि कार्यक्रम में भी बाकी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नहीं मिले।

इसके बाद अभ्यर्थियों का गुस्सा और बढ़ गया। बुधवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अलवर नगर निगम पहुंचे और मुख्य गेट के बाहर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पहले निगम का मुख्य गेट बंद किया और फिर उस पर ताला लगा दिया। कुछ देर बाद उन्होंने सड़क पर भी जाम लगा दिया। इससे निगम आने-जाने वाले लोगों के साथ वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद उन्हें नियुक्ति पत्र के लिए बार-बार आश्वासन दिया जा रहा है। उनका आरोप है कि पांच लोगों को नियुक्ति पत्र देकर बाकी अभ्यर्थियों को फिर इंतजार करने के लिए छोड़ दिया गया। ऐसे में अब वे लिखित और स्पष्ट रूप से सभी 329 पदों पर नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक सभी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नहीं दिए जाते, उनका आंदोलन जारी रहेगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं और अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। मामले को लेकर निगम प्रशासन और अभ्यर्थियों के बीच गतिरोध बना हुआ है।

प्रदर्शनकारियों ने निगम गेट पर ताला लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

- प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक सभी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नहीं दिए जाते, उनका आंदोलन जारी रहेगा

मोटे मुनाफे का लालच देकर जोधपुर में महिला से तीन करोड़ की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के शास्त्रीनगर सी सेक्टर में रहने वाली एक महिला को कुछ लोगों ने इंवेस्टमेंट के नाम पर 3.05 करोड़ की ठगी कर ली गई। पीड़िता ने एक परिवार के कुछ लोगों को नामजद कर खांडाफलसा थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

पुलिस ने बताया कि शास्त्रीनगर सी सेक्टर निवासी आशा उत्तम चंदानी पत्नी नरेंद्र उत्तम चंदानी ने रिपोर्ट दी।

इसमें बताया कि जालोरी गेट सर्किल के नजदीक शुभद्रा रंगा, रिषभ रंगा और आनंदीलाल रंगा आदि ने मिलकर उससे वर्ष 2022 में इंवेस्टमेंट करने की बात कहते हुए बड़े मुनाफे का प्रलोभन दिया था। पीड़िता का आरोप है कि उसने उक्त लोगों को 3.05 करोड़ रूपए दिए थे। मगर उन्होंने ना तो मुनाफा दिलाया और ना ही अब दी गई रकम को लौटा रहे हैं। खांडाफलसा पुलिस ने मामले में अब जांच आरंभ की है। पीड़िता की तरफ से रकम पिछले चार साल से इंवेस्ट की जा रही थी।

- पीड़िता ने एक परिवार के कुछ लोगों को नामजद कर धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया

तीस किलो डोडा-पोस्त जब्त, दो जने गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की माता का थान और झंवर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी पर अंकुश लगाते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के पास से पुलिस ने 30 किलो से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। वहीं पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरु कर दिया है।

माता का थान पुलिस थानाधिकारी अनिल कुमार यादव ने थाना क्षेत्र में आई आसापुरा दाल-बाटी में रेड दी। दुकान में 1 किलो 282 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। किराए की दुकान चलाने वाले दुकानदार मूलत: भोपालगढ़ के देवातड़ा स्थित देवी सागर निवासी रूपाराम पुत्र गोकुलराम को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया। इसी तरह झंवर थाने के एसआई देवाराम ने दड़ी की ढाणी जोलियाली निवासी दिनेश पुत्र राणाराम के पास से 29 किलो 660 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया। दोनों मामलों में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

- दाल-बाटी की दुकान में मिला अवैध डोडा-पोस्त

मंडोर खुला बंदी शिविर से बंदी फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर स्थित खुला बंदी शिविर से एक बंदी फरार हो गया। गिनती किए जाने पर बंदी नहीं मिला। इस पर उसकी फरारी का केस प्रहरी की तरफ से मंडोर थाने में दर्ज कराया गया। पुलिस अब बंदी की तलाश में जुटी है। मंडोर पुलिस ने बताया कि खुला बंदी शिविर के प्रहरी हापूराम की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि मंगलवार की शाम को खुला बंदी शिविर में एक बंदी कोलाराम गरासिया नहीं मिला। बंदियों की गणना किए जाने पर वह गायब मिला। उसकी तलाश की गई, मगर वह नजर नहीं आया। प्रहरी हापूराम ने अब पाली जिले के बाली स्थित पीपला सेवरी निवासी कोलाराम पुत्र बदाराम गरासिया के खिलाफ फरारी का केस दर्ज कराया है।

सांवलिया सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंटकक्ष से 35.66 करोड़ की आमद

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 11 अगस्त को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव की उपस्थिति में छठे चरण में संपन्न हुई।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि बुधवार को संपन्न हुई छठे चरण की गिनती से 25 लाख 12 हजार 247 रुपए की नगद प्राप्ति हुई। इसे पूर्व पांच चरणों में हुई भंडार गिनती से 27 करोड़ 64 लाख 42 हजार 100 रुपए नगद प्राप्त हुए थे। छह चरणों को मिलाकर भंडार से 27 करोड़ 89 लाख 54 हजार 347 रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। मंदिर अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन व मनी ऑर्डर भेज कर एवं स्वयं उपस्थित होकर 07 करोड़ 77 लाख 10 हजार 81 रुपए भेंट स्वरूप जमा किए। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि भंडार से निकले सोने-चांदी एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल भी किया गया, जिसमें भंडार एवं भेंटकक्ष से एक किलो 38 ग्राम 300 मिलीग्राम सोना एवं 133 किलो 653 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप प्राप्त हुई। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह में भंडार एवं भेंटकक्ष से 35 करोड़ 66 लाख 64 हजार 428 रुपए की कुल आमद हुई।

भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, मिट्ठू लाल जाट, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, कालूलाल तेली, मनोहर लाल शर्मा, बिहारी लाल गुर्जर, भेरूलाल गुर्जर, उदय नाथ, श्रवण शर्मा, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर के चुनिंदा कर्मचारी एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

- 133 किलो चांदी व एक किलो सोना भी प्राप्त हुआ

सड़क हादसे में कांग्रेस की पूर्व महिला पार्षद की मौत

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में सड़क हादसे में कांग्रेस की पूर्व पार्षद रेणु नरवाला (45) की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पूर्व पार्षद रेणु स्कूटी पर अपने पति के साथ बुधवार को खड़े गणेशजी मंदिर के दर्शन करने जा रही थी कि तभी हादसा हो गया।

मामले में सामने आया कि स्कूटी से जाते समय जवाहर नगर फ्लाईओवर के नीचे बालाजी के मंदिर के समीप सड़क किनारे चल रही महिला स्कूटी से टकराई जिससे स्कूटी असंतुलित होने से स्कूटी सवार दंपती सड़क पर गिर गये और महिला पूर्व पार्षद रेणु डंपर की चपेट में आ गई। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से महिला को एमबीएस अस्पताल के लिये रैफर किया गया, एमबीएस अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद पूर्व पार्षद को मृत घोषित कर दिया। दादाबाड़ी थाने के एएसआई घासीलाल ने बताया कि स्कूटी सवार दंपति नयापुरा से खड़े गणेश मंदिर दर्शन के लिये जाने के लिये निकले थे, फ्लाईओवर के नीचे बालाजी के मंदिर के समीप स्कूटी असंतुलित होने से स्कूटी सवार सड़क पर गिर गये और स्कूटी पर पीछे बैठी महिला पूर्व पार्षद नयापुरा निवासी रेणु की पीछे से आ रहे डंपर की चपेट में आने से मौत हो गई जबकि उसका पति धनराज घायल हो गए।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के करीब एक साल पुराने मामले में पॉक्सो क्रम-1 न्यायालय की विशिष्ट न्यायाधीश ने पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही 27 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक सीताराम मुराडिया ने बताया कि 21 जुलाई 2025 को पीड़िता के पिता ने थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट में कहा उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी लापता है उसको शक है कि परिचित युवक जून 2025 में घर पर आया और उसकी पत्नी से 10 हजार रूपये छीनकर वह उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पुलिस ने पीड़ित के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया, पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए नाबालिग को कोटा के बाहर से आरोपी के पास से दस्तयाब किया। मामले में अनुसंधान के दौरान दुष्कर्म का मामला सामने आने पर पुलिस ने दुष्कर्म की धारा सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया।

4.30 करोड़ की अफीम पकड़ी, तस्कर फरार

ब्यावर, (निसं)। ब्यावर में मादक एवं नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान में एएनटीएफ पाली टीम की सूचना पर एएनटीएफ टीम और ब्यावर जिला पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 85 किलो से अधिक अवैध अफीम की खेप पकड़ी है। तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो गाड़ी को भी जब्त किया गया है जबकि तस्कर अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, जिनकी तलाश जारी है। जब्त अफीम की कीमत करीब 4 करोड़ 30 लाख रुपए आंकी गई है। गाड़ी की तलाशी में छह फर्जी नंबर प्लेटें भी पाई गई, जिनको भी जब्त किया गया। फर्जी नंबर प्लेट से पुलिस को गुमराह करने की योजना थी।

जाकनारी के अनुसार 17 अगस्त को एएनटीएफ पाली के कांस्टेबल दिनेश ढाका ने थाना अधिकारी जैतारण धोलाराम को विश्वसनीय सूचना दी कि एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम की तस्करी कर माल लेकर तस्कर बर से जैतारण की तरफ जा रहे हैं। एएनटीएफ की टीम उसका पीछा कर रही है। पुलिस थाना जैतारण से टीम रवाना होकर सूचना अनुसार गांव खिनावड़ी सरहद पर पहुंचे। खिनावड़ी से फुलमाल ग्रेवल सड़क पर गोचर भूमि में उक्त स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी थी। एनटीएफ टीम के सदस्य पास में निगरानी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एएनटीएफ टीम ने नाकाबंदी और निगरानी के दौरान गाड़ी नहीं रोकने पर स्टॉप स्टिक से गाड़ी के टायर बस्ट कर दिए, मगर तस्कर फिर भी गाड़ी करीब 10 किलोमीटर भगा ले गए। पीछा कर तुरंत गाड़ी को पकड़ा अन्यथा टायर बदल कर भागने वाले थे। गाड़ी में दो व्यक्ति थे जो अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। थानाधिकारी द्वारा स्कॉर्पियो गाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी में आठ प्लास्टिक के कट्टे और एक थैला मिला जिसमें 85.380 किलो अवैध अफीम का दूध भरा हुआ पाया गया।

- एएनटीएफ और ब्यावर पुलिस ने 85 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त की
- जब्त स्कॉर्पियो गाड़ी की तलाशी में छह फर्जी नंबर प्लेटें भी पाई गई

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वालों को जेल

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके के सेंटर स्क्वायर मॉल में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कर तिरंगे को जलाने के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए बोरखेड़ा निवासी निशान्त सिंह नरूका एवं आकाशवाणी निवासी शुभम चावला को गिरफ्तार किया, पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गुमानपुरा थानाधिकारी सुनील कुमार सिसोदिया ने बताया कि गुमानपुरा थाने में व्यापारियों ने शिकायत दी थी कि 15 अगस्त की देर रात्रि को सेंटर स्क्वायर मॉल की लिफ्ट से दो जने आये और पहले तो उन्होंने लिफ्ट में लाईटर से कुछ जलाने का प्रयास किया। बाद में लाइटर से मॉल परिसर में लगे तिरंगे झंडे को आग लगा दी। मामले में सीसीटीवी फुटेज सामने आया। थानाधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की गई।

नकली सोने को असली बताकर ठगी करने वाली गैंग पकड़ी, पांच गिरफ्तार

- आरोपियों के कब्जे से 811 ग्राम नकली सोना, पांच मोबाइल, चार एटीएम कार्ड, तीन सिम कार्ड और दो मोटरसाइकिल बरामद

हिण्डौन सिटी, (निसं)। नकली सोने को असली बताकर भोले-भाले लोगों और महिलाओं से लाखों-करोड़ों रुपये की ठगी करने वाली गैंग का नई मंडी थाना पुलिस ने मंगलवार को पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धौलपुर, सवाईमाधोपुर और करौली जिले के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 811 ग्राम नकली सोना, पांच मोबाइल फोन, चार एटीएम कार्ड, तीन सिम कार्ड और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने बताया कि बरामद नकली सोने की कीमत करीब 1 करोड़ 15 लाख रुपये बताकर आरोपियों द्वारा लोगों से ठगी की जा सकती थी। गिरफ्तार आरोपियों में गैंग का मास्टरमाइंड धौलपुर जिले के बसई डांग थाना क्षेत्र के कुकपुर गांव निवासी लोकेंद्र गुर्जर, सूरौठ के धुरसी का पुरा निवासी प्रतिभान सिंह जाटव, सवाई माधोपुर के बामनवास थाना क्षेत्र के गंडाल गांव निवासी राम प्रसाद उर्फ बबलू बैरवा, बसई डांग थाना क्षेत्र के निभी गांव निवासी नरेश कुमार उर्फ बाबू बाल्मीकि और बाड़ी थाना क्षेत्र के गजपुरा निवासी राजू सिंह गुर्जर शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य गांव-देहात के इलाकों में घूमकर भोले-भाले लोगों और महिलाओं को अपने जाल में फंसाते थे। आरोपी नकली सोने को असली बताकर उसकी कीमत लाखों रुपये बताते और कम कीमत में देने का झांसा देकर लोगों से रकम ऐंठते थे। गिरोह सुनियोजित तरीके से पहले लोगों का विश्वास जीतता और फिर ठगी की वारदात को अंजाम देता था।

गैंग का पर्दाफाश करने में नई मंडी थाने के हेड कांस्टेबल राजेश कुमार की अहम भूमिका रही। थाना प्रभारी नरेश पोसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया। टीम में कांस्टेबल अशोक कुमार और धीरज भी शामिल रहे। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, ठगी के नेटवर्क और पूर्व में की गई वारदातों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

बदमाशों ने चलती कार पर पथराव किया

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र के देवल स्थित कांडुला मोड़ के पास अज्ञात बदमाशों ने चलती कार पर पथराव कर दिया। इस हमले में कार के शीशे टूट गए, हालांकि कार में सवार परिवार बाल-बाल बच गया।

डूंगरपुर शहर के हाउसिंग बोर्ड निवासी हेमेंद्र सिंह चौहान अपने बुआ के लड़के राजेंद्र सिंह गहलोत और उनकी पत्नी के साथ कानोड़-भींडर क्षेत्र में एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। देर रात करीब 1:15 बजे जब वे वापस डूंगरपुर लौट रहे थे, तभी कांडुला मोड़ के पास अज्ञात बदमाशों ने उनकी स्विफ्ट कार पर अचानक पत्थरबाजी शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में कार का विंडशील्ड और साइड ग्लास पूरी तरह से टूट गया। ड्राइवर ने खतरे को भांपते हुए कार की रफ्तार बढ़ाई और परिवार को सुरक्षित मौके से निकाल लिया। डूंगरपुर पहुंचकर पीड़ित परिवार ने राहत महसूस की।

गंगापुर में खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा गंगापुर क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान मैसर्स पूजा ट्रेडिंग कम्पनी, गंगापुर से नेताजी ब्रांड सरसों तेल एवं चाय पत्ती के नमूने लिए गए। वहीं मैसर्स कोठारी प्रोविजन स्टोर, गंगापुर से अंकुर ब्रांड आयोडाइज्ड नमक का नमूना लिया गया।

इसी क्रम में मैसर्स भैरूनाथ किराना स्टोर से लाल मिर्च पाउडर तथा मैसर्स शक्ति मसाला उद्योग, गंगापुर से भी लाल मिर्च पाउडर का नमूना लिया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव मौजूद रहे। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला अजमेर भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी प्रकार के मिलावटी अथवा अमानक खाद्य पदार्थों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

लापता व्यक्ति का शव मिला

जोधपुर, (निसं)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर का रहने वाला एक व्यक्ति सरदारपुरा एरिया से लापता हो गया। उसकी गुमशुदगी थाने में दर्ज हुई। मंगलवार की देर शाम को उसका शव मंडोर स्थित नागादड़ी में मिला। इस बारे में अब सरदारपुरा थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। दूसरी तरफ एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 14 निवासी 55 साल का श्याम परिहार पुत्र झूंझाराम सैन सरदारपुरा क्षेत्र से लापता होने पर गुमशुदगी परिजन की तरफ से दर्ज कराई गई थी। मंगलवार की शाम को सूचना मिली कि मंडोर स्थित नागादड़ी में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। इस पर बाद में परिजन ने उसकी पहचान की। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला हादसा लगा है। वह नागादड़ी में मछलियों को आटे की गोलियां डालने गया था। घटना को लेकर उसके पुत्र राजेश सैन की तरफ से मर्ग की रिपोर्ट दी गई। वहीं नागौरी गेट पुलिस ने बताया कि जटिया कॉलोनी में रहने वाले 43 साल के धर्मेंद्र ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। उसके साले हीरालाल ने नागौरी गेट थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी।

नोहर फीडर में पूरा सिंचाई पानी उपलब्ध कराने की मांग

नोहर, (निसं)। नोहर फीडर में पूरा सिंचाई पानी उपलब्ध कराने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। मांग को लेकर किसान रातभर उपखंड कार्यालय के समक्ष सड़क पर डटे रहे। किसानों ने खुले आसमान के नीचे सड़क पर ही रात गुजारी और वहीं भोजन किया। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से आंदोलनरत किसानों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। बुधवार सुबह से किसानों की सभा जारी रही। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ बड़ी संख्या में किसान उपखंड कार्यालय के समक्ष पड़ाव डालकर बैठे हैं।

किसानों का कहना है कि नोहर फीडर में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने से क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि पानी उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं दिया जा रहा है। सभा में किसान नेताओं ने कहा कि जब तक नोहर फीडर में पर्याप्त सिंचाई पानी उपलब्ध कराने का ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। किसानों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि वे इस बार बिना पानी लिए वापस नहीं लौटेंगे और आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। किसानों ने कहा कि यह केवल पानी की मांग नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों के अस्तित्व और उनकी फसलों का सवाल है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से नोहर फीडर में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराते हुए समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की। सभा को मंगेज चौधरी, राजेंद्र चाचाण, जिंद्रपाल गोदारा, गुरदीप सरदार, लालचंद सारस्वत, बलवीर सुथार, निहाल सिंह कड़वासरा, हरदत्त दड़या, वेगराज खोथ, सरजीत बेनीवाल, श्रवण तंवर, रिद्धकरण कस्वां, कपिलराज, विकास सहारण, राजपाल, जेपी पूनिया सहित अनेक किसान प्रतिनिधियों ने संबोधित किया। आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

- किसानों ने आरोप लगाया कि पानी उपलब्ध होने के बावजूद उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं दिया जा रहा है
- किसान रातभर उपखंड कार्यालय के समक्ष सड़क पर डटे रहे

पैदल जा रहे युवक पर क्रेन चढ़ी, मौत

पावटा, (निसं)। कस्बा स्थित टसकोला रोड पर बुधवार सुबह पेट्रोल पंप के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। यहां पर सड़क पर पैदल छाछ लेने जा रहे युवक पर पीछे से आ रही क्रेन चढ़ गई। घटना के बाद चालक क्रेन छोड़ मौके से भाग गया। मौके पर जमा लोग गंभीर घायल युवक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच की।

पुलिस के अनुसार हादसे में टसकोला निवासी गजानंद सिंह पुत्र गिरवर सिंह उम्र 42 की मौत हुई है। गजानंद सिंह टसकोला रोड पर बुधवार सुबह को भी पैदल जा रहा था, जहां टसकोला से पहले पेट्रोल पंप से चंद कदम दूरी पर पीछे से पावटा से टसकोला की तरफ जा रही एक क्रेन उस पर चढ़ गई। अचानक हुए हादसे के बाद मौके बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। इस पर सभी लोगों ने उसे उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया। वहां पहुंचने के कुछ समय बाद ही घायल ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके से क्रेन को जब्त कर लिया है। वहीं चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अलवर शहर के नालों में बहाया जा रहा केमिकल युक्त पानी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में केमिकल युक्त पानी के निस्तारण को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। हनुमान सर्किल के पास डंपिंग यार्ड क्षेत्र में रोजाना टैंकरों से केमिकल युक्त पानी नाले में बहाए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां गंदगी से भरे टैंकर भी खाली किए जा रहे हैं। नाले में केमिकल युक्त पानी डालते ही झाग बनने लगता है। इससे आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैलने के साथ लोगों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, टैंकरों से पानी नाले में डालने का सिलसिला नियमित रूप से चल रहा है। केमिकल युक्त पानी खुले नाले में पहुंचने के बाद आगे बहता हुआ अलवर के हंस सरोवर की ओर जा रहा है। ऐसे में दूषित पानी के जल स्रोत तक पहुंचने से उसके प्रदूषित होने की आशंका जताई जा रही है। इसका असर आसपास के पर्यावरण और भूजल पर भी पड़ सकता है।

लोगों का कहना है कि केमिकल युक्त पानी खुले में छोड़ने के बजाय उसका उचित तरीके से उपचार और निस्तारण किया जाना चाहिए। इसके लिए संबंधित कंपनियों और संस्थानों में ट्रीटमेंट प्लांट की व्यवस्था होना जरूरी है। इसके बावजूद शहर और एमआईए क्षेत्र की कई कंपनियों में केमिकल युक्त पानी के उपचार और निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आ रही है। आरोप है कि कुछ कंपनियों से निकलने वाले अपशिष्ट को टैंकरों में भरकर रात के समय नालों में डाल दिया जाता है। एमआईए क्षेत्र में भी रात के समय नालों में गंदा पानी छोड़े जाने की शिकायतें स्थानीय स्तर पर सामने आती रही हैं। इससे क्षेत्र में प्रदूषण का खतरा बढ़ रहा है। खुले नाले में केमिकल युक्त पानी बहने से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ भूजल और वातावरण पर भी असर पड़ सकता है।

ऐसे में लोगों ने प्रदूषण नियंत्रण विभाग से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि विभाग को मौके पर पहुंचकर टैंकरों की जांच करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि पानी कहां से लाया जा रहा है। इसके साथ ही एमआईए और शहर की संबंधित कंपनियों में ट्रीटमेंट प्लांट की स्थिति की भी जांच की जानी चाहिए। शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में प्रदूषण नियंत्रण विभाग के आरओ से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन पर बात नहीं हो सकी।

डंपिंग यार्ड क्षेत्र में टैंकरों से केमिकल युक्त पानी बहाया जा रहा है।

- केमिकल युक्त पानी खुले नाले में पहुंचने के बाद आगे बहता हुआ अलवर के हंस सरोवर की ओर जा रहा है
- दूषित पानी के जल स्रोत तक पहुंचने से उसके प्रदूषित होने की आशंका जताई

NAME CHANGE

I have change my name form Arpita Joshi to Arpita Sunil Joshi W/o Shree Abhay Pareek R/o 57- 58, Flat No 202, Siddhi Homes, Shiv Shakti Nagar, Golyawas, Mansarovar, Jaipur (Raj) -302020. In future I know and recognized by my new name.

खोया पाया

मेरी MBBS की मूल डिग्री सर्टिफिकेट कहीं खो गया है जो कि स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ द्वारा अनन्या पाण्डेय पुत्री श्री ओम प्रकाश पाण्डेय के नाम से जारी है जिसका एनरोलमेंट नम्बर 1204102000 जारी दिनांक18.06.2019 है कृपया मिलने पर सूचित करें 9457816502

मैं जसराम मीना पुत्र बजरंगलाल मीना, निवासी-143 बिलासपुर की ढाणी, नगर मार्ग धरा, विजयगढ़ रानीपुर टोंक राजस्थान 304024 मेरा HDFC बैंक का कलेक्शन ID कार्ड नं. 240317330300330 (समाप्तितिथि 28.02.2027) 18.08.2026 को सांगानेर रास्ते में कही गुम गया है। मिलने पर सूचित करें- 9414486199

किराना स्टोर से सरस घी के नमूने लिए, डिग्गी मेले के भंडारे का निरीक्षण किया

टोंक। चिकित्सा विभाग द्वारा आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाए जाने हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत शुद्ध आहार मिलावट पर वार में खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम द्वारा करते हुए चावडिया कस्बे में मैसर्स लालचंद किराना स्टोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान से सरस घी का नमूना लिया गया, जिसे नियमानुसार जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। साथ ही प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों की पूर्ति करने एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के लिए संचालक को आवश्यक हिदायत दी गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने चावडिया कस्बे में मैसर्स लालचंद किराना स्टोर का निरीक्षण किया ।

- त्योहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यवाही
- निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान से सरस घी का नमूना लिया गया, जिसे नियमानुसार जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। साथ ही प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों की पूर्ति करने के लिए कहा

इसी क्रम में डिग्गी मेले में आने वाले लाखों पदयात्रियों के लिए लगाए गए विशाल भंडारे में संचालित भोजनशाला का भी निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा भोजन तैयार करने की व्यवस्था, खाद्य सामग्री के रख-रखाव, स्वच्छता, साफ-सफाई एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का जायजा लिया गया। भंडारा संचालकों को भोजन तैयार करने एवं परोसने के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा खाद्य सामग्री को सुरक्षित एवं ढककर रखने के निर्देश दिए गए।

"NOTICE IS HEREBY GIVEN THAT APOORV GOEL, SON OF VIKASH GOEL RESIDING AT B-801, MAHIMA PANACHE, RAVINDRA NAGARA, JAGATPURA, JAIPUR, RAJASTHAN 302033, IS APPLYING TO THE SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS FOR NATURALIZATION AND THAT ANY PERSON WHO KNOWS ANY REASON WHY NATURALIZATION SHOULD NOT BE GRANTED SHOULD SEND A WRITTEN SIGNED STATEMENT OF THE FACTS TO THE SAID SECRETARY."

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं महेश चन्द दायमा S/o मुखराम दायमा मेरे प्लाट न. 40 व 41 विनायक सिटी, चन्दलाई, सांगानेर रोड, शिवदासपुरा, जयपुर जिसका क्रमशः कुल क्षेत्रफल 100- 100 वर्गगज है। उक्त दोनों प्लाटों के सभी मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गये हैं। जिसकी FIR शिवदासपुरा थाने में दर्ज करवाई गई है अगर किसी व्यक्ति विशेष को मिले तो मुझे सूचित करें। अन्यथा पट्टा जारी करने वाली सोसायटी बाबा आर.एन. गोड़ गृह निर्माण सहकारी समिति को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिए आवेदन किया गया है अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो आप मुझे या सोसायटी को 7 दिवस के भीतर-भीतर मय साक्ष्य आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद गुजरे मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति या उज्र मान्य नहीं होगी। सुचित रहे।

महेश चंद दायमा मो.- 9950658219

वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला

निवाई। वन विभाग के सिरस नाका टीम द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला नोहटा पहाड़ में अवैध खनन की रोकथाम पर कार्रवाई करने के दौरान अवैध खननकर्ता ने टीम पर अचानक जानलेवा हमला कर दिया और चेजा पत्थर से भरे हुए ट्रैक्टर ट्रॉली को सरकारी मोटरसाइकिल पर चढ़ाकर भगाकर ले जाने लगे तो ट्रैक्टर-ट्रॉली असंतुलित होकर पलट गई। जिससे सरकारी मोटरसाइकिल व ट्रैक्टर-ट्रॉली क्षितठास्त हो गई। इस दौरान वन विभाग की टीम ने जैसे तैसे करके जान बचाई। अवैध खननकर्ता ट्रैक्टर ट्रॉली को छोड़कर मौके से फरार हो गया। टीम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर रेंज निवाई में खड़ा करवा दिया है। वन विभाग की टीम ने बरोनी थाने में ट्रैक्टर चालक अंकित पुत्र शंकर योगी निवासी करीरिया के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया है।

होडिंग के टूटे हुए लोहे के पाइप घुसने से किशोर की दर्दनाक मौत

- भाई की साढ़े तीन साल पहले हो गई थी मौत
- परिवार के बुझे दोनों चिराग,
- गांव में शोक की लहर

निवाई। झिलाय रोड पर स्थित कृषि मंडी के सामने जैन मंदिर के सामने डिवाईडर पर लगे हुए होडिंग के टूटे हुए लोहे के पाइप घुसने से एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसने जयपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मेलनर्स त्रिलोकचन्द मीणा ने बताया कि बाबूलाल यादव उर्फ चिन्टू (14)पुत्र गोपाल यादव निवासी झिलाय निजी बस से जयपुर जा रहा था। इसी दौरान कृषि मंडी के सामने जैन मंदिर के सामने डिवाईडर पर लगे हुए होडिंग का लोहे के पाईप अचानक टूटकर बस की खिडक़ी का कांच तोड़ते हुए बाबूलाल की आंख में घुस गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बाबूलाल को एसडीएच अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार करके जयपुर रैफर कर दिया। घायल के परिजनों की पहचान नहीं होने के कारण उनको घटना की सूचना नही मिली। जिस पर घायल के साथ जयपुर जाने के लिए कोई नही था। मामले को गंभीरता से लेते हुए मेलनर्स त्रिलोकचन्द मीणा स्वयं घायल के साथ जाने के लिए तैयार हो गए। मेलनर्स त्रिलोकचन्द मीणा ने बताया कि घायल को जयपुर ट्रॉमा इमरजेंसी में भर्ती करवाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक दो भाई थे। करीब साढे तीन साल पहले उसके छोटे भाई की पानी में डूबने से मौत हो गई थी।

शिव पंचायत की सजाई आकर्षक झांकी

निवाई। काली का बाग रोड पर स्थित बान्दरे वाले बालाजी मंदिर में सावन मास के तीसरे सोमवार को धार्मिक आस्था व भक्ति का माहौल के चलते सहस्त्र घट का आयोजन किया गया।

जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान शिव पंचायत की आकृषक झांकी सजाकर पूजा अर्चना की।

कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र बौंली ने बताया कि श्रावण शुक्ल सप्तमी को बान्दरे वाले बालाजी मंदिर में आचार्य के सानिध्य में विद्वान पण्डितों के सानिध्य में वेदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश जी के साथ शिव पंचायत की विधिवत पूजा अर्चना की गई।

इस दौरान मंत्रोच्चारण के साथश्रद्धालुओं को भगवान शिव का सहस्त्र घट किया।

उन्होंने बताया कि श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित इस सहस्त्र घट में श्रद्धालुओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

मंदिर परिसर में हर हर महादेव व बम बम भोले के जयकारे गूंज उठा। इस अवसर पर उम्मेदसिंह राजावत, राजेन्द्र बोंली, रामबाबू चौधरी, भानू सेनी, सीताराम कटारा, सुभाष चौधरी व प्रबोध शर्मा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

भव्य श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का शुभारंभ

कोटपूतली । प्राचीन कालीन गद्दी आश्रम श्री रघुनाथ जी महाराज प्रभात फेरी के 551 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कस्बे के मौहल्ला बुचाहेडा, बाबड़ी ऊपर भव्य श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ बुधवार 19 अगस्त को किया गया। इससे पूर्व विषाल व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह धार्मिक आयोजन 25 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 12.10 से सायं 04.15 बजे तक होगा। इस मौके पर बुधवार को प्रातः 8.15 बजे भव्य कलश यात्रा की मंगल शुरुआत हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृशक्ति व श्रद्धालु कलश धारण कर भजनों पर झूमते नजर आये। कथावाचक प्रेमलता शर्मा भारद्वाज ने प्रथम दिन श्रीमद् भागवत कथा का सुंदर वर्णन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये कहा कि कोटपूतली की इस पावन धरा पर 551 दिनों से लगातार चल रही प्रभात फेरी की पूर्णाहुति पर इस भव्य भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन होना हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है। भागवत कथा केवल श्रवण करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जीवन में उतारने के लिए है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में समरसता, सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करते हैं।

आम सूचना **जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**

क्रमांक: F-JDA/Zone 24/2026/D-110 रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-04

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 323886 दिनांक 08/08/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीज धारक का नाम	भूखण्ड सं.	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Himanshu Rawat S/o KALYAN SINGH	श्री कान्तिलाल जोशी पुत्र श्री मदन लाल जोशी	29	200.00 SQ. METER	JDA	Pitambra Yojana Sector/ Block-G	Name Transfer	जविप्रा की आवासीय योजना पीताम्बरा के भूखण्ड संख्या जी-29 क्षे. 200.00 वर्गमीटर की लीजडीड श्री कान्तिलाल जोशी पुत्र श्री मदन लाल जोशी को दिनांक 08.01.2016

को जारी कर दी गई। उक्त भूखण्ड का बेचान रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्री कान्तिलाल जोशी पुत्र श्री मदन लाल जोशी द्वारा श्री रवि सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह को दिनांक 28.10.2023 को कर दिया गया। तत्पश्चात उक्त भूखण्ड का बेचान रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्री रवि सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह द्वारा श्री हिमांशु रावत पुत्र श्री कल्याण सिंह को दिनांक 05.03.2024 को कर दिया गया। आवेदनकर्ता श्री हिमांशु रावत पुत्र श्री कल्याण सिंह द्वारा उक्त भूखण्ड का नामहस्तानांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त, जोन-24 जविप्रा, जयपुर

आम सूचना **जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**

क्रमांक: F-JDA/Zone 24/2026/D-111 रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-04

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 324021 दिनांक 08/08/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीज धारक का नाम	भूखण्ड सं.	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Ram Ratti S/o	श्रीमती डी कविता पत्नी श्री अनिल फडनवीस	10	200.00 SQ. METER	JDA	Pitambra Yojana Sector/ Block-G	Name Transfer	जविप्रा की आवासीय योजना पीताम्बरा के भूखण्ड संख्या जी-10 क्षे. 200.00 वर्गमीटर की लीजडीड श्रीमती डी कविता पत्नी श्री अनिल फडनवीस को दिनांक 27.02.2015

को जारी की गई। उक्त भूखण्ड का बेचान रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्रीमती डी कविता पत्नी श्री अनिल फडनवीस द्वारा श्री रवि सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह को दिनांक 10.01.2024 को कर दिया गया। तत्पश्चात उक्त भूखण्ड का बेचान रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से श्री रवि सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह द्वारा श्रीमती राम रति पत्नी श्री ईश्वर सिंह को दिनांक 05.03.2024 को कर दिया गया। आवेदनकर्ता श्रीमती राम रति पत्नी श्री ईश्वर सिंह द्वारा उक का नाम हस्तानांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त, जोन-24 जविप्रा, जयपुर

आम सूचना

मैं कि दुर्गा देवी पत्नी स्व० श्री दौउदयाल आयु 71 साल जाति ठाकुर निवासी मथुरा गेट बाहर, नगर परिषद के पीछे, भरतपुर तहसील व जिला भरतपुर राज.की हूं।

मैं शपथपूर्वक बयान करती हूं कि मेरा पुत्र हरीश एवं पुत्रवधु रानी है जो कि मेरा व किसी भी परिवारीजनों का कहना नहीं मानते हैं तथा अपनी मन मर्जी करते रहते हैं मेरा व मेरा परिवारीजन, हरीश एवं पुत्रवधू रानी की हरकतों से बहुत तंग व परेशान हो गये हैं। क्योंकि हरीश आये दिन जहर खाने की धमकी देता है और जहर खा भी लिया था तथा मेरे साथ व मेरी लड़कीयों के साथ मारपीट करता रहता है और पुत्रवधू भी इसका साथ देती है। मेरा पुत्र हरीश आत्महत्या करता है या किसी से लेन देन लोन या चैक, लड़ाई झगड़ा आदि करता है तो मेरी व मेरे किसी भी परिवारीजन की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी ना ही मेरा कोई सम्बन्ध व सरोकार होगा अगर उसके खिलाफ कोई भी एफ०आई०आर०/मुकदमा आदि होता है तो उसकी जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी। मैं अपने पुत्र हरीश व पुत्रवधू रानी को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं।

सम्मन बनाम कायम मुकाम

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम सं. 8 जयपुर महा.प्रथम

वासुदेव देवानी बनाम वी.वी.हरित

दावा बाबत....

मुकद्दमा नं. CS-52 सन् 19

बनाम-

मुसम्मी विभुति हरित वल्द वी.वी.हरित कौम... साकिन 104 ए गंगोत्री नगर त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर

चूंकि... ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 20... को 1.... बनाम 2..... दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि.... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी..... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3.... बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1..... आपको तारीख 27 माह 08 सन् 26 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 19 माह 08 सन् 26 को जारी किया गया।

रीडर

मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-8 जयपुर महानगर प्रथम

सम्मन बनाम कायम मुकाम

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम सं. 8 जयपुर महा.प्रथम

वासुदेव देवानी बनाम वी.वी.हरित

दावा बाबत....

मुकद्दमा नं. CS-52 सन् 19

बनाम-

मुसम्मी रेणु गौतम पत्नी स्व.वी.वी.हरित कौम... साकिन 104 ए गंगोत्री नगर त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर

चूंकि... ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 20... को 1.... बनाम 2..... दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि.... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी..... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3.... बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1..... आपको तारीख 27 माह 08 सन् 26 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 19 माह 08 सन् 26 को जारी किया गया।

रीडर

मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-8 जयपुर महानगर प्रथम

सम्मन बनाम कायम मुकाम

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम सं. 8 जयपुर महा.प्रथम

वासुदेव देवानी बनाम वी.वी.हरित

दावा बाबत....

मुकद्दमा नं. CS-52 सन् 19

बनाम-

मुसम्मी विद्युत हरित पुत्री वी.वी.हरित कौम... साकिन 104 ए गंगोत्री नगर त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर

चूंकि... ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 20... को 1.... बनाम 2..... दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि.... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी..... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3.... बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1..... आपको तारीख 27 माह 08 सन् 26 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 19 माह 08 सन् 26 को जारी किया गया।

रीडर

मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-8 जयपुर महानगर प्रथम

कार्यालय उपायुक्त, मालवीय नगर, नगर निगम, जयपुर

(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)

क्रमांक: एफ-6() /न.नि.ज/मा.न.जोन/2026/2596 दिनांक: 7.8.2026

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 101 लवकुश नगर प्रथम सोसायटी-दी राजहंस गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का पट्टा श्री प्रकाश चन्द्र जैन पुत्र श्री हजारी लाल जैन के नाम से दिनांक 30 मई 2000 को क्षेत्रफल 191.66 वर्गगज जारी किया गया है। श्री प्रकाश चन्द्र जैन पुत्र श्री हजारी लाल जैन का स्वर्गवास 25.11.2020 एवं इनकी पत्नी श्रीमती विमला देवी जैन पत्नी श्री प्रकाश जैन का स्वर्गवास 30.09.1990 को हो गया है। आवेदक श्री राकेश जैन पुत्र स्व. श्री प्रकाश चन्द्र जैन के द्वारा पट्टा, साइट प्लान, शपथ पत्र, वारिसान अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर भूखण्ड संख्या 101 लवकुश नगर प्रथम सोसायटी-दी राजहंस गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर निर्माण सहकारी समिति जयपुर का नाम हस्तान्तरण नगर निगम जयपुर के द्वारा श्री राकेश जैन पुत्र स्व. श्री प्रकाश चन्द्र जैन के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति पश्चात् नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर

विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

वाणिज्यिक न्यायालय, कोटा

संग्राम सदन, पुराना खजाना, नयापुरा, कोटा (राज.)

मो. इकबाल विरूद्ध **प्रशान्त बैरवा**

बाबत् आदेश 7 नियम 1

वाद सं. C.S. 4/26, पेशी 21.08.2026

बनाम प्रशान्त बैरवा पुत्र द्वारका प्रसाद बैरवा जाति ..... स्थान प्रो. प्रसिद्धि कन्ट्रक्शन आर-3, रघु विहार, लाल कोठी, जयपुर

ने आपके विरूद्ध आदेश 7 नियम 1 के लिए संस्थित किया जाता है। आपका इस न्यायालय में तारीख 21 माह 08 सन् 2026 को दिन में 10:00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) के लिए समय दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 04 माह 08 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञानुसार
रीडर ग्रेड-III
मुहर — वाणिज्यिक न्यायालय, कोटा

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHANAT JAIPUR BENCH, JAIPUR

S.B./D.B. Civil Writ Petition No...../2026

Any Affected Candidate

V/S

Yuvraj Singh Chundawat & Anr.

APPLICATION UNDER RULE 159 OF RAJASTHAN HIGH COURT RULES FOR ENTERING IN TO CAVEAT.

MAY IT PLEASE YOUR LORDSHIPS:

You Lordship's humble applicant wants to enter into caveat under rule 159 of the Rajasthan High Court Rules and let nothing be done till the applicants are heard in the matter. The particulars of the person who file the Writ which likely to be filed are given below:

The Appeal/Writ/ Revision may be filed by any of following person(s). Any Affected Candidate.

Against the Cancellation order process initiated by the 1. Yuvraj Singh Chundawat S/o Arjun Singh Chundawat, R/o Sakariya Kheri, Udaipur, Rajasthan- 313201, 2. Gajanand Yadav S/o Hanuman Prasad Yadav, R/o Bharatali Dhani, Devaliya, Karansar, Jaipur-303603 issued by Commission of Food Safety and Drug Control, Rajasthan, Jaipur in pursuance of order No. खा.सु.औ.नि./200एफ.एस.ओ.भर्ती/2022/ई-10707/2026 / 981-dated 16.03.2026 the filing of the writ petitions is to oppose the result. That writ petition is likely to be filed against:

Commission of Food Safety and Drug Control, Rajasthan, Jaipur

That the Vakalatnama on behalf of 1. Yuvraj Singh Chundawat 2. Gajanand Yadav is submitted here with.

It is, therefore, humbly prayed that nothing be done in the case till the Applicants are heard.

JAIPUR:
DATE: 19.08.2026
HUMBLE APPLICANT
1. Yuvraj Singh Chundawat
2. Gajanand Yadav
COUNSEL FOR APPLICANT
PRAKHAR GUPTA (R/2007/2017)
9611333018

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भरतपुर में वैर, बयाना, उच्चैन एवंनदबई में मतदान ग्यारह को

- जिले में नगर निगम एवं 6 नगरपालिकाओं के चुनाव दो चरण में होंगे

भरतपुर (निसं)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में नगर निकायों क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। जिले में प्रथम चरण में 9 सितम्बर को नगर निगम भरतपुर, नगरपालिका भुसावर एवं रूपवास का मतदान होगा, द्वितीय चरण में 11 सितम्बर को नगरपालिका वैर, बयाना, उच्चौन एवं नदबई में मतदान सम्पन्न होगा। जिले में नगर निकायों के कुल वार्ड 237 हैं जिनके लिये 373 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं जिनमें 3 लाख 13 हजार 433 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

सदस्य पदों के लिए चुनाव कार्यक्रमः जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रथम चरण में सदस्य पदों के लिए लोक सूचना 27 अगस्त को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 1 सितंबर को होगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि गुरूवार, 3 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक रहेगी तथा 4 सितम्बर को अभ्यर्थिता वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदान दो चरणों किया जाएगा जिसमें प्रथम चरण के लिए मतदान 9 सितंबर, बुधवार एवं 11 सितम्बर, शुक्रवार को होगा। मतदान दिवस का समय प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों की मतगणना सोमवार, 14 सितंबर को होगी। 21 सितम्बर को अध्यक्षीय पदों के लिए निर्वाचनः उन्होंने बताया कि अध्यक्षीय पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई जाएगी। अध्यक्षीय पदों के लिए लोक सूचना 15 सितंबर को जारी होगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर रहेगी तथा नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितंबर को होगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितंबर को अपराह्न 3 बजे तक रहेगी। अभ्यर्थिता वापसी का समय समाप्त होते ही चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितंबर 2026 को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक होगा। मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात की जाएगी।

द्वितीय चरण में सदस्य पदों के लिए लोक सूचना 15 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर 2026 होगी। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितंबर 2026 को की जाएगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितंबर को अपरान्हः तीन बजे तक निर्धारित है। इसी दिन अभ्यर्थिता वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के तुरंत बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। द्वितीय चरण के लिए मतदान 21 सितंबर 2026 को प्रातः 10 बजे से अपरान्हः 2 बजे तक होगा। मतगणना 21 सितंबर 2026 को मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात की जाएगी। 22 सितंबर को उपाध्यक्ष पदों के लिए निर्वाचन उपाध्यक्षीय पदों के लिए निर्वाचन 22 सितंबर 2026 (मंगलवार) को कराया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत बैठक का प्रारम्भ प्रातः 10 बजे होगा। नामांकन पत्र प्रातः 11 बजे तक प्रस्तुत किए।

पीएचसी पांचूडाला की बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल

पावटा। ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन पांचूडाला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जमीनी तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। अस्पताल में लंबे समय से चिकित्सकों और अन्य स्टाफ की कमी बनी हुई है। बताया जा रहा है कि कुल 10 महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं, जिसका सीधा खामियाजा क्षेत्र की आम जनता और मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्याप्त चिकित्सा एवं नर्सिंग स्टाफ नहीं होने के कारण मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। ठामीण क्षेत्र के लोगों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। वर्षों से रिक्त पदों को नहीं भरे जाने से पीएचसी की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की जांच सुविधा बेहतर करने के लिए सीबीसी जांच मशीन करीब 4-5 वर्ष पहले उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन आरोप है कि मशीन आज तक नियमित रूप से चालू नहीं हो सकी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता की सुविधा के लिए लाखों रुपये खर्च कर लाई गई मशीन आखिर वर्षों से धूल क्यों फांक रही है? यदि मशीन उपलब्ध है तो उसे संचालित करने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था और स्टाफ की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? ठामीणों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर जांच सुविधा मिलने से मरीजों को काफी राहत मिल सकती है, लेकिन मशीन के उपयोग में नहीं आने से उन्हें बाहर जांच करवाने के लिए मजबूर होना पड रहा है। संदीप सिंह, धर्मवीर सिंह, श्याम सिंह, समुद्र सिंह, सतवीर सिंह, नरेंद्र सिंह, बलवीर सिंह, दीपू बन्ना, हेमपाल सिंह सहित ठामीणों की मांग है कि पीएचसी पांचूडाला के सभी 10 रिक्त महत्वपूर्ण पदों पर जल्द नियुक्तियां की जाए, 4-5 साल से बंद पड़ी मशीन को तत्काल चालू कराया जाए, पीएचसी में पर्याप्त डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध कराया जाए, मरीजों के लिए आवश्यक जांच एवं उपचार सुविधाएं सुनिश्चित की जाए, अस्पताल की व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा के लिए जनता को वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। अस्पताल में डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

- 10 पद वर्षों से पद खाली, 4-5 साल से धूल फांक रही सीबीसी मशीन

अस्पताल में चिकित्सकों की कमी पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, मनोहरपुर, जिला-जयपुर

Email Id- Nagarpalikamanoharpur@gmail.com

क्रमांक : न.पा.मनो./2026-27/1695 दिनांक :- 18/08/2026

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विभिन्न आवेदनकर्ताओं द्वारा अपनी सम्पती के 69ए / स्टेट ग्रांट एक्ट / कृषि नियमन के अन्तर्गत पट्टे जारी करवाने हेतु नगरपालिका मनोहरपुर में आवेदन प्रस्तुत किये गये है संबंधित आवेदन की विस्तृत जानकारी नोटिस बोर्ड कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर पर देखी जा सकती है किसी भी पट्टा आवेदन पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होतो अपना दावा / आपत्ति नगरपालिका मनोहरपुर में 07 दिवस में प्रस्तुत करे।

क्र. सं	आवेदक का नाम पिता/पति का नाम	स्थित भवन/ भूमि का मौहल्ला रास्ता	राजस्व ग्राम	विवरण	भूखण्ड का क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
1	ओमप्रकाश गुप्ता पुत्र श्री गोपीनाथ अग्रवाल	वामन देवजी का मोहल्ला मनोहरपुर	मनोहरपुर	ख.स. 1161	36.66 वर्गगज	आवासीय
2	श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी श्री गिरधारी लाल कुम्हार	डाकोतो का मोहल्ला मनोहरपुर	मनोहरपुर	ख.स 1161	122.00 वर्गगज	आवासीय
3	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री बिरदीचन्द धोबी	सारवानो का मोहल्ला मनोहरपुर	मनोहरपुर	ख.स 1161	70.00 वर्गगज	आवासीय
4	श्री सोहन लाल मिश्रा पुत्र श्री हनुमान सहाय मिश्रा	इन्दिरा कॉलोनी मनोहरपुर	मनोहरपुर	ख.स 1117	234.36 वर्गगज	आवासीय

उक्त पट्टा पत्रावलीयों के संबंध में किसी भी व्यक्ति कों कोई आपत्ति हो तो आपत्ति को सबुत मय लिखित में इस सुचना प्रकाशन की तिथि से अन्दर मियान कार्यालय नगरपालिका मनोहरपुर में उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं तदानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा ।

उक्त सुचना आज दिनांक 19.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर द्वारा प्रसारित किया जाता है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मनोहरपुर
जिला-जयपुर (राजस्थान)

कार्यालयः जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी करौली (राज.)

क्रमांक :-जिसासशिअ/करौली/2026-27/41 दिनांक: 18.08.2026

ई-बोली/निविदा आमन्त्रण सूचना का विस्तृत विवरण

टी.एल.एम क्रय हेतु ई-टेण्डर प्रपत्र-01/2026-27

यूनिट बिड नम्बर (UBN)

1.	कार्य का नाम	प्रत्येक किट की सामग्री को उल्लास लोगो सहित मजबूत पॉलीबैग जिसमें उक्त सामग्री रखी जा सके:- 1. नोट- बुक लाईनदार 1 (अभ्यास पुस्तिका 120 पेज) 58 GSM, Size 7x9 इंच (न्यूनतम साई) कवर पेज लैमिनेटेड 80 GSM उल्लास लोगो सहित 2. एच.बी. लैड पेन्सिल 2 3. शर्पनर 1 4. रबर 1 dust free
2.	निविदा संख्या एवं दिनांक	01/2026-27 दिनांक-
3.	निविदा का प्रकार	दर संविदा जरिये खुली प्रतियोगी बोली
4.	निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 2124000 रू.
5.	प्रत्येक किट की लागत	40रू. अधिकतम
6.	बोली प्रक्रिया	द्विप्रक्रमी प्रक्रियाः दो-भाग (तकनीकी एवं वित्तीय) खुली प्रतिस्पर्धातम बोली
7.	बोली मूल्यांकन मानदंड	तकनीकी अहर्ताधारी, न्यूनतम निविदा दर एवं उच्चतम गुणवता वाली फम को कार्यदिश जारी किया जायेगा।
8.	बोली प्रतिभूति राशि	2 प्रतिशत की अमानत राशि (42500) या MSME की दशा में 0.5 प्रतिशत अमानत राशि (10620) का डी.डी. (जिला साक्षरता समिति, करौली) के नाम य खाता संख्या 51087733798 आई.एफ.एस.सी कोड:-SBIN0004191
9.	प्रक्रिया शुल्क	राशि रू. 500/- रूपये ईग्रास पर चालान की माध्यम से बजट मद 8658-00-102-16-01 में जमा कराना होगा।
10.	टेण्डर शुल्क	राशि रू. 1000/- रूपये या MSME की दशा में 500 रूपये/- ईग्रास पर चालान के माध्यम से बजटमद 0075-00-800-52-01 में जमा कराना होगा।
11.	ऑनलाईन निविदा फार्म डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	दिनांक 18.08.2026 http//eproc.rajasthan.gov.in & http// sppp.rajasthan.gov.in
12.	बोली/निविदा प्रपत्र शुल्क एवं बोली/निविदा प्रोसेसिंग शुल्क जमा के चालान की प्रतिलिपी/डी.डी. तथा सैम्पल अन्य दस्तावेज जमा कराने की दिनांक, समय	दिनांक 31.08.2026 प्रातः 11.00 बजे तक
13.	ऑनलाईन तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 31.08.2026 को 12.00 बजे सैम्पल जाँच के पश्चात
14.	वित्तीय बिड खोलने की तिथि	तकनीकी निविदा खोलने के पश्चात 31.08.2026 को
15.	निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी, करौली
16.	निविदा की वैद्यता	90 दिन
17.	निविदा आमंत्रित करने वाले अधिकारी	जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी, करौली
18.	सम्पर्क	दूरभाषः- 9460778143

UBN- LIT2627GLRC00029

आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर सांसद मीना ने उनियारा व देवली में बैठक ली

टोंक। आगामी नगरपालिका एवं पंचायतीराज चुनावों की तैयारियों को लेकर टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने बुधवार को देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र के उनियारा एवं देवली में आयोजित संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया।

बैठकों में सांसद ने पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। बैठकों में आगामी नगरपालिका एवं पंचायतीराज चुनावों को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा स्थानीय स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सांसद मीना ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आपसी समन्वय पर निर्भर है। आगामी चुनावों को लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने में जुटे।

आगामी नगरपालिका एवं पंचायतीराज चुनावों की तैयारियों को लेकर टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया।

■ बैठकों में सांसद ने पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों,जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की

उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं की समस्याओं एवं सुझावों को भी गंभीरता से सुना और आवश्यक स्तर पर उनके समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि जनता से निरंतर संवाद, स्थानीय मुद्दों को मजबूती से उठाना और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के लिए एकजुट होकर पूरी ऊर्जा के साथ तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

भंडारे में उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

पावटा। ग्राम पाथरेडी में ग्रामवासियों, दानदाताओं एवं श्रद्धालु भक्तों के सहयोग से प्राचीन शिवालय बाबा भूतेश्वर नाथ एवं धरती नाथ बाबा का पांचवां विशाल भंडारा एवं धार्मिक रागनी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर ग्रामीणों एवं बाबा के भक्तों में खासा उत्साह है। कार्यक्रम का आयोजन 23 अगस्त 2026, रविवार को सुबह 11 बजे से पुरानी पाथरेडी, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ में किया जाएगा। विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में हरियाणा की मशहूर गायक कलाकार राजबाला बहादुरगढ़, प्रवेश शर्मा एवं नानगराम अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं मशहूर डांसरों की प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेंगी। धार्मिक रागनी कॉम्पिटिशन के माध्यम से श्रद्धालु लोक संस्कृति और भक्ति संगीत का आनंद उठा सकेंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने, धार्मिक कार्यक्रम का आनंद लेने का आग्रह किया।

नकबजनी की वारदात में दो आरोपी गिरफ्तार व एक बाल अपचारी निरूद्ध

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी मृत्युजन्य मिश्रा के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी भंवरलाल वेष्णव के नेतृत्व टीम गठीत द्वारा न्यायिक अधिकारी के सरकारी आवास मे हुये चोरी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये घटनाकारित दो आरापियों को गिरफ्तार किया जाकर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है।

कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्रीमति स्वाती व्यास जो 7 से 23 अगस्त तक राजकीय अवकाश पर जयपुर जाने के बाद इसी बीच उनके सिविल लाईन स्थित राजकीय आवास टीआर-16 पर चोरो द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया। जिसकी सूचना उनके चौकीदार धर्मेन्द्र को 13 अगस्त को मिली जब वह सुबह ड्यूटी पर आया। जिसके बाद उसने एडीजे को दूरभाष पर सूचना दी कि जब वह सुबह आवास पर आया तो पता चला कि घर के ताले टूटे हुए है और कमरे के अन्दर आलमारी का सामान बिखरा हुआ है। जिसके बाद एडीजे जयपुर से रवाना होकर अपने आवास पर पहुँची व सामान चेक किया तब पाया कि घर के अन्दर तीन ताले टूटे हुए थे, सामान बिखरा हुआ था और उनकी आलमारी से सोने के जेवरात जिनमें कानों के कुछ टोप्स और एक डायमंड सेट, आदि अन्य सामान नहीं मिले है। जो अज्ञात चोर, चोरी करके ले गये है। जिस पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुय एक टीम गठित कर घटना में लिप्त आरोपियों की जाचं कार्य प्रारम्भ कर घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी केमरो की फुटेज जांच व अन्य तकनिकी संसधानो को सहयोग से घटना में शामिल दो आरोपी साहिल व फुरका को गिरफ्तार किया तथा इस कार्यवाही में एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है।

महाविद्यालय में स्वीप गतिविधियों का आयोजन

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत उपखंड प्रशासन की स्वीप प्रकोष्ठ टीम प्रभारी अधिकारी रामेश्वर मीणा एवं सहप्रभारी प्रियंका चौधरी के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान बनो देश के भग्य विधाता, अब जागों प्यारे मतदाता सहित कई नारों के साथ विद्यार्थियों को मतदान के महत्व की जानकारी दी। टीम प्रभारी अधिकारी रामेश्वर मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता शपथ, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन प्रतियोगिता व रंगोली प्रतियोगिता सहित कई जागरूकता गतिविधियां और सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर मीनाक्षी बघेल, प्रोफेसर उषा बागड़ी, प्रोफेसर मदनमोहन महावर, डॉ. प्रभा गुप्ता, डॉ. सोना अठावाल, ईएलसी नोडल अधिकारी रूपा चौधरी व ईएलसी सदस्य सुमन सहित सभी संकाय सदस्य मौजूद थे।

संत निरंकारी मिशन के सेवा कार्यों को मिला सम्मान

भरतपुर (निसं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के समाज सेवा प्रभाग द्वारा संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका डॉ. दादी प्रकाशमणि की 19वीं पावन पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत एवं नेपाल स्तर पर विश्व बंधुत्व रक्तदान अभियान 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में भरतपुर क्षेत्र में आरबीएम हॉस्पिटल की ब्लड बैंक टीम के चिकित्सीय सहयोग से 21 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक 5-दिवसीय विशाल रक्तदान महाभियान चलाया जाएगा। यह अभियान केवल रक्तदान तक सीमित न होकर आध्यात्मिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्रीय एकता और विश्व बंधुत्व को समर्पित एक व्यापक जनआंदोलन है।

विश्व शांति भवन, कृष्णा नगर (भरतपुर) की सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. कविता दीदी ने बताया कि इस

बैठक में डॉ. दादी प्रकाशमणि की 19वीं पावन पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में विश्व बंधुत्व रक्तदान अभियान पर चर्चा की ।

वर्ष अभियान की विशेष थीम श्ज्ञान पान, योग ध्यान, रक्तदानश् रखी गई है। ब्रह्माकुमारीज़ का मानना है कि रक्तदान केवल एक शारीरिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि श्रेष्ठ संकल्पों और मानव सेवा का उत्सव है। वैज्ञानिक शोध भी यह दर्शाते हैं कि व्यक्ति के सकारात्मक विचार शरीर की जैव-रासायनिक प्रक्रियाओं और रक्त संचार प्रणाली पर अनुकूल प्रभाव डालते हैं। इसलिए प्रत्येक रक्तदाता को रक्तदान से पूर्व आध्यात्मिक ऊर्जा से सशक्त बनाया जाएगा। इस बार जिले भर से 1000 यूनिट ब्लड एकत्रित करने का संकल्प लिया गया है।

डीएसटीम की साइबर अपराध के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

निवाई। डीएसटी टीम ने कार्रवाई करते हुए 30 लाख रुपए की साइबर ठगी का खुलासा करते हुए 7 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि टीम ने कार्रवाई करते हुए निवाई से 6 साइबर अपराधी व सदर टोंक थाना क्षेत्र में एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिनके विरुद्ध अलग-अलग पुलिस थानों में प्रकरण दर्ज है। उन्होंने बताया कि आरोपी दिलकुश पुत्र रामकिशन कीर निवासी नटवाड़ा, विनोद पुत्र कमलेश प्रजापत निवासी मण्डावर, खुशीराम पुत्र भरतलाल मीणा निवासी सागर थाना चौथ का बरवाड़ा, सांवरमल पुत्र मन्नालाल जाट निवासी जाटों का मोहल्ला संठाामपुरा थाना बनेठा, रामसिंह पुत्र भंवरलाल गुर्जर निवासी थड़ोली थाना बौंली व राकेश पुत्र रामफूल गुर्जर निवासी सारसोप थाना चौथ का बरवाड़ा को गिरफ्तार किया है। जिनसे 11 मोबाइल, बैंक पासबुक का एटीएम कार्ड व चैक बुक आदि को जब्त किया है। उन्होंने बताया कि द्वारा जांच में उनके मोबाइल से कुल 205 फर्जी सीम का प्रयोग करना पाया गया। एनसीआर पोर्टल पर आरोपियों के विरुद्ध 45 ऑनलाइन शिकायत दर्ज है। आरोपी पिछले 4 वर्षों से अपने मोबाइल से फर्जी फोन पे ऐप, फर्जी इन्वेस्टमेंट लिंक के माध्यम से व्हाट्सएप व

मौसम बदला तो बढ़ी मरीजों की भीड़, वायरल व डायरिया के मरीजों की संख्या में इजाफा

उपजिला अस्पताल पावटा में इन दिनों मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

पावटा। तेज धूप, बारिश और उमस के बीच मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। उपजिला अस्पताल पावटा में इन दिनों मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अस्पताल की ओपीडी में बुखार, सर्दी-जुकाम, गले में संक्रमण, डायरिया, पेट संबंधी संक्रमण सहित अन्य मौसमी बीमारियों के मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार बारिश के बाद उमस और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। वहीं दूषित पानी और अस्वच्छ भोजन से डायरिया व पेट संबंधी बीमारियां भी बढ़ सकती हैं। अस्पताल पहुंच रहे मरीजों में बच्चों, बुजुर्गों सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोग शामिल हैं।

उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी डॉ. रवि बंसल ने बताया कि मौसम में बदलाव के दौरान सोमवार को 1079 व मंगलवार को 1166 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। जिसमें वायरल, बुखार, सर्दी-जुकाम और पेट संबंधी शिकायतों के मरीज ज्यादा हैं। लोगों को साफ पानी का सेवन करने, ताजा एवं स्वच्छ भोजन लेने और व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। तेज बुखार, लगातार दस्त या अन्य गंभीर लक्षण होने पर बिना देरी किए चिकित्सकीय परामर्श

■ उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी डॉ. रवि बंसल ने बताया कि मौसम में बदलाव के दौरान सोमवार को 1079 व मंगलवार को 1166 मरीज उपचार के लिए पहुंचे

लेना चाहिए।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. देवेंद्र शर्मा ने बताया कि बारिश और उमस के मौसम में संक्रमण तेजी से फैल सकता है। घर के आसपास साफ-सफाई रखें और खुले में रखे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।डॉ. एस.के वर्मा ने कहा कि मौसम परिवर्तन के दौरान वायरल संक्रमण के मामले सामने आते हैं। बुखार, गले में खराश, खांसी या सर्दी-जुकाम जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने के साथ चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही दवा लें। डॉ. अशोक बाज्या ने बताया कि बारिश के बाद आसपास पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन का खतरा बढ़ जाता है। लोगों को घरों एवं आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए तथा कूलर का पानी नियमित रूप से बदलना चाहिए। मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाना भी जरूरी है। डॉ. भास्कर मिश्रा ने कहा कि दूषित पानी और खराब खानपान से डायरिया एवं पेट के संक्रमण की समस्या बढ़ सकती है। लोगों को साफ और उबला अथवा सुरक्षित पानी पीना चाहिए तथा भोजन को ढककर रखना चाहिए। बच्चों में दस्त या उल्टी होने पर लापरवाही न बरतते हुए समय पर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। अस्पताल प्रशासन की ओर से भी मरीजों को मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय पर उपचार करवाएं।

स्वतंत्रता दिवस पर वेद बनवारी लाल सम्मानित

पावटा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कोटपुतली स्थित एलबीएस कॉलेज के प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में सामाजिक एवं सेवा कार्यों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संत निरंकारी मिशन के जॉन-20 ए पावटा जोनल इंचार्ज वेद बनवारी लाल निरंकारी को सम्मानित किया गया। समारोह में कोटपुतली जिला कलक्टर अर्पणा गुप्ता ने वेद बनवारी लाल निरंकारी को संत निरंकारी मिशन द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा एवं सामाजिक कार्यों के लिए सम्मान प्रदान किया। सम्मान मिलने पर मिशन से जुड़े अनुयायियों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। संत निरंकारी मिशन द्वारा समय-समय पर स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, रक्तदान, मानव सेवा एवं सामाजिक जागरूकता सहित विभिन्न सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई जाती रही है। इन्हीं सेवा कार्यों और समाज हित में योगदान को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद वेद बनवारी लाल निरंकारी ने इसे संत निरंकारी मिशन से जुड़े सभी सेवादारों एवं श्रद्धालुओं की सामूहिक सेवा भावना का सम्मान बताया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है और मिशन आगे भी समाज हित में सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगा।

बेटे के ससुराल में जलाने वाला अभियुक्त दोषमुक्त

सांभर झील, (निसं)। अपर सेशन न्यायाधीश, दूदू शिव कुमार शर्मा ने अभियुक्त राजेंद्र प्रसाद पुत्र दुर्गा सहाय मीणा निवासी वार्ड नंबर 11 कालाडेरा जिला जयपुर को अपराध अंतर्गत धारा 452, 307, 309, 504 भारतीय दंड संहिता के आरोपी से दोष मुक्त किया है।

अभियुक्त खुद के बेटे के ससुराल ग्राम बोराज स्थित नेमी वालों की ढाणी पहुंचकर घटना को अंजाम दिया था। दामाद की सास विमला देवी ने मोजमाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

रिपोर्ट में बताया था कि शाम को 7:15 बजे राजेंद्र मीणा आया जिसके हाथ में 2 लीटर की पेट्रोल की बोतल थी। वह और उसकी बहू अनीता मीणा घर पर खाना बना रहे थे। वह सीधे मकान के किचन में घुस गया। इसने दोनों पर पेट्रोल डाला व उसने स्वयं को भी पेट्रोल छिड़क कर जलाने का प्रयास किया। अभियुक्त के अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह शेखावत बताते हैं कि मामला पारिवारिक रंजिश के चलते अभिषेक की पत्नी नेहा अपने पीहर में रह रही थी। इस मामले में उनकी ओर से न्यायालय को बताया गया कि अभियोजन पक्ष की ओर से जो तर्क रखे गए हैं उनका कोई औचित्य नहीं है अभियुक्त के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं होता है और गवाहन के कथन से अभियुक्त के विरुद्ध भी बाकी के जो आरोफ है वह भी साबित नहीं होते हैं।

इसलिए अपराध संदेह से परे साबित नहीं होने के कारण अभियुक्त राजेंद्र को दोष मुख्य घोषित किया जाए। न्यायालय में दोनों पक्षों के तर्कों का मनन करते हुए लिखा कि क्या मुलजिम में 18 फरवरी 2024 को विमला देवी के ठाम बोराज स्थित मकान पर उसे व उसकी बहू अनीता एवं खुद को जलाने के आशय से अन्नाधिकृत घर में प्रवेश किया। मामले में पक्षकारो के मध्य धारा 504 में राजीनामा हो जाना साबित है। शेष आरोपों को संदेह से परी साबित करने में अभियोजन पक्ष असफल रहने के आधार पर अभियुक्त को दोष मुक्त किया जाता है।

गुर्जर समाज के पूर्व सैनिकों की बैठक में कैप्टन लालचंद अध्यक्ष बने

कोटपूतली । ग्राम पूतली स्थित श्री देवनारायण मंदिर में बुधवार को गुर्जर समाज के पूर्व सैनिकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कोटपूतली-बहरोड, नारनौल, खेतडी व नीमकाथाना से आये अनेक पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान मुख्य रूप से समाज के विकास, पूर्व सैनिकों के कल्याण और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई।

■ बैठक के दौरान मुख्य रूप से समाज के विकास, पूर्व सैनिकों के कल्याण और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई

कार्यक्रम में सामाजिक एकजुटता दिखाते हुए सर्वसम्मति से संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया, जिसमें सभी को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। अध्यक्ष पद पर कैप्टन लालचंद, उपाध्यक्ष पद पर सूबेदार मेजर गाडाराम टापरी, कोषाध्यक्ष पद पर सूबेदार हमीर सिंह, सचिव पद पर राजाराम, उपसचिव पद पर हवलदार कमलेश, मंच संचालक (एंकर) सूबेदार रोहिताश, सदस्यों में सुरेश चंद गुर्जर एवं पन्नाराम कसाणा को शामिल किया गया हैं।

बैठक में कैप्टन ओमप्रकाश, सूबेदार बनवारी, सूबेदार हेतराम, सूबेदार सहमल, महताब राम, हवलदार कमलेश छावडी, हवलदार धोलाराम, हवलदार रामसिंह मुक्कड, हवलदार महेंद्र डाबला, हवलदार रोहिताश भरगड, हवलदार महिपाल, हवलदार मालाराम, हवलदार मुकेश, हवलदार विक्रम, हवलदार कर्मवीर, हवलदार विजय सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर सभी उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई दी और समाज के हित में पूरी निष्ठा के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

ग्राम पूतली में गुर्जर समाज के पूर्व सैनिकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कोटपूतली-बहरोड़, नारनौल, खेतडी व नीमकाथाना से आये अनेक पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया।

सार-समाचार

राजगढ़ में एसबीआई ने नए नोट बांटे

राजगढ़। कस्बे के स्टेशन मार्ग स्थित एसबीआई शाखा की ओर से बुधवार को नए नोटों का वितरण किया गया। एसबीआई शाखा की ओर से बैंक के सामने विद्युत निगम परिसर में शिविर लगाकर लोगों को नई करेंसी वितरित की गई। इसी दौरान 10, 20 एवं अन्य राशि के नोट वितरित किए गए। नए नोटों को लेने के लिए सुबह से ही लोगों में उत्साह रहा। पुलिस उप निरीक्षक बनवारी लाल के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था निर्धारित की गई। लाइन लगाकर सभी को बारी-बारी से बैंक प्रबंधन की ओर से नए नोट वितरित किए गए। इस अवसर पर शाखा प्रभारी रामबाबू मीणा, कैश प्रभारी मुकेश जाटव, अंजलि नागर, सुरक्षा गार्ड जगदीश एवं अन्य बैंक कर्मी मौजूद रहे।

साइबर अपराध में लिप्त एक आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में साइबर अपराध के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान में सदर थना टोंक टीम व जिला स्पेशन टीम द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर सायबर फॉड की वारदात का पर्दाफाश किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के दौरान आरोपी अनेक मोबाईल नम्बरों का उपयोग कर साइबर ठगी की राशि अलग-अलग फर्जी खातों में ट्रान्सफर करवायी जाती थी, जांच में सामने आया है कि बैंक खातों पर शिकायत पोर्टल पर 5 शिकायतें दर्ज पाई गई है। आरोपी द्वारा साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए फर्जी टेलिग्राम चेनल पर ट्रेड एप पर डबलिंग का झांसा देकर न्यू ज्यॉनिंग के नाम से अलग अलग लोगों को मोटा प्रोफिट दिलवाने का लालच देकर साईबर फॉड को अन्जाम देता था। इस कार्यवाही में आरोपी आशीष उर्फ लक्की पुत्र कमलेश मीणा उम्र 22 साल निवासी सुर्यातालपुरा थाना मेहन्दवास के कब्जे से दो मोबाइल, एक चैक बुक, पासबुक, एक एटीएम कार्ड व एक स्कूटी जप्त की गयी हैं। आरोपी द्वारा देश भर के राज्यों में अलग-अलग व्यक्तियों के साथ साइबर फ्रॉड की कई वारदातें की हैं। जिसके विरूद्ध थाना सदर टोंक में आपराधिक प्रकरण आईटी एक्ट में दर्ज किया गया है।

स्वराज चौपाल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा साझा की

निवाई। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के तत्वावधान में शहर के वार्ड 36 में स्वराज चौपाल का आयोजन किया गया,जिसमें मुख्य वक्ता संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. नरेशकुमार मीणा ने महात्मा गांधी के सर्वोदय ओर स्वराज के मूल्यों पर आधारित कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को गांव ढाणी शहर के वार्डो तक प्रचारित कर लोगों के सामाजिक व आर्थिक विकास में समानता एवं बिना भेदभाव के नगर का विकास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संविधान व लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है, वे इसके खत्म करना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संघर्ष कर रही, आगामी नगरीय निकाय चुनावों में कांठोस पार्टी का बोर्ड बना तो स्वराज की विचारधारा को ऊपर रखकर वार्ड एवं नगर का विकास होगा, शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा ने लोगों से निवाई के विकास के लिए कांठोस का बोर्ड बनाने का आ ान किया। जिला महासचिव महेंद्र बैरवा, ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश सांसी ने भाजपा की केंद्र सरकार पर मनरेगा का स्वरूप बदलकर लोगों से रोजगार का हक छीनने का आरोप लगाया, नगर अध्यक्ष सुमेर सिंह राजावत ने सभी का आभार प्रकट करते हुए वार्ड से कांग्रेस पार्टी को जिताकर भेजने की अपील की, चौपाल में संगठन के नगर महासचिव मनराज यादव, सचिव सुनीता जैन, कालूराम सैन, लक्ष्मण सिंह, सत्यनारायण गुजर, श्योजी वैष्णव, भंवर सिंह, नानूराम मीणा, रामायण चौधरी, बंटी जांगिड़, दीपू यादव, हनुमान शर्मा, राहुल वैष्णव, घनश्याम जांगिड़, अनवर खान, गोपाल बैरवा, सीताराम मीणा, रामस्वरूप सैन, इंद्रा चौधरी, कैलाश चौधरी, सत्यनारायण प्रजापत, अशोक कुमार, सुरेश जांगिड़, सीता देवी मीणा, गुमान कंवर, नवीन सैन, खुशीराम चौधरी व धीरज चौधरी सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

भगवान पाश्र्वनाथ का मोक्ष कल्याण धूमधाम से मनाया

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर एवं श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार को भगवान पाश्र्वनाथ के मोक्ष कल्याण दिवस पर गाजे बाजे के साथ भक्ति भाव पूर्वक निर्वाण लाडू चढ़ाया। अग्रवाल मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य सत्यनारायण विनोद कुमार, गिर्राज कुमार व महेश कुमार मोटूका परिवार को मिला। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा ने बताया कि भगवान पाश्र्वनाथ के निर्वाणोत्सव मोक्ष सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। मोक्ष कल्याणक महोत्सव को लेकर बुधवार को सर्वप्रथम भगवान पारसनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसी प्रकार श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में आचार्य सुंदर सागर महाराज के आशीर्वाद से मंडल विधान का आयोजन किया गया। मण्डल विधान पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई। तत्पश्चात सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, आचार्य निमंत्रण, भूमि शुद्धि करके विधान का शुभारंभ किया गया। जिसमें जितेंद्र कुमार व गजेंद्र कुमार चंवरिया ने भगवान का अभिषेक करके नित्य नियम पूजा शुरू की। जिसमें देव शास्त्र, गुरु पूजा व नव देवता पूजा के बाद भक्ति संगीत के साथ भगवान पाश्र्वनाथ की विशेष पूजा अर्चना की गई। पूजा के बीच श्रद्धालुओं द्वारा भगवान पाश्र्वनाथ का निर्वाण काण्ड बोलकर जयकारों के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया। इस दौरान महिलाओं ने भक्ति नृत्य किया। उन्होंने बताया कि निर्वाण लाडू के बाद पाश्र्वनाथ मंडल विधान शुरू हुआ। जिसमें विधान मंड़प पर सोधर्म इन्द द्वारा 128 श्रीफल अघ्र्य चढ़ाए गए। सुनिल भाणजा ने बताया कि भगवान पाश्र्वनाथ ने अष्ट कर्मों को नाश करके निर्वाण पाया। उन्होंने श्रावण शुक्ला सप्तमी के दिन प्रात: बेला में अष्टकर्मो को नाश कर स्वर्ण भद कूट सम्मेद शिखर से निर्वाण को प्राप्त किया। जहां मोक्ष कल्याणक के दिन लाखों श्रद्धालु दर्शनार्थ पहुंचते हैं। इस दिन खास तौर पर बालिकाएं उपवास करती है। इस अवसर पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुशील जैन, विष्णु बोहरा, नेमीचन्द सिरस, रामपाल चंवरिया, चेतन जैन, दिनेश गिंदोड़ी, विमल भाणजा, अशोक जैन, रमेश जैन, रिंकू झांझरी, मोहित चंवरिया, महेंद्र जैन, रौनक बोहरा, सुनील बनेठा, महेंद्र कठमाणा, गोलू चंवरिया, राकेश संघी, त्रिलोक रजवास व जितेंद्र झिलाय सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

तीन वांछित अपराधी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत सोप थानाधिकारी रामसिह यादव के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के प्रकरण में 2 वर्ष से फरार 5000-5000 के ईनामी दो आरापियों को गिरफ्तार किया गया है। सोप थानाधिकारी ने बताया कि गत 28 अप्रेल 2026 को मुकेश कुमार पर भगवान की पूजा करते समय हुए हत्या के प्रयास में हमले में फरार आरोपी लोकेश मीणा पुत्र रामकिशन मीणा उम्र 25 साल, अमृतलाल मीणा पुत्र बत्तीलाल मीणा उम्र 25 साल निवासी जमूलखेड़ा पुलिस थाना कुण्डेरा व सुमरतलाल मीणा पुत्र अमरसिंह उम्र 26 साल निवासी छोरोदा कुण्डेरा जिला सवाईमाधोपुर को डिटेन कर पूछताछ के बाद घटना में अपराधी होने के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस ने अपराधियों द्वारा प्रयुक्त की गई एक कार व मोटरसाईकिल को जप्त किया गया है। प्रकरण में अब तक कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नाकेश्वर महादेव के कावड़ यात्रा कल

सिरस। नाका चोकी स्थित नाकेश्वर महादेव मन्दिर से कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। कावडियां राकेश योगी व शिवचरन योगी ने बताया कि कावड़ यात्रा ध्वज व कलश पूजन करके गाजे बाजे के साथ सिरस रेलवे स्टेशन होते हुए गांव श्योसिहपुरा स्थित योगेश्वर महादेव मन्दिर पहुचेगी। जहां भगवान् योगेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। कावड़ यात्रा में सिरस, नाका चोकी व श्योसिहपुरा सहित कई गांवों से महिलाए पुरुष भाग लेंगे।

"हमें पता था कि तेज बारिश होने वाली है और इसलिए हम जल्द से जल्द उनकी पारी समाप्त करना चाहते थे। भारत ने विकेट लेने के एक और अवसर के रूप में नई गेंद को ध्यान में रखा था।

- के. एल. राहुल

भारतीय बल्लेबाज, तेज गेंदबाजों श्रीलंका की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ शुभमन गिल

कप्तान शुभमन गिल ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए 600वें टेस्ट मैच में जीत को स्पेशल बताया। साथ ही युवा स्पिन ऑलराउंडर मानव सुथार और बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के शानदार प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ की। हमारे लिए यह बहुत संतोषजनक जीत रही। मौसम को लेकर अनिश्चितता के कारण टीम पर थोड़ा दबाव था, लेकिन खिलाड़ियों ने परिस्थितियों का शानदार तरीके से सामना किया। सुथार अपने टेस्ट पदार्पण से ही लगातार शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। चाहे वह भारत में खेला गया पहला मैच हो या फिर इस मैच में।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय हॉकी ओलंपिक स्वर्ण: 1928, 1932, 1936, 1948, 1952, 1956, 1960 (रजत), 1964 (स्वर्ण), 1968 (कांस्य), 1972 (कांस्य), 1980 और टोक्यो 2020 व पेरिस 2024 में कांस्य पदक।

भारत ने श्रीलंका को 165 रनों से हराया, सुथार के 10 विकेट और पडिक्कल के 211 रन

प्लेयर ऑफ द मैच रहे पडिक्कल बोले, इससे बेहतर की उम्मीद नहीं कर सकता था

श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले गए पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि यह मुकाबला उनके लिए शानदार रहा और वह इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते थे। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय टीम ने मेजबान श्रीलंका के सामने 372 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी बुधवार को मैच के पांचवें दिन 206 रन पर सिमट गई। भारत ने मुकाबला 165 रन से अपने नाम कर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पडिक्कल ने भारत की पहली पारी में शानदार 167 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 44 रन का योगदान दिया। मैच के बाद पडिक्कल ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छी क्रिकेट खेली और जीत से बहुत खुश हूं। मैंने धर्मशाला से टेस्ट में शुरुआत की, फिर पर्थ में टेस्ट खेला और अब गाले में। इससे बेहतर की मैं उम्मीद नहीं कर सकता था। मैच शानदार था।'' उन्होंने गाले की पिच की भी तारीफ करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि यह टेस्ट मैच के लिए बेहतरीन पिच थी। पांचों दिन पिच ने अच्छा व्यवहार किया। तीसरे दिन से निश्चित रूप से इसमें ज्यादा टर्न मिलने लगी थी लेकिन आखिर में बात यह थी कि कौन बेहतर प्रदर्शन करता है और हमने यह बखूबी किया।''

गाले (श्रीलंका), 19 अगस्त। भारतीय टीम ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने मेजबान टीम के सामने 372 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी बुधवार को 206 रनों पर सिमट गई। भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 211 रन बनाकर प्लेअर ऑफ दी मैच बने। भारतीय टीम की इस जीत में स्पिन ऑलराउंडर मानव सुथार और बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का अहम योगदान रहा। सुथार ने जहां पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल करते हुए 10 श्रीलंकाई बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा, वहीं पडिक्कल ने अपने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 रन और दूसरी पारी में 44 रनों की पारी खेली। मुकाबले में भारत ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त मिली। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह श्रीलंका को 372 रनों का लक्ष्य मिला था। जवाब में मेजबान टीम 206 रन ही बना पाई। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराया

पूल डी में दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार

अम्स्टेलवीन, 19 अगस्त। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के पूल डी के अपने आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान को 5-3 से हराकर सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बरकरार रखा। इस जीत के साथ भारत ने छह अंक हासिल किए और पूल डी में दूसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में प्रवेश किया। इंग्लैंड तीनों मुकाबले जीतकर पूल में शीर्ष पर रहा, जबकि पाकिस्तान और वेल्स को वर्गीकरण चरण में खेलना होगा।

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए, जबकि अभिषेक ने भी दो गोल दागे। हार्दिक सिंह ने एक गोल किया। पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद ने दो और सुफियान खान ने एक गोल किया। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और बाएं छोर से लगातार हमले किए। पांचवें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत का पहला ड्रैग-फ्लिक रशर के पैर से टकराया, जिसके बाद दोबारा पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान ने इस बार कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलकीपर अली रजा की बाईं ओर भेजकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत ने 11वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। हरमनप्रीत के एरियल पास को अभिषेक ने हासिल किया और उनका प्रयास पाकिस्तान के रक्षकों से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने 21वें मिनट में तीसरा गोल किया। पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत ने रणनीति में बदलाव करते हुए राजिंदर को गेंद दी। उनके शॉट को गोलकीपर ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर हरमनप्रीत ने गेंद को अपने कब्जे में लेकर शानदार गोल दाग दिया। पाकिस्तान ने अगले ही मिनट में वापसी की। मिडफील्ड में विवेक सागर प्रसाद से गेंद छीनने के बाद पाकिस्तान ने हमला बोला। भारतीय गोलकीपर ने मोइन शकील के प्रयास को रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर हन्नान शाहिद ने गोल कर स्कोर 1-3 कर दिया।

भारत ने ज्यादा देर नहीं लगाई और 24वें मिनट में अभिषेक ने शानदार गोल करते हुए बढ़त 4-1 कर दी। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला और सुफियान खान ने गोल करके अंतर 4-2 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने दो-दो गोल किए। तीसरे क्वार्टर में भारत ने 35वें मिनट में फिर तीन गोल की बढ़त हासिल कर ली। आदित्य को सर्कल के अंदर धक्का दिए जाने पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे हार्दिक सिंह ने आसानी से गोल में बदलकर स्कोर 5-2 कर दिया। पाकिस्तान ने हार नहीं मानी और 46वें मिनट में हन्नान शाहिद ने भारत की मिडफील्ड में हुई गलती का फायदा उठाते हुए अपना दूसरा गोल कर स्कोर 5-3 कर दिया। आखिरी क्वार्टर में पाकिस्तान ने लगातार दबाव बनाने की कोशिश की और 58वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसकी रणनीति सफल नहीं हुई। भारत ने अंतिम मिनटों में संयम बनाए रखा और 5-3 की शानदार जीत सुनिश्चित की।

महिला हॉकी विश्व कप: पूल डी में शीर्ष स्थान के लिए आज इंग्लैंड से भिड़ेगी भारतीय टीम

एमस्टेलवीन (नीदरलैंड्स), 19 अगस्त। भारतीय महिला टीम गुरुवार को एमस्टेलवीन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के

पहले चरण के अपने अंतिम मैच में इंग्लैंड से भिड़ते हुए पूल डी में शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश करेगी। सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। भारतीय टीम फिलहाल पूल डी में दो मैचों में चार अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। उसके अंक चीन के बराबर हैं, लेकिन गोल अंतर के आधार पर भारत उससे आगे है। दोनों टीमों के बीच पहला मैच 2-2 से ड्रॉ रहा, जिसके बाद सलीमा टेटे की अगुवाई वाली भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इंग्लैंड की महिला टीम तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी बनाए हुए है।

मुकाबले से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच सोर्ड मारिन ने कहा कि यह एक रोमांचक मैच होगा। पिछली बार हम उनसे (एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर में) हार गए थे और अब यह देखना होगा कि हमने कितनी प्रगति की है और क्या हम उनके करीब पहुंच पाए हैं।

हॉकी इंडिया के अनुसार दक्षिण अफ्रीका पर जीत का एक सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू यह था कि गोल करने की जिम्मेदारी सभी भारतीय खिलाड़ियों में समान रूप से बंटी हुई थी, जिसमें छह अलग-अलग भारतीय खिलाड़ियों ने गोल दागे। इससे इंग्लैंड के खिलाफ उच्च दबाव वाले मुकाबले की तैयारी कर रही भारतीय टीम को और भी प्रोत्साहन मिलता है। भारत के युवा खिलाड़ियों का उभरना भी उनके अभियान की एक खास बात रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्कोर करने वालों में साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो शामिल थीं, जो इस बात का संकेत है कि टीम की अगली पीढ़ी बड़े मंच पर अपनी जगह बनाना शुरू कर रही है। उनकी प्रगति में नेहा, नवनीत कौर, सुशीला चानू जैसी खिलाड़ियों के अनुभव और वर्तमान प्रदर्शन का भी योगदान रहा है। हॉकी इंडिया के मुताबिक कप्तान सलीमा के नेतृत्व में भारत ने यह साबित कर दिया है कि वे टूर्नामेंट की चुनौतियों के अनुरूप ढलने में सक्षम हैं और साथ ही अपने आक्रामक इरादे को भी बरकरार रखते हैं।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 19 अगस्त। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए।

राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है। प्रज्ञानानंदा और मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव ने मुकाबला छोड़ दिया।

सात्विक-चिराग को मिला वॉकओवर, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में सीधे प्री-क्वार्टर में एंट्री

नई दिल्ली, 19 अगस्त। भारत की टॉप-रैंक वाली पुरुष डबल्स जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के राउंड ऑफ़ 16 में पहुँच गई है। उन्हें स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल से वॉकओवर मिला, क्योंकि वे बुधवार को होने वाले मैच से पहले ही हट गए थे। पांचवीं सीड वाली भारतीय जोड़ी को पहले राउंड में बाय मिला था और उन्हें स्कॉटिश जोड़ी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना था, लेकिन उस जोड़ी ने मैच से नाम वापस ले लिया।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने सोशल मीडिया पर इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि वॉकओवर मिलने के बाद भारतीय जोड़ी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुँच गई है। उसी दिन, तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिक्स्ड डबल्स टीम ने राउंड ऑफ़ 32 में मकाऊ के लियोन्ग इओक चोन और एनजी वेंग ची को 21-11, 21-11 से हराकर प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई।

भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पुरुषों के सिंगल्स राउंड ऑफ़ 64 में शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन को 45 मिनट में 16-21, 21-8, 21-4 से हराया। महिलाओं के सिंगल्स में, उन्नित हुड्डा ने पहले राउंड में म्यांमार की थेत हतार थुज़ार को 22-20, 21-16 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। हुड्डा ने कड़े मुकाबले वाले पहले गेम को जीता और फिर दूसरे गेम में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए सीधे गेम में जीत हासिल की।

भारत को महिलाओं के डबल्स में भी सफलता मिली, जहाँ ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अमेरिकी जोड़ी लॉरेन लैम और एलिसन ली को 21-15, 21-12 से हराकर राउंड ऑफ़ 16 में प्रवेश किया। दुनिया में 39वें नंबर की इस भारतीय जोड़ी ने दोनों गेम में अपना दबदबा बनाए रखा।

तनीषा और ध्रुव की बढ़ी हुई स्थिरता, मकाऊ में प्री-क्वार्टर में बनी जगह

नई दिल्ली, 19 अगस्त। तनीषा क्रास्टो का इस पर फैसला बेहद साफ है-'इसका स्वाद घास जैसा है।' कप में क्या होना चाहिए इस पर दोनों की पसंद भले ही अलग हो लेकिन बैडमिंटन कोर्ट पर भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी पिछले दो वर्षों में यह अच्छी तरह समझ चुकी है कि दोनों की भूमिका क्या है। सिंगापुर सुपर 750 में तनीषा के साथ सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले ध्रुव ने कहा, "पिछले दो साल अच्छे रहे हैं। पहले साल हम यह समझते हुए आगे बढ़ रहे थे कि हमें क्या करना है और इसे कैसे हासिल करना है। लेकिन पिछले साल से हमने काफी कुछ सीखा और इस साल चीजें अच्छी चल रही हैं।" उन्होंने कहा, "ऐसे दिन भी आते हैं जब हम अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं होते, लेकिन फिर भी हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि हमें कैसे अधिक स्थिर होना है और मैच में अच्छा प्रदर्शन जारी रखना है।" तनीषा ने कहा, "हमारे भी कुछ खराब दिन होते हैं लेकिन अंत में फिर से एक साथ आना बहुत महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा, "हम साथ बैठकर काफी मैच देखते हैं। इससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि वास्तव में क्या गलत हुआ और हमने क्या अच्छा किया।

अंडर -16 टीम चयन ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों का दो दिवसीय अभ्यास कैंप संपन्न

दौसा, 19 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 16 प्रतियोगिता 05 सितंबर से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 16.08.2026 रविवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर लिया गया।ट्रायल के लिए आए खिलाड़ियों की ट्रायल ली गई ट्रायल में लगभग 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिनमें से 56 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट करके अभ्यास कैंप के लिए बुलाया गया है अभ्यास कैंप राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर मंगलवार एवं बुधवार को सुबह 7:30 बजे आयोजित किया गया फिटनेस कैम्प के अंतर्गत प्रशिक्षित कोच द्वारा खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट लिया गया जूनियर खिलाड़ियों के लिए सीनियर खिलाड़ी ने भी टिप्स दिए

सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि पिछले दो टर्म से अंडर 16 टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है इसलिए उनका पहले अभ्यास कैम्प के अंतर्गत खिलाड़ियों की फिटनेस और उनका यो यो टेस्ट लिया गया सारे खिलाड़ियों की 3 टीम बना कर अभ्यास मैच के आधार पर फाइनल टीम का चयन का चयन किया जाएगा और टीम मैं आवश्यकता पड़ने पर प्रोफेशनल खिलाड़ी भी लिए जाएंगे।

बेंगलुरु नहीं अब चेन्नई में होगा दलीप ट्रॉफी का फाइनल: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली, 19 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले का आयोजन स्थल बदलने का फैसला किया है। अब दलीप ट्रॉफी का फाइनल बेंगलुरु के बजाय चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला 6 सितंबर से शुरू होगा और पांच दिनों तक चलेगा।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार खेले जाएंगे, लेकिन इन मैचों को देखने के लिए आम दर्शकों को मैदान में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा। इसके पीछे सरकारी प्रतिबंधों को वजह बताया गया है। ऐसे में बोर्ड ने फाइनल को चेन्नई ट्रांसफर करने का फैसला किया है, ताकि क्रिकेट प्रशंसक स्टेडियम में बैठकर देश के शीर्ष खिलाड़ियों को खेलते हुए देख सकें। सैकिया के मुताबिक, बेंगलुरु के उत्कृष्टता केंद्र में दो क्वार्टर फाइनल और दो सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। हालांकि, वहां आम लोगों के लिए प्रवेश की अनुमति नहीं होने के कारण फाइनल के आयोजन स्थल में बदलाव किया गया है। चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम देश के प्रमुख क्रिकेट मैदानों में शामिल है और यहां बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, दलीप

ट्रॉफी का इस बार का आयोजन 23 अगस्त से शुरू होगा। यह अंतर-क्षेत्रीय लाल गेंद वाला बहुदिवसीय टूर्नामेंट है, जिसमें देश के अलग-अलग क्षेत्रों की टीमें हिस्सा लेंगी। शुरुआती चरण में दो क्वार्टर फाइनल एक साथ खेले जाएंगे। पहले मुकाबले में पूर्व क्षेत्र का सामना पूर्वोत्तर क्षेत्र से होगा, जबकि दूसरे क्वार्टर फाइनल में उत्तर क्षेत्र और पश्चिम क्षेत्र आमने-सामने होंगे। क्वार्टर फाइनल मुकाबले चार-चार दिन के होंगे और इनकी शुरुआत 23 अगस्त से होगी। इसके बाद दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 30 अगस्त से शुरू होंगे। इन मुकाबलों के बाद फाइनल के लिए दोनों विजेता टीमें चेन्नई पहुंचेंगी। फाइनल छह सितंबर से खेला जाएगा और यह पांच दिन का मुकाबला होगा।

गौरतलब है कि दलीप ट्रॉफी में देश के कई प्रमुख और उभरते हुए क्रिकेटरों को लाल गेंद के प्रारूप में खुद को साबित करने का मौका मिलता है। घरेलू क्रिकेट का यह टूर्नामेंट भारतीय टीम के लिए भी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने का महत्वपूर्ण मंच माना जाता है। खास तौर पर टेस्ट क्रिकेट के लिए खिलाड़ियों की तैयारी में ऐसे मुकाबलों की अहम भूमिका रहती है।

एशियाई यूथ हैंडबॉल में राजस्थान के मानवेन्द्र सिंह करेंगे देश का प्रतिनिधित्व, भारतीय टीम जॉर्डन रवाना

जयपुर, 19 अगस्त। अम्मान (जॉर्डन) में 20 से 31 अगस्त तक होने वाली 11वीं एशियाई पुरुष यूथ हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय टीम बुधवार को जॉर्डन रवाना हो गई। इस टीम में राजस्थान के मानवेन्द्र सिंह का चयन हुआ है।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय टीम में पीवट पोजीशन पर चयनित मानवेन्द्र सिंह जोधपुर के भालासरिया गाँव का है तथा गत वर्ष से राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा जैसलमेर में संचालित बालक हैंडबॉल अकादमी का खिलाड़ी है।

उन्होंने बताया कि भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 22 जुलाई से 18 अगस्त तक अलीगढ़ स्थित पावना स्पोर्ट्स फाउंडेशन के इंडोर हैंडबॉल स्टेडियम में लगाया गया था। पावना स्पोर्ट्स फाउंडेशन की गोल्डन ईगल हैंडबॉल अकैडमी के

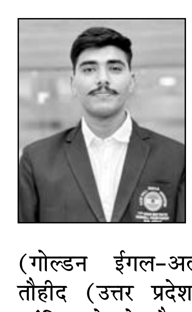

लिए अनुबंधित विदेशी कोच पुर्तगाल के फर्नांडो नुएनस भारतीय टीम के कोच के रूप में गए है। अन्य प्रशिक्षकों में पी. कीर्ति वेंकटेश (गोल्डन ईगल-अलीगढ़), मोहम्मद तौहीद (उत्तर प्रदेश), नवीन मलिक (इंडियन रेलवे) है।

मानवेंद्र सिंह के चयन पर राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल, मानद सचिव यश प्रताप सिंह सहित समस्त कार्यकारिणी ने बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए कामना की कि राजस्थान का यह युवा खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेगा।

पेशेवर खिलाड़ी प्रखर असावा शानदार प्रदर्शन कर संयुक्त रूप से 7वें स्थान पर पहुंचे

जयपुर, 19 अगस्त। होल चौम्पियनशिप गोल्फ कोर्स को प्रसिद्ध गोल्फ कर्नाटक के कोलार में स्थित 18 कोर्स डिजाइनर रॉनल्ड फ्रीम ने डिजाइन किया है। यह कोर्स विस्तृत ग्रेनाइट चट्टानी भू-भाग, लाल-भूरे रंग के विशाल पत्थरों और जगह-जगह फैली झीलों के बीच सुंदर रूप से निर्मित है, जिसमें लहरदार एवं उतार-चढ़ाव वाले फेयरवे और ग्रीन्स हैं। यह कोर्स 7,300 गज से अधिक लंबा है।

ज़ायोन हिल्स गोल्फ़ काउंटी का चौम्पियनशिप लेआउट अपने व्यापक ऊंचाई परिवर्तन, ग्रेनाइट से भरे फेयरवे, जल अवरोधों और लगातार बदलती तेज क्रॉस विंड के कारण भारतीय गोल्फ के सबसे चुनौतीपूर्ण कोर्सों में से एक माना जाता है। विशेष रूप से होल नंबर 6, 7, 8 और 9 अत्यंत चुनौतीपूर्ण हैं, जहां जल अवरोध, गेंद के उतरने के लिए संकरे क्षेत्र और घने रफ के कारण खिलाडियों

की क्षमता की कडी परीक्षा होती है।

ऐसी कठिन परिस्थितियों में रामबाग गोल्फ क्लब के पेशेवर खिलाडी प्रखर असावा के शानदार प्रदर्शन ने उनके खेल कौशल और धैर्य को विशेष रूप से उल्लेखनीय बना दिया है। प्रखर ने बेहतरीन गोल्फिंग क्षमता और रणनीतिक समझ का प्रदर्शन करते हुए लगातार वन-अंडर-पार के राउंड खेले और प्रतियोगिता के दूसरे दिन की समाप्ति पर संयुक्त रूप से 7वें स्थान पर हैं। दोनों दिनों के प्रदर्शन को मिलाकर प्रखर ने अब तक 9 बर्डी, 20 पार और 7 बोगी दर्ज की हैं। देशभर के 125 शीर्ष गोल्फरों की बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच उनका यह प्रदर्शन निश्चित रूप से सराहनीय और उल्लेखनीय है।

राजस्थान राज्य जूनियर बालिका एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शुभारम्भ

जयपुर, 19 अगस्त। राजस्थान एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में पटेल स्टेडियम, अजमेर में आयोजित राजस्थान राज्य जूनियर बालिका एथलेटिक्स चैंपियनशिप राज्य प्रतियोगिता का आज पटेल स्टेडियम, अजमेर में शुभारम्भ हुआ।

प्रतियोगिता में प्रथम दिवस के परिणाम निम्न अनुसार हैं : अंडर 20 5000 मीटर रेस वॉक मनीषा बाड़मेर प्रथम खुशबू यादव अलवर द्वितीय प्रियंका चूरू तृतीय, अंडर 18 3000 मीटर रेस वॉक रिया राठौर जयपुर प्रथम पूजा लोहार राजसमंद द्वितीय प्रतिज्ञा चूरू तृतीय। **अंडर 20 वर्ष 5000 मीटर दौड़** चेतन यादव अलवर प्रथम शिवानी शर्मा भीलवाड़ा द्वितीय टीना कुमारी भीलवाड़ा तृतीय अंडर 16 80 मीटर हर्डल रोशन चौधरी ए यू फाउंडेशन प्रथम रितिका सियाग जोधपुर द्वितीय ज्योति सुथार भीलवाड़ा तृतीय, अंडर 18 00 मीटर हर्डल सुरभि बिश्नोई जोधपुर प्रथम आंचल बिरधा नागौर द्वितीय नेहा यादव जोधपुर तृतीय। अंडर 20 पूनम हनुमानगढ़ प्रथम प्रियांशी खंडेलवाल अलवर द्वितीय निरमा कुमारी बीकानेर तृतीय, **अंडर 20 वर्ष गोला फैंक** रीना चौधरी अजमेर प्रथम अंजलि चूरू द्वितीय

भूमि चौधरी कोटा तृतीय, अंडर 18 गोला फेंक द्रोणा चौधरी श्रीगंगानगर प्रथम सबीना खान पाली द्वितीय रिंकू चुरु तृतीय। **अंडर 20 1500 मीटर दौड़** मुस्कान अलवर प्रथम खुशबू नागौर द्वितीय चेतन यादव अलवर तृतीय। **अंडर 20 भाला फेंक** नीलम चौधरी जोधपुर प्रथम खुशी वर्मा कोटा द्वितीय पूनम जोधपुर तृतीय। **अंडर 18 भाला फेंक** सिया बंजारा अजमेर प्रथम दिलखुश चौधरी जयपुर पूनम गुर्जर करौली तृतीय। **अंडर 16 गोला फैंक** मोनिका बिश्नोई जोधपुर प्रथम जायदा पाली द्वितीय राधा सुंडा चूरू तृतीय।

अंडर 18 लंबी कूद ज्योति जांगिड़ बाड़मेर प्रथम किरण अजमेर द्वितीय रिया झुंझुनू तृतीय, **अंडर 16 भाला फेंक** प्रियांशी नागौर प्रथम अंजलि कलवानिया सीकर द्वितीय कल्पना कग्रत पाली तृतीय। **अंडर 18 हाई जंप** में आराध्या चौधरी नागौर प्रथम अनीता नागौर द्वितीय मितल श्री गंगानगर तृतीय। **अंडर 18 1000 मी दौड़** दीपिका सीकर प्रथम साजिया चूरू द्वितीय पूजा सुंडा चूरू तृतीय, ट्रायथलॉन ए **अंडर 14** प्रतिज्ञा गोदारा सीकर प्रथम वर्षा अलवर द्वितीय हर्षिता चौधरी नागौर तृतीय, ट्रायथलॉन **अंडर** 14 हरलीन महला सीकर प्रथम पायल सैनी बीकानेर द्वितीय दिव्या सुवाल धौलपुर तृतीय, ट्रायथलॉन **अंडर** 14 रीत श्रीगंगानगर प्रथम आईना कंवर चूरू द्वितीय अंकिता भाकर चूरू तृतीय, **अंडर 20 400 मी दौड़** नव्या अलवर प्रथम नंदिनी अजमेर द्वितीय हर्षिका जयपुर तृतीय **अंडर 16/60 मीटर दौड़** अभिशा चौधरी हनुमानगढ़ प्रथम मानवी मीणा जयपुर द्वितीय हिना भालोठिया भीलवाड़ा तृतीय अंडर 20 100 मीटर दौड़ नीतू चौधरी जयपुर प्रथम माही कुंतल भरतपुर द्वितीय निशा शर्मा झुंझुनू तृतीय।

एमजीडी गर्ल्स स्कूल में इंटर-हाउस खेलकूद प्रतियोगिता शुरू, मैदान में छात्राओं ने दिखाया दमखम

जयपुर, 19 अगस्त। महारानी गायत्री देवी (एमजीडी) गर्ल्स स्कूल में बुधवार को वार्षिक इंटर-हाउस खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 का विधिवत आगाज़ हुआ। उद्घाटन समारोह में विद्यालय की निदेशिका अर्चना एस. मनकोटिया ने छात्राओं को खेल भावना और अनुशासन के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात सभी प्रतिभागियों ने खेल मर्यादा और टीम भावना की शपथ ली।

प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न मैदानों पर कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खो-खो और क्रिकेट में फ्लोरेंस नाइटिंगेल व मैडम क्यूरी हाउस ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बढ़त बनाई, जबकि थ्रोबॉल में मैडम क्यूरी और फ्लोरेंस नाइटिंगेल हाउस विजयी रहे। 6-ए-साइड हॉकी के मुकाबलों में हेलेन केलर और सरोजिनी नायडू हाउस ने बाजी मारी। वहीं बास्केटबॉल और टेनिस स्पर्धाओं में मैडम क्यूरी व सरोजिनी नायडू हाउस की टीमों ने शानदार खेल का

प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

इसके अतिरिक्त टेबल टेनिस, बैडमिंटन, ताइक्वांडो और शतरंज के शुरुआती मुकाबले भी पूरे उत्साह के साथ खेले गए। टूर्नामेंट के दूसरे दिन टेनिस और टेबल टेनिस के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

राजीव गाँधी स्मृति लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड समारोह आज

जयपुर 19 अगस्त। राजीव गाँधी किकेट क्लब द्वारा दिनांक 20 अगस्त को आर सी ए एकेडमी में सांय 5 बजे राजीव गाँधी स्मृति लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड प्रदान किया जाऐगा। यह अवार्ड राजस्थान में किकेट के खेल को अहम उँचाईयों तक पहुँचाने व बढावा देने के लिए दिया जाता है। अवार्ड समारोह में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रोहित बोहरा व विधायक रफीक खान सहित अन्य अतिथियों द्वारा डॉ. सी पी जोशी को अवार्ड से सम्मानित किया जाऐगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. सी पी जौशी के राजस्थान किकेट संघ के अध्यक्ष के कार्यकाल में राजस्थान की रणजी टीम सन् 2011 व 2012 में लगातार 2 बार रणजी चैम्पीयन बनी। सन् 2017 में डॉ. सी पी जोशी दोबारा राजस्थान किकेट संघ के अध्यक्ष बने तो उन्होनें ही आर सी ए पर 5 वर्षो से चल रहा प्रतिबन्ध हटवाया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम घोषित

नई दिल्ली, 19 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम पहली बार जिम्बाब्वे का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमें पहली बार पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में आमने-सामने होंगी।

अगले महीने 11 से 19 सितंबर तक होने वाली इस सीरीज के लिए प्रोटियाज महिला राष्ट्रीय चयन पैनल ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की।सीरीज के सभी पांच मुकाबले जिम्बाब्वे के बुलावायो स्थित क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। टीम का कमान लौरा वोल्वाड्ट के हाथों में होगी। टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है, जिनमें तीन खिलाड़ी ऐसी हैं, जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है।तेज गेंदबाज केटलिन विंगार्ड को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम: लौरा वोल्वाड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, एनेरी डर्कसन, अयांडा हलुबी, सिनालो जाफ्ता, एलिज-मारी मार्क्स, काराबो मेसो, सेशनी नायडू, लुयांडा न्जुजा, कायला रेनेके, नथाबिसेंग निनि, नोंडुमिसो शांगासे, मियाने स्मिट, फे टुनिकलिफ और केटलिन वेनगार्ड।

भाजपा विधायक दल की बैठक में फ्लोर मैनेजमैंट पर विस्तार से चर्चा हुई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विपक्ष के आरोपों का संयमित तरीके से जवाब देने की सलाह दी

जयपुर, 19 अगस्त। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र से ठीक पहले बुधवार को मुख्यमंत्री निवास (सीएमआर) में भाजपा विधायक दल की अहम बैठक हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकार ने सदन के भीतर विपक्ष के सवालों और संभावित हमलों का जवाब देने के साथ ही अपनी उपलब्धियों को प्रभावी तरीके से रखने की रणनीति पर मंथन किया।

- सूत्रों के अनुसार, विपक्ष की ओर से उठाये जाने वाले संभावित मुद्दों, सरकार के मंत्रियों व विधायकों की भूमिका तथा सदन में एकजुटता बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश दिये गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को भाजपा विधायक दल की बैठक ली। इस दौरान बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिपरिषद के सदस्य एवं भाजपा विधायक मौजूद रहे।

बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित, मंत्रिपरिषद के सदस्य और भाजपा विधायक मौजूद थे।

बैठक में मानसून सत्र के दौरान फ्लोर मैनेजमेंट को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले संभावित मुद्दों, सरकार के मंत्रियों और विधायकों की भूमिका तथा सदन में एकजुटता बनाए रखने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए।

सरकार की ओर से यह रणनीति बनाई गई कि विपक्ष को सरकार को घेरने का कोई ऐसा अवसर नहीं दिया जाए, जिससे सदन में राजनीतिक दबाव की स्थिति बने।

बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा विधायकों को सदन की कार्यवाही के दौरान सरकार के पक्ष को मजबूती से रखने और विपक्ष के आरोपों का संयमित तरीके से जवाब देने पर जोर दिया। पार्टी नेतृत्व की कोशिश है कि मानसून सत्र में सरकार की राजनीतिक और प्रशासनिक उपलब्धियां प्रमुखता से सामने आएं और विपक्ष के मुद्दों का प्रभावी तरीके से जवाब दिया जा सके।

गुजरात में नकली ''रॉयल स्टैग'' शराब से 3 की मौत

भावनगर (गुजरात), 19 अगस्त। भावनगर जिले में नकली 'रॉयल स्टैग' ब्रांड की शराब का कहर बरपा है। जहरीली शराब के सेवन की आशंका के बीच दो और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़ कर तीन पहुंच गई है। जिला कलेक्टर के अनुसार, फिलहाल सिविल अस्पताल में 8 और निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों की हालत सामान्य है।राज्य सरकार ने घटना की जांच स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) को सौंप दी है।एसएमसी के एसपी मयूर चावड़ा को तत्काल भावनगर भेजकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि घोघा तहसील के खरकड़ी गांव में 16 अगस्त की रात सात दोस्तों ने शराब पार्टी की।

असम के 115 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

3206 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढ ांचे को नुकसान पहुंचा है।

सपा नेता आजम खान के दस ठिकानों पर ईडी ने छापे मारे

यह कार्यवाही मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट एवं विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉण्ड्रिंग मामले में की गई

लखनऊ, 19 अगस्त। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

इसी क्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल ऑफिस ने बुधवार को आजम खान के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। रामपुर से लेकर सहारनपुर और दिल्ली तक 10 ठिकानों पर यह कार्रवाई चल रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर से जुड़ी मनीलॉड्रिंग मामले की चल रही जांच के सिलसिले में है। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत, ईडी की कार्रवाई चल रही है। जांच में कॉन्ट्रैकर्स और ट्रस्ट के बीच पैसे के लेनदेन और अन्य जानकारियां मिली हैं। जांच एजेंसियां इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि ट्रस्ट को जो फंड मिला है वह वैध है या नहीं। साथ ही इन पैसों का इस्तेमाल विश्वविद्यालय के काम में किया गया है या कहीं और इसका इस्तेमाल हुआ।

- जांच एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि ट्रस्ट को जो फंड मिला, वो वैध है या नहीं। साथ ही इन पैसों का उपयोग विश्वविद्यालय के काम में किया गया या कहीं और खर्च हुआ।

उल्लेखनीय है कि आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट का मुख्यालय लखनऊ में है, जिसके मुख्य ट्रस्टी सपा नेता आजम खान ही हैं। उनके अलावा परिवार के कुछ सदस्य और सहयोगी भी ट्रस्ट में शामिल हैं। यह ट्रस्ट रामपुर जिले में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय और एक पब्लिक स्कूल का भी संचालन करता है।

जुलाई, 2026 में रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) की ओर से विश्वविद्यालय की 40 में से 38 इमारतों को गिराने का आदेश जारी हुआ था। जिसे लेकर काफी विवाद हुआ और बाद में इस पर अंतरिम रोक लगा दी गई।

परीक्षा रद्द हुई, नियुक्त कर्मियों को हटाने के आदेश को अदालत में चुनौती

याचिका के अनुसार 11 वीं से 13 वीं जेपीएससी परीक्षा में सफल 342 अभ्यर्थी नौकरी कर रहे हैं

रांची, 19 अगस्त । झारखंड सरकार की ओर से 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के आधार पर नियुक्त कर्मियों को हटाने के आदेश को झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता सोनम कुमारी ने सरकार की उस अधिसूचना को चुनौती दी है, जिसमें विज्ञापन संख्या 1/2024 के तहत आयोजित 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को रद्द कर दिया गया है।

याचिका में सोनम कुमारी ने कहा है कि उन्होंने दूसरी जगह की नौकरी छोड़कर झारखंड में परीक्षा दी थी। उन्हें 24 नवंबर 2025 को नियुक्ति पत्र मिला था और उन्होंने प्रशिक्षण भी पूरा किया। इसी बीच राज्य सरकार ने 18 अगस्त 2026 को अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति रद्द कर दी। याचिकाकर्ता ने नियुक्ति रद्द करने संबंधी सरकार के आदेश को निरस्त करने का आग्रह उच्च न्यायालय से किया है। बताया गया है कि इस परीक्षा में सफल 342 अभ्यर्थी वर्तमान में नौकरी कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने टीडीपीएल से जुड़ी सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी। इसके अलावा वर्ष 2014 से आयोजित सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं को देखते हुए जांच कराने का भी निर्णय लिया गया है।

- झारखंड सरकार की अधिसूचना में 22 परीक्षाओं को रद्द करने, 6 वी प्रक्रिया स्थगित करने तथा 18 परीक्षाओं को जांच के दायरे में शामिल किया गया है।

इसी के मद्देनजर कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने परीक्षाएं रद्द करने, परीक्षा प्रक्रिया स्थगित करने और जांच कराने से संबंधित अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में 22 परीक्षाओं को रद्द करने, छह परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित करने और 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में शामिल करने का उल्लेख किया गया है।

जेपी नड्डा को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रहने के बाद उनकी स्थिति लगातार बेहतर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया।

ट्रिब्यूनल बेटे-बहु को संपत्ति से बेदखल कर सकता है -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को लेकर एक अहम फैसले में साफ कहा है कि अगर किसी बुजुर्ग के भरण-पोषण, सुरक्षा और सम्मान के लिए जरुरी हो तो संबंधित ट्रिब्यूनल उनकी संपत्ति से बेटे-बहू को बेदखल करने का आदेश दे सकता है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया।

कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना कानून का अहम उद्देश्य है। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को भी रद्द कर दिया, जिसमें बेटे और बहू को संपत्ति से बाहर करने के ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द कर दिया गया था।

मामला लखनऊ के विकास नगर स्थित एक मकान से जुड़ा हुआ है। मकान के मालिक रविकांत गुप्ता ने अपने बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। गुप्ता का आरोप था कि उनके बेटे ने 81 वर्षीय उनकी मां यानी अपनी दादी को घर में नहीं रहने दिया और कथित तौर पर उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद बुजुर्ग महिला को वृद्धाश्रम जाना पड़ा।

व्यवस्था मजबूत दिखती है, पर स्थाई व संस्थागत रुप देना जरुरी

नई दिल्ली, 19 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को निर्देश दिया है कि वह नीट परीक्षा में सुधारों को संस्थागत रूप दे। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच कहा कि कागज पर तो व्यवस्था मजबूत दिखती है लेकिन इसे स्थायी और संस्थागत रुप देना जरुरी है।

मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने परीक्षा प्रक्रिया का विस्तृत ब्यौरा दिया।

केन-बेतवा लिंक के खिलाफ सत्याग्रह को राहुल गांधी ने समर्थन दिया

नई दिल्ली/भोपाल, 19 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश की दो नदियों को जोड़ने वाली प्रस्तावित केन-बेतवा नदी-लिंक परियोजना के खिलाफ सत्याग्रह कर रहे आदिवासियों को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में वे आदिवासी भाई-बहनों के साथ हैं। वे इस मुद्दे को लोकसभा में उठाएंगे।

मध्य प्रदेश के छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना के खिलाफ चल रहे आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर ने आंदोलनकारी आदिवासियों के साथ बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं, विस्थापन, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राहुल गांधी के सामने रखा। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो साझा कर आंदोलनकारियों के संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अपने जायज हक की लड़ाई लड़ रहे बुंदेलखंड के निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं। राहुल ने भरोसा दिलाया कि आदिवासी परिवारों की इस लड़ाई में वे और कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने आंदोलनकारियों को भरोसा दिलाया कि उनके पुनर्वास, भूमि अधिकार और जबरन बेदखली के खिलाफ आवाज को संसद में प्रमुखता से उठाया जाएगा।

- परियोजना के खिलाफ आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर बुधवार को राहुल गांधी से मिले

कोलकाता : होटल की तीसरी मंजिल की आग में 9 की मौत

आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के कई होटल चपेटे में आ गये

कोलकाता, 19 अगस्त। कोलकाता के फ्री स्कूल स्ट्रीट इलाके में मंगलवार देर रात एक होटल में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के कई होटल भी इसकी चपेट में आ गए। धुएं से दम घुटने के कारण कई लोग बेहोश हो गए, जिन्हें मौके से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, रात दो बजे से कुछ पहले होटल की तीसरी मंजिल पर आग लगी। देखते ही देखते होटल के कमरों में धुआं भर गया और आग आसपास के हिस्सों तक फैल गई। होटल में ठहरे लोगों में भगदड़ मच गई और लोग जान बचाने के लिए बाहर निकलने की कोशिश करने लगे।

- होटल संकरी गली में होने के कारण दमकल की गाड़ियों को काफी अंदर तक ले जाना संभव नहीं था। शुरुआत में दमकलकर्मियों ने बाहर से ही आग बुझाने की कोशिश की।

दमकल विभाग को रात 2 बजकर 7 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। न्यू मार्केट थाने की पुलिस और आपदा प्रबंधन दल भी घटनास्थल पर पहुंच गये। होटल संकरी गली में स्थित होने के कारण दमकल की गाड़ियों को काफी अंदर तक ले जाना संभव नहीं था। ऐसे में दमकलकर्मियों ने शुरुआत में बाहर से आग बुझाने की कोशिश की। बाद में वे होटल के भीतर दाखिल हुए और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। दमकल विभाग के शुरुआती अनुमान के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लग सकती है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने कोलकाता अग्निकांड पर दुःख जताया

नई दिल्ली, 19 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोलकाता के फ्री स्कूल स्ट्रीट इलाके में मंगलवार देर रात एक होटल में आग लगने से नौ लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने बुधवार को कोलकाता अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि कोलकाता में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोक संपत्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अग्निकांड पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

हाथी नहीं गणेश हैं... ब्रह्मा, विष्णु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चर्चा और चिंता शुरू हो गई है। बहुजन समाज के लोगों से इन राजनीतिक रणनीतियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

मायावती ने आगामी चुनावों में सवर्ण समुदायों से और अधिक उम्मीदवार उतारने का वादा किया है।

2007 में मायावती की शानदार जीत का श्रेय उस व्यापक सामाजिक गठबंधन को दिया गया था, जिसमें उन्होंने ब्राह्मणों और अन्य सवर्ण जातियों के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ लिया था।

2007 में बसपा ने 206 विधानसभा सीटें जीती थीं और उसे 30 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे। लेकिन इसके बाद हुए चुनावों में पार्टी लगातार कमज़ोर होती गई।

2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा का वोट शेयर 12 प्रतिशत से नीचे चला गया और पार्टी केवल एक विधानसभा सीट जीत सकी।

2024 के लोकसभा चुनाव में मायावती की पार्टी उत्तर प्रदेश में एक भी सीट नहीं जीत सकी और उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से नीचे आ गया।

मायावती की ब्राह्मणों को दोबारा अपने पाले में लाने की कोशिश को 2007 के पुराने गौरव को वापस पाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मतदाताओं में ब्राह्मणों की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है और पिछले कई चुनावों में उनका भारी बहुमत भाजपा के पक्ष में जाता रहा है। इस साल जनवरी में अपने जन्मदिन के अवसर पर दिए गए भाषण में भी मायावती ने मतदाताओं को बसपा सरकारों के दौरान ब्राह्मणों को मिले राजनीतिक महत्व और प्रतिनिधित्व की याद दिलाई थी।

उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा के शासन में इस समुदाय की उपेक्षा हो रही है।

क्या भाजपा का ब्राह्मण वोट बैंक टूटेगा?

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या मायावती का बार-बार 2007 की सफलता का हवाला देना उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों और भाजपा के बीच मजबूत राजनीतिक संबंध को कमजोर कर पाएगा?

''सीएसडीएस-लोक नीति'' के आंकड़ों के अनुसार, 2022 के विधानसभा चुनाव में 89 प्रतिशत ब्राह्मणों ने भाजपा को वोट दिया था। इसके अलावा 87 प्रतिशत ठाकुर/राजपूत, 83 प्रतिशत वैश्य और 78 प्रतिशत अन्य सवर्ण मतदाताओं ने भी भाजपा का समर्थन किया था।

इसके साथ ही बसपा के सामने दलित वोटों के भाजपा की ओर खिसकने की चुनौती भी है।

राज्य के कुल मतदाताओं में 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले दलितों का एक वर्ग पिछले कुछ चुनावों में भाजपा की ओर गया है। मायावती की बसपा को लेकर यह धारणा मजबूत हुई है कि वह एक जनआंदोलन से बदलकर एक व्यक्ति-केन्द्रित पार्टी बन गई है।

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी अपने ''पीडीए'', पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के नारे के जरिए दलित मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में यह रणनीति सपा के लिए सफल रही थी और पार्टी ने भाजपा को चौंकाते हुए उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन किया था।

प्रदेश में सरकारी स्कूल के बच्चों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

65,000 सरकारी स्कूलों में 69 लाख से अधिक स्कूली बच्चों को लाभ पहुंचाना है। इस योजना के तहत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को गर्म दूध उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन शिक्षा विभाग के आंतरिक आंकड़ों के अनुसार, राज्यभर में दूध पाउडर की आपूर्ति 58 प्रतिशत कम हो रही है। यह स्थिति बताती है कि खरीद से लेकर भुगतान, परिवहन और निगरानी तक पूरी आपूर्ति श्रृंखला कई स्तरों पर प्रभावित हुई है।

हाल की तीन महीने की निगरानी अवधि में राजस्थान ने अनुमान लगाया कि योजना के लिए 3,756.43 मीट्रिक टन स्किम्ड मिल्क पाउडर की आवश्यकता है। इसके मुकाबले केवल 1,573.81 मीट्रिक टन, यानी आवश्यकता का 41.9 प्रतिशत ही उपलब्ध हो पा रहा है।

कम से कम 41 में से 17 शैक्षणिक जिलों में स्कूलों तक दूध पाउडर की कोई आपूर्ति नहीं हुई। पता चला है कि अलवर, भरतपुर, उदयपुर, बीकानेर और कोटा जैसे कई प्रमुख जिलों में दूध वितरण पूरी तरह बंद है।

तत्काल समस्या सरकार की खरीद और वितरण व्यवस्था के भीतर दिखाई देती है। राज्य शिक्षा विभाग और राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) सुचारू आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहे हैं। कथित तौर पर कई महीने पहले आवंटन मंजूर हो चुके थे, लेकिन खरीद और वितरण प्रक्रिया अटकी रही। डेयरी फैडरेशनों को किए जाने वाले लंबित भुगतान ने स्थिति को और जटिल बना दिया।

- इसके अलावा स्कूलों में दूध पाउडर का एक्सपायरी डेट स्टॉक भी पड़ा है।
- इस योजना के तहत राजस्थान सहकारी डेयरी संघ अतिरिक्त दूध खरीद कर उसका पाउडर बनाता है। वह पाउडर स्कूलों में भेजा जाता है, यहाँ गर्म पानी मिलाकर पाउडर से दूध बना कर बच्चों को दिया जाता है।

इसके अलावा, दूध पाउडर की कालाबाजारी का भी खतरा सामने आया है। जाँच से पता चला कि जब सरकारी स्कूल दूध के लिए जूझ रहे हैं, वहीं बच्चों के लिए निर्धारित कुछ स्टॉक को कथित तौर पर व्यावसायिक बाजार में भेजा जा रहा था।

जयपुर जिले के चीथवाड़ी गांव में पुलिस ने एक वाहन को पकड़ा, जिसमें करीब 3,000 किलोग्राम सरकारी दूध पाउडर ले जाया जा रहा था। बताया गया कि इन बोरियों पर लिखा था ''बिक्री के लिए नहीं, केवल स्कूल आपूर्ति के लिए।''

आरोप है कि इस दूध पाउडर को व्यावसायिक स्तर पर मावा (खोया) बनाने वाले निर्माताओं तक पहुंचाया जा रहा था।

इसके बाद आरसीडीएफ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और एफआईआर दर्ज की गई। जांचकर्ताओं ने पाया कि कथित तौर पर स्कूलों की उपस्थिति के रिकॉर्ड में हेरफेर करके दूध की अधिक खपत या अतिरिक्त स्टॉक दिखाया गया, जिससे दूध पाउडर को कथित रूप से बाहर निकालने का रास्ता बनाया जा सके।

योजना के तहत, आरसीडीएफ दूध पाउडर उपलब्ध कराता है। आरसीडीएफ दूध की खरीद करता है और अतिरिक्त दूध को पाउडर में गुनगुने पानी में मिलाकर दूध तैयार किया जाता है। लेकिन आपूर्ति संकट ने अब खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर समस्या भी पैदा कर दी है।

जब्त किए गए स्टॉक में एक्सपायर हो चुका दूध पाउडर भी शामिल था। नई खरीद में देरी के कारण स्कूलों में पिछले समय का बचा हुआ स्टॉक पड़ा हुआ है। शिक्षा विभाग ने स्कूलों को चेतावनी जारी करते हुए निर्देश दिया है कि दूध पाउडर का इस्तेमाल करने से पहले उसकी निर्माण तिथि और समाप्ति तिथि की अनिवार्य रूप से जांच की जाए।

मुफ्त ऑन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तैयारी के लिए समान अवसर मिल सके।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से अपने संबोधन में मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था, कोचिंग कक्षाएं गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों पर बोझ हैं। हम विभिन्न परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराएंगे।''

बैठक का उद्देश्य देशभर के छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण शैक्षिणक सामग्री, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और व्यवस्थित परीक्षा तैयारी की सुविधा पहुंचाने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म तैयार करना है।

28 में से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य चार मुख्यमंत्रियों, सिक्किम के पी. एस. तमांग, पंजाब के भगवंत मान, ओडिशा के मोहन चरण माझी और राजस्थान के भजनलाल शर्मा के खिलाफ एक-एक मामला बताया गया है। हंसारिया द्वारा दाखिल 96 पृष्ठों की रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे विधायकों का प्रतिशत सबसे अधिक पश्चिम बंगाल में 58 प्रतिशत है। राज्य के 292 विधायकों में से 170 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं। इसके बाद केरल में 57 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 56 प्रतिशत, तेलंगाना में 49 प्रतिशत, झारखंड और ओडिशा में 45-45 प्रतिशत, बिहार में 42 प्रतिशत और महाराष्ट्र में 40 प्रतिशत विधायकों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा के 170 सांसदों, यानी 543 सदस्यों वाले सदन की कुल संख्या के करीब 31 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ भी गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं।

कांग्रेस ने तय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे एक गंभीर सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या कांग्रेस कमजोर, अधूरे और कटे-छंटे संगठन के साथ भाजपा का मुकाबला करते हुए चुनाव जीत सकती है?

होर्मुज़ स्ट्रेट पर ईरान का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एंडी लिपो के अनुसार, कुवैत, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल ले जाने और अपने तेल को गल्फ ऑफ ओमान में खतरे वाले इलाके के बाहर ग्राहकों के टैंकरों में ट्रांसफर करने के लिए कच्चे तेल के बहुत बड़े जहाज (वैरी लार्ज क्रूड कैरियर) किराए पर लिए हैं।

कुछ तेल टैंकरों ने ईरानी हमलों से बचने के लिए कई हफ्तों से अपने ट्रांसपॉण्डर बंद कर रखे हैं। केप्लर जैसे पारंपरिक व सामान्य ट्रैकिंग सिस्टम के लिए इस ''डार्क ट्रैफिक'' का पता लगाना मुश्किल हो सकता है, हालांकि सैटलाइट कभी-कभी इन जहाजों का पता लगा लेते हैं।

तथापि, अमेरिका की इस जलमार्ग पर व्यापक सैन्य निगरानी है और उसका दावा है कि उसके पास जहाजों की आवाजाही की कहीं अधिक विस्तृत जानकारी है। ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पिछले सप्ताह कहा था कि एक सप्ताह के दौरान जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले तेल और इसके आसपास से दूसरे रास्ते से भेजे गए तेल को मिलाकर लगभग 1.5 करोड़ बैरल प्रतिदिन की आवाजाही हुई। यह युद्ध से पहले के करीब 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन के औसत के काफी करीब है।

होर्मुज़ किसी भी पक्ष का पूरा नियंत्रण नहीं है। इस स्थिति ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को यह दावा करने के लिए प्रेरित किया है कि अमेरिका का जलडमरूमध्य पर ''पूरा नियंत्रण'' है। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल है।

ईरान अब भी लगातार जहाजों पर हमले कर रहा है और तेल की आवाजाही युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। इससे अमेरिका के पूर्व नियंत्रण का दावा करना मुश्किल है।

साथ ही, ईरान भी अब यह विश्वसनीय रूप से दावा नहीं कर सकता कि जलडमरूमध्य पर उसका बिना किसी चुनौती के पूरा नियंत्रण है। पिकरिंग ने कहा, अगर उनका लक्ष्य 'प्रभारी' बनना है, तो मैं कहूंगा कि शुरुआत से ही उनका इस पर पूरी तरह नियंत्रण कभी नहीं था। उनके अनुसार, ईरान का उद्देश्य शायद पूरी तरह नियंत्रण रखने के बजाय डर बनाए रखना हो सकता है, जिससे यह दिखाया जा सके कि वह जहाजों की आवाजाही पर आर्थिक नुकसान पहुँचाने की क्षमता रखता है।

हालांकि, यह डर पैदा करने की उसकी क्षमता एक या दो महीने पहले की तुलना में कमजोर दिखाई दे रही है। अगर तेल की आवाजाही के बारे में अमेरिका के अनुमान मोटे तौर पर सही हैं, तो अब अधिक संख्या में टैंकर ईरान के प्रतिबंधों को चुनौती देने और अमेरिकी सुरक्षा में जलडमरूमध्य से गुजरने को तैयार हैं।

अब सबसे बड़ी अनिश्चितता ओमान से आ सकती है। मस्कट और तेहरान के बीच बातचीत चल रही है, जिसका उद्देश्य अमेरिका की सीधी भागीदारी के बिना जलडमरूमध्य से जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही बहाल करना है। इस पहल से ट्रंप स्पष्ट रूप से नाराज हैं।

यह बातचीत एक बार फिर संतुलन बदल सकती है। बातचीत के जरिए स्ट्रेट को फिर से खोलने से अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा की जरूरत कम हो सकती है और साथ ही समुद्री आवाजाही की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ओमान की भूमिका बढ़ सकती है।

फिलहाल, हालांकि उपलब्ध सबूत एक संतुलित निष्कर्ष की ओर इशारा करते हैं: अमेरिका होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर व्यावहारिक नियंत्रण की लड़ाई जीत रहा है, लेकिन उसे पूरा नियंत्रण नहीं मिला है। वहीं, ईरान के पास अब भी इतनी सैन्य क्षमता है कि वह जहाजों की आवाजाही को बाधित कर सकता है और कुछ हद तक अपना डर बनाए रख सकता है।

जैसा कि लिपो कहते हैं, इन खबरों को सावधानी से देखना चाहिए। लेकिन मुख्य सवाल पर, इस ट्रेंड को नजरअंदाज करना मुश्किल होता जा रहा है: ईरान ने जलडमरूमध्य पर कुछ हद तक नियंत्रण खो दिया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908